website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

दैनिक

# रॉयल पत्रिका

वर्ष :13 | अंक : 231 | पेज: 8 | जयपुर, बुधवार 30 जुलाई 2025 | मूल्य: 1.50 रुपये

## आतंकी हमले के लिए पाकिस्तान को भारी कीमत चुकानी होगी

### - न्यूक्लियर ब्लैकमेल नहीं चलेगा : पीएम मोदी

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को लोकसभा में 'ऑपरेशन सिंदूर' के लिए भारतीय सेना की तारीफ की। उन्होंने कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' ने तय कर दिया कि भारत में आतंकी हमले के लिए उसके आकाओं और पाकिस्तान को भारी कीमत चुकानी होगी।

पीएम मोदी ने कहा, "दुनिया ने देखा है कि हमारी कार्रवाई का दायरा कितना बढ़ा है। सिंदूर से लेकर सिंधू तक पाकिस्तान पर कार्रवाई की है। 'ऑपरेशन सिंदूर' ने तय कर दिया कि भारत में आतंकी हमले के लिए उसके आकाओं और पाकिस्तान को भारी कीमत चुकानी होगी। वे ऐसे ही नहीं जा सकते। 'ऑपरेशन सिंदूर' से स्पष्ट होता है कि भारत ने तीन सूत्र तय किए हैं। पहला- अगर भारत पर आतंकी हमला हुआ तो हम अपने तरीके, अपनी शर्तों और अपने समय पर जवाब देकर रहेंगे। दूसरा- कोई भी न्यूक्लियर ब्लैकमेल नहीं चलेगा, और तीसरी बात यह है कि हम आतंकी सरपरस्त सरकार और आतंकी आकाओं को अलग-अलग नहीं देखेंगे।"

उन्होंने लोकसभा में विदेश नीति पर विपक्ष की ओर से उठाए गए सवालों का भी जवाब दिया। पीएम मोदी ने कहा, "विदेश नीति को लेकर यहां काफी बातें की गई और दुनिया के समर्थन को लेकर भी बात की गई। मैं आज सदन में स्पष्ट रूप से बताना चाहता हूं कि दुनिया के किसी भी देश ने भारत को अपनी सुरक्षा में कार्रवाई करने से नहीं रोका है। संयुक्त राष्ट्र के 193 देशों में से सिर्फ तीन देशों ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान पाकिस्तान के समर्थन में बयान दिया था। क्वाड हो या ब्रिक्स हो या फिर फ्रांस, रूस या जर्मनी समेत किसी भी देश का नाम ले लीजिए, दुनिया भर से भारत को समर्थन मिला है।"

उन्होंने आगे कहा, "हमें दुनिया के देशों का समर्थन मिला, लेकिन यह दुर्भाग्य है कि मेरे देश के वीरों के पराक्रम को कांग्रेस का समर्थन नहीं मिला। 22 अप्रैल के आतंकी हमले के बाद तीन-चार दिन में ही ये उछल रहे थे और कह रहे थे कि कहां गई 56 इंच की छाती। कहां खो गया मोदी और मोदी तो फेल हो गया जैसी बातें कही गई। ये लोग मजा ले रहे थे और उनको लगता था कि बाजी मार ली। वह पहलगाम के निर्दोष लोगों की हत्या में भी अपनी राजनीति तलाशते थे। अपनी स्वार्थी राजनीति के लिए मुझ पर निशाना साध रहे थे, लेकिन उनकी यह बयानबाजी और छिछोरापन देश के सुरक्षा बलों का मनोबल गिरा रहा था। कांग्रेस को न तो भारत के सामर्थ्य पर भरोसा है और न ही भारत की सेनाओं पर भरोसा है। वह लगातार ऑपरेशन सिंदूर पर सवाल उठा रहे हैं। ऐसा करके आप लोग मीडिया में हेडलाइन तो ले सकते हैं, लेकिन देशवासियों के दिलों में जगह नहीं बना सकते।"

प्रधानमंत्री मोदी ने विपक्ष पर झूठ और प्रचार को बढ़ाने का आरोप लगाया। पीएम मोदी ने कहा, "10 मई को ऑपरेशन सिंदूर के तहत हो रहे एक्शन को रोकने की घोषणा की। इसको लेकर यहां भाती-भाती की बातें कही गई। ये वही प्रोपेगेंडा है, जो सीमा पार से फैलाया गया है। कुछ लोग सेना द्वारा दिए गए तथ्यों की जगह पाकिस्तान के झूठ और प्रचार को आगे बढ़ाने में जुटे हुए हैं, जबकि भारत का रुख हमेशा स्पष्ट रहा है।"

## भारत IBCA के माध्यम से वैश्विक बाघ संरक्षण में अग्रणी - केंद्रीय पर्यावरण मंत्री

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने मंगलवार को राष्ट्रीय प्राणी उद्यान, नई दिल्ली में आयोजित वैश्विक बाघ दिवस 2025 समारोह की अध्यक्षता की। वन्यजीव संरक्षण के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता का उल्लेतख करते हुए भूपेंद्र यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्रव मोदी के नेतृत्व में, भारत में बाघ अभयारण्यों की संख्या वर्ष 2014 में 46 से बढ़कर आज तक 58 हो गई है। यह वृद्धि हमारे राष्ट्रीय पशु की सुरक्षा के प्रति प्रधानमंत्री की अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

भूपेंद्र यादव ने भारत द्वारा शुरू किए गए अंतर्राष्ट्रीय बिग कैट अलायंस (IBCA) की ओर भी ध्यान आकर्षित किया, जिसका उद्देश्य दुनिया भर में पाई जाने वाली सात बड़ी बिल्लियों का संरक्षण करना है। उन्होंने बताया कि 24 देश पहले ही इस वैश्विक प्रयास में शामिल होने के लिए सहमत हो चुके हैं और इसका मुख्यालय भारत में होगा।

इस दौरान, भूपेंद्र यादव ने राष्ट्रव्यापी वृक्षारोपण अभियान शुभारंभ करने की घोषणा की, जिसके अंतर्गत सभी 58 बाघ अभयारण्यों में 1 लाख से अधिक पौधे लगाए जाएंगे। इससे यह दुनिया में इस तरह के सबसे बड़े अभियानों में से एक बन जाएगा।

पर्यावरण के प्रति अधिक जागरूकता का आह्वान करते हुए केंद्रीय मंत्री यादव ने बच्चों और नागरिकों से "एक पेड़ मां के नाम" अभियान के अंतर्गत अपनी मां के नाम पर कम से कम एक पौधा लगाने का आग्रह किया, जो मातृ शक्ति और धरती मां दोनों के प्रति कृतज्ञता का प्रतीक है।

उन्होंने कहा कि जैसे हमारी मां हमारा पालन-पोषण करती है, वैसे ही धरती मां भी करती है। एक पेड़ पक्षियों को आश्रय देता है, बिना मांगे फल देता है और निस्वार्थ भाव से ऑक्सीजन प्रदान करता है। आइए हम सब अपनी माताओं और इस धरती के लिए एक पेड़ लगाएं। पर्यावरण मंत्री ने युवाओं से दृढ़ संकल्प, धैर्य और विनम्रता का जीवन जीने और मिशन लाइफ के अंतर्गत संरक्षण प्रयासों के माध्यम से समाज में योगदान देने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि सच्ची प्रगति प्रकृति के साथ सामंजस्य बनाए रखने में ही निहित है। बाघ जैसा सबसे शक्तिशाली प्राणी भी हमें विनम्रता सिखाता है। यही पारिस्थितिक संतुलन का सार है।

## पहलगाम आतंकवादी हमला करने वाले तीनों आतंकी मारे गए

### -संसद में गृहमंत्री ने बताई 'ऑपरेशन महादेव' की टाइमलाइन

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को लोकसभा में ऐलान किया कि 'ऑपरेशन महादेव' के जरिए तीन आतंकियों को मार गिराया गया। ये सभी जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले में शामिल थे। उन्होंने बताया कि सुरक्षाबलों ने ऑपरेशन महादेव के जरिए आतंकी सुलेमान, अफगान और जिबरान को ढेर किया।

**केंद्रीय गृह मंत्री ने बताया कि कैसे आतंकियों को घेर किया ढेर**

इसके साथ ही गृह मंत्री अमित शाह ने संसद में विपक्ष को 'ऑपरेशन महादेव' की पूरी टाइमलाइन बताई। सदन को बताया कि इस ऑपरेशन की शुरुआत कब हुई और कैसे पहलगाम हमले को अंजाम देने वाले आतंकियों को ढेर किया गया।

**23 अप्रैल को हुई सुरक्षा मीटिंग**

गृह मंत्री अमित शाह ने सदन में बताया कि 23 अप्रैल को सुरक्षा मीटिंग हुई। सबसे पहले इसमें निर्णय हुआ कि हत्यारे पाकिस्तान भागने न पाएं। इसकी हमने पुख्ता व्यवस्था की और भागने नहीं दिया। 22 मई को आईबी के पास ह्मन इंटेल आई और दाचीगाम क्षेत्र के अंदर आतंकवादियों की उपस्थिति की जानकारी मिली। इस सूचना के पुख्ता करने के लिए मई से 22 जुलाई तक लगातार प्रयास किए। ऊंचाई पर सिग्नल हासिल करने के लिए हमारे अधिकारी आतंकियों के सिग्नल हासिल करने के लिए घूमते रहे।

**सेंसर के माध्यम से आतंकवादियों के मिलने की हुई पुष्टि**

आईबी और सीआरपीएफ भी लगातार घूमती रही। 22 जुलाई को हमें सफलता मिली। सेंसर के माध्यम से आतंकवादियों के मिलने की पुष्टि हुई। इसके बाद 4 पैरा जो हमारी सेना का एक हिस्सा है उसके नेतृत्व में सीआरपीएफ के जवान और जम्मू-कश्मीर पुलिस के जवानों ने एक साथ मिलकर आतंकियों को घेरने का काम किया। इसके बाद 28 जुलाई को ऑपरेशन महादेव के जरिए हमारे निर्दोष लोगों को मारने वाले तीनों आतंकी मौत के घाट उतार दिए गए।

**इन आतंकियों को पनाह देने वालों और खाना पहुंचाने वालों को पहले ही कर लिया था गिरफ्तार**

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आगे बताया कि एनआई ने पहले से ही इन 3 आतंकियों को पनाह देने वालों और खाना पहुंचाने वालों को गिरफ्तार कर लिया था। कल (28 जुलाई) जब इन आतंकवादियों के शव श्रीनगर आए, तो इनसे पहचान कराई गई, जिसमें से 4 लोगों ने पहचान लिया कि यही 3 लोग थे, जिन्होंने पहलगाम में आतंकी घटना को अंजाम दिया था। मगर हम लोगों ने इस पर भी भरोसा नहीं किया, कोई जल्दबाजी नहीं की।

पहलगाम हमले के घटनास्थल से जो कारतूस मिले, उसका एफएसएल रिपोर्ट पहले ही कराकर रखा था। जब कल आतंकी मारे गए। इनके पास एक अमेरिकन और दो एके-47 राइफलें मिलीं। कारतूस भी मिले। मगर हम इससे भी संतुष्ट नहीं हुए। इन राइफलों को एक विशेष विमान द्वारा कल रात चंडीगढ़ भेजा। मिलान होने पर तय हो गया कि इन्हीं राइफलों से पहलगाम हमले को अंजाम दिया गया था।

## हिमाचल प्रदेश के मंडी में फिर से फटा बादल, कई घर और गाड़ियां क्षतिग्रस्त

नई दिल्ली (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश में सोमवार बीती रात से जारी मूसलाधार बारिश के बीच मंडी जिले में भारी बाढ़ और मलबा आने से हालात सबसे ज्यादा खराब हुए हैं। मंडी शहर के जेल रोड और हॉस्पिटल रोड इलाके में बादल फटने के कारण अचानक नाले में उफान आने से बाढ़ का पानी और मलबा घरों में घुस गया। कई लोगों को समय रहते पुलिस व प्रशासन ने सुरक्षित बाहर निकाला। मंडी के उपायुक्त अपूर्व देवगन ने दो लोगों की मौत की और एक के लापता होने की पुष्टि की है। उन्होंने कहा है कि एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और पुलिस के जवान राहत व बचाव कार्यों में जुटे हैं।

**देर रात भारी बारिश के बाद अचानक आ गई बाढ़**

इसके अलावा कई घरों में मलबा घुस जाने से करीब पंद्रह लोगों को मलबे से निकाला गया। एक मकान में भारी मात्रा में मलबा घुस जाने से कमरे में दो लोग फंस गये थे, जिन्हें लोगों ने कमरे की खिड़की तोड़कर सुरक्षित बाहर निकाला। जानकारी अनुसार देर रात भारी बारिश के बाद अचानक बाढ़ आ गई, जिसने कई घरों को अपनी चपेट में ले लिया। घरों की निचली मंजिलों में पानी और मलबा भर गया, जिससे लोग फंस गए थे।

पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर, पूर्व मंत्री एवं विधायक अनिल शर्मा, उपायुक्त मंडी अपूर्व देवगन, नगर निगम के महापौर विरेंद्र भट्ट, स्थानीय पार्षद राजा, सुमन ठाकुर ,कमिशनर रोहित राठौर, एडीएम डॉ. मदन कुमार ने मौके पर पहुंचकर राहत व बचाव कार्यों का जायजा लिया। इस बारिश से अभी और कितना नुकसान हुआ है इसका आकलन किया जा रहा है।

**NH-3 और NH-154 पर हुआ भूस्खलन**

इधर, चंडीगढ़-मनाली राष्ट्रीय राजमार्ग (NH-3) और मंडी-पठानकोट हाईवे (NH-154) पर भी कई स्थानों पर भूस्खलन हुआ है। दोनों मार्ग बंद हैं और कई वाहन फंसे हुए हैं। लोक निर्माण विभाग, प्रशासन और आपदा प्रबंधन विभाग की टीमें राहत कार्य में जुटी हैं, जबकि एनडीआरएफ को भी अलर्ट पर रखा गया है।

**मंडी सहित पूरे प्रदेश में अगले 24 घंटों तक भारी बारिश की चेतावनी**

मौसम विभाग ने मंडी सहित पूरे प्रदेश में अगले 24 घंटों तक भारी बारिश की चेतावनी जारी की है, जिससे राहत कार्यों में और कठिनाइयां बढ़ गई हैं। गौरतलब है कि मंडी जिला इससे पहले भी 30 जून की रात बादल फटने की एक दर्जन घटनाओं से बुरी तरह प्रभावित हुआ था। सबसे ज्यादा तबाही सराज क्षेत्र में हुई थी।

राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र के अनुसार, अब तक करीब 1523 करोड़ रुपये से ज्यादा का नुकसान हुआ है। इसमें लोक निर्माण विभाग को 780 करोड़ और जलशक्ति विभाग को 499 करोड़ रुपये की क्षति हुई है। प्रदेश में अब तक 42 बार फ्लैश फ्लड, 25 बार बादल फटने और 32 बार भूस्खलन की घटनाएं दर्ज की गई हैं।

## भारत-अमेरिका का सुपर उपग्रह 'निसार' 30 जुलाई को होगा लॉन्च

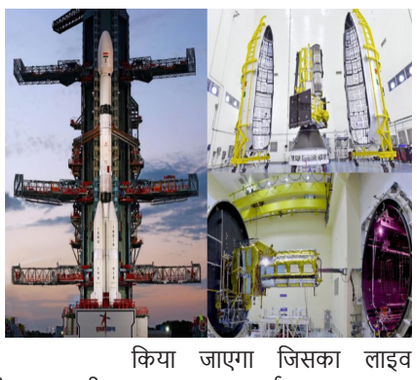

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) और नासा का संयुक्त मिशन 'निसार' उपग्रह 30 जुलाई को श्रीहरिकोटा से अपने निर्धारित समय शाम 5 बजकर 40 मिनट पर लॉन्च होगा। 1.5 बिलियन डॉलर का यह मिशन पृथ्वी की सतह की निगरानी में मददगार होगा। निसार उपग्रह हर 12 दिन में पृथ्वी की भूमि और बर्फीली सतहों को स्कैन करेगा और प्राकृतिक आपदाओं की निगरानी में मदद करेगा। इस मिशन को भारत के जीएसएलवी-एफ16 रॉकेट से प्रक्षेपित किया जाएगा।

**इसरो ने बताया- 'निसार उपग्रह अब लॉन्चिंग के लिए तैयार'**

इस संबंध में भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने बताया कि नासा-इसरो सिंथेटिक अपर्चर रडार (निसार) उपग्रह को 30 जुलाई को श्रीहरिकोटा के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से लॉन्च किया जाएगा।

**पीएम मोदी के भारत को 'विश्व बंधु' बनाने के दृष्टिकोण के अनुरूप**

इस मिशन को लेकर केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा है "यह मिशन प्रधानमंत्री नरेन्द्रर मोदी के भारत को 'विश्व बंधु' बनाने के दृष्टिकोण के अनुरूप है।"

उन्होंने यह भी कहा कि "निसार केवल एक उपग्रह नहीं है, यह दुनिया के साथ भारत का वैज्ञानिक सहयोग है।"

**इसरो और नासा का संयुक्त मिशन**

इसरो ने सोमवार को एक्स पोस्ट में बताया कि निसार उपग्रह अब लॉन्चिंग के लिए तैयार है। इसे प्रक्षेपण यान जीएसएलवी- एफ16 सिस्टम में स्थापित कर दिया गया है। इसकी जांच हो चुकी है। जीएसएलवी -एफ16 के माध्यम से निसार उपग्रह को कक्षा में स्थापित किया जाएगा जिसका लाइव प्रसारण 30 जुलाई शाम 5 बजकर 10 मिनट शुरू होगा। जीएसएलवी -एफ 16 का प्रक्षेपण पांच बजकर 40 मिनट पर होगा। निसार इसरो और अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा का संयुक्त मिशन है।

**क्या करेगा निसार ?**

निसार की मदद से धरती के हर क्षेत्र पर नजर रखना संभव हो सकेगा। यह सैटेलाइट 740 किलोमीटर की ऊंचाई पर स्थापित होगा। यह एक अत्याधुनिक रडार सैटेलाइट है, जो बादलों और बारिश के बावजूद 24 घंटे पृथ्वी की तस्वीरें ले सकता है। इसका उद्देश्यध बाढ़, ग्लेकशियर, कोस्ट ल इरोजन (तटीय क्षेत्रों में होने वाला कटाव) जैसी प्राकृतिक घटनाओं पर नजर रखना और उसकी पूर्व जानकारी देना है। इससे दुश्मन देशों की गतिविधियों पर भी पैनी नजर रखी जा सकेगी। निसार की लागत करीब 1.3 बिलियन डॉलर (करीब 11,240 करोड़ रुपये) है। यह न केवल भारत और अमेरिका, बल्कि पूरी दुनिया के लिए फायदेमंद होगा।

निसार उपग्रह दुनिया में अपनी तरह का पहला उपग्रहउल्लेखनीय है कि निसार उपग्रह दुनिया में अपनी तरह का पहला उपग्रह है जो प्रत्येक 12 दिनों पर समूची पृथ्वी की भूमि और बर्फीली सतहों को स्कैन करेगा। यह एक सेंटीमीटर स्तर तक की सटीक फोटो खींचने व प्रसारित करने में सक्षम है। इसमें नासा की तरफ से तैयार एल-बैंड और इसरो की ओर से विकसित एस-बैंड रडार लगाया गया है, जिन्हें विश्व में सबसे उन्नत माना जा रहा है।

## दिल्ली में तेज बारिश से गर्मी से राहत

### -IMD ने दी भारी बारिश की चेतावनी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में मंगलवार की सुबह तेज बारिश हुई, जिससे लोगों को उमस भरे मौसम से राहत मिली। हालांकि, भारतीय मौसम विभाग (IMD) ने दिल्ली-एनसीआर में भारी बारिश को लेकर अलर्ट जारी किया है। IMD ने चेतावनी दी है कि भारी बारिश से निचले इलाकों में जलभराव, सड़कों पर पानी भरने, अंडरपास बंद होने, ट्रैफिक जाम, दृश्यता कम होने और फसलें, पौधे, कमजोर इमारतें और कच्चे घरों को नुकसान हो सकता है।

वहीं तेज बारिश के कारण हवाई यात्रा पर भी असर पड़ सकता है। इसको लेकर एयर इंडिया ने यात्रियों के लिए एक ट्रैवल एडवाइजरी जारी की है, जिसमें कहा गया है कि दिल्ली आने-जाने वाली उड़ानों में देरी या बदलाव संभव है। यात्रियों को हवाई अड्डे के लिए समय से पहले निकलने और अपनी उड़ान की स्थिति जांचने की सलाह दी गई है। IMD के अनुसार, 4 अगस्त तक देश के कई हिस्सों में भारी बारिश होने की संभावना है। खासकर मंगलवार को उत्तर-पश्चिम भारत के इलाकों जैसे पूर्वी राजस्थान और हिमाचल प्रदेश में बेहद भारी बारिश की चेतावनी है। इसके अलावा उत्तराखंड, पंजाब और हरियाणा में भी भारी बारिश जारी रहेगी।

पश्चिम भारत के क्षेत्रों जैसे कोंकण और गुजरात में 29 जुलाई को कुछ स्थानों पर भारी बारिश हो सकती है, और अगले 6-7 दिनों तक हल्की से मध्यम बारिश की संभावना है। पूर्वोत्तर भारत, जिसमें असम और अरुणाचल प्रदेश शामिल हैं, वहां भी भारी से बहुत भारी बारिश हो सकती है। पूर्वी और मध्य भारत के राज्यों जैसे बिहार और मध्य प्रदेश में कुछ इलाकों में भारी बारिश और गरज के साथ बिजली गिरने की संभावना है।

दक्षिण भारत के तटीय क्षेत्रों जैसे केरल और तटीय कर्नाटक में 29 और 30 जुलाई को भारी बारिश और तेज हवाएं (40-50 किमी प्रति घंटा) चल सकती हैं। इसके अलावा पूरे दक्षिण भारत में अगले हफ्ते तक हल्की से मध्यम बारिश जारी रहने की उम्मीद है। इस मौसम को देखते हुए लोगों को सावधानी बरतने और मौसम विभाग की सलाह का पालन करने की अपील की गई है।

## देवघर में भीषण सड़क हादसा ; कांवड़ियों से भरी बस ट्रक से टकराई, कई घायल

नई दिल्ली (एजेंसी)। झारखंड के देवघर जिले में मंगलवार को एक सड़क हादसे में कई लोगों के गंभीर रूप घायल होने की खबर है। यह हादसा देवघर के मोहनपुर ब्लॉक के पास जमुनिया गांव के पास हुआ, जहां एक बस और गैस सिलेंडर से भरे ट्रक की सीधी टक्कर हो गई। हादसे के वक्त बस में लगभग 35 कांवड़िये सवार थे, जो श्रावणी मेले के दौरान बाबा बैद्यनाथ धाम में जल चढ़ाने जा रहे थे।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बस के परखच्चे उड़ गए और बस में चीख-पुकार मच गई। हादसे के बाद कई यात्री बस में ही फंसे रह गए, जिन्हें बाहर निकालने के लिए पुलिस, एंबुलेंस और राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (NDRF) की टीमों को तुरंत मौके पर बुलाया गया। क्रेन की मदद से बस का मलबा हटाकर घायलों को निकाला गया।

घायलों को पास के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों और देवघर सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां कई लोगों की हालत गंभीर बताई जा रही है। जिला प्रशासन और पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे और बाद में अस्पतालों का दौरा कर राहत और उपचार कार्यों की निगरानी की। प्रशासन ने प्रारंभिक जांच शुरू कर दी है, जिसमें यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि कहीं हादसा ड्राइवर की लापरवाही की वजह से तो नहीं हुआ।

## आयुष्मान आरोग्य मंदिर और एनएचएम के तहत 10.18 करोड़ महिलाओं की गर्भाशय ग्रीवा कैंसर की हुई स्क्रीनिंग

नई दिल्ली (एजेंसी)। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने महिलाओं के स्वास्थ्य क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। पूरे देश में 30 वर्ष और उससे अधिक आयु की 10.18 करोड़ से अधिक महिलाओं की गर्भाशय ग्रीवा कैंसर (सर्वाइकल कैंसर) की जांच की गई है। यह उपलब्धि गैर-संचारी रोगों (एनसीडी) की जांच, रोकथाम और प्रबंधन के लिए जनसंख्या-आधारित पहल के अंतर्गत हासिल हुई है, जिसे राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के तहत आयुष्मान आरोग्य मंदिरों (एएएम) के माध्यम से लागू किया जा रहा है।

यह पहल 30 से 65 वर्ष की महिलाओं को लक्षित करती है। जांच मुख्य रूप से प्रशिक्षित स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा सब-हेल्थ सेंटर और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर एसिटिक एसिड से दृश्य निरीक्षण (VIA) पद्धति से की जाती है। VIA-पॉजिटिव पाए गए मामलों को आगे के निदान के लिए उच्च केंद्रों पर भेजा जाता है।

स्वास्थ्य मंत्रालय ने 20 फरवरी से 31 मार्च 2025 तक एक समयबद्ध एनसीडी स्क्रीनिंग अभियान भी शुरू किया था, जिससे 30 वर्ष और उससे अधिक आयु के व्यक्तियों की जांच में तेजी आई। इस अभियान की सफलता ने वर्तमान उपलब्धि में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री प्रतापराव जाधव ने शुक्रवार को लोकसभा में एक लिखित उत्तर में यह जानकारी दी।

# रॉयल पत्रिका

## संपादकीय....

### जर्जर इमारतें बनीं खतरे की घंटी, रस्म अदायगी बनकर रह गई प्रशासनिक कार्रवाई

शहर की बदलती तस्वीर के पीछे एक सच्चाई यह भी है कि कई इलाके ऐसे हैं जहां जर्जर इमारतें खतरे की घंटी बनकर खड़ी हैं। हर साल बारिश से पहले प्रशासन द्वारा इन इमारतों की सूची जारी करना अब एक रस्म अदायगी बन कर रह गया है। इन सूचियों में नाम तो जुड़ते हैं, चेतावनियां भी जारी की जाती हैं, लेकिन ज़मीनी स्तर पर जो कार्रवाई होनी चाहिए, वह अक्सर नदारद रहती है। नतीजा यह होता है कि जब कोई हादसा होता है, तब जागने की प्रक्रिया शुरू होती है, पर तब तक बहुत देर हो चुकी होती है। शहर की कई सौ साल पुरानी इमारतें, खासकर पुराने मोहल्लों, बाज़ारों और घनी आबादी वाले क्षेत्रों में मौजूद हैं, जो समय के साथ कमजोर हो चुकी हैं। इन इमारतों की दीवारों में दरारें हैं, छतें झुकी हुई हैं और उनकी नींव में मजबूती का नामोनिशान नहीं बचा है। इन जर्जर ढांचों में कई परिवारों का आशियाना है, जो मजबूरीवश इन खतरनाक इमारतों में रह रहे हैं। ये लोग अच्छी तरह जानते हैं कि ये मकान किसी भी वक़्त गिर सकते हैं, लेकिन महंगाई, गरीबी और वैकल्पिक व्यवस्था की कमी उन्हें इनसे दूर नहीं कर पा रही है। प्रशासन हर साल बरसात से पहले खतरे में पड़ी इन इमारतों की लिस्ट बनाता है, और उसमें रहने वालों को खाली करने का नोटिस थमा देता है। लेकिन इसके आगे की कहानी धुंधली हो जाती है। न मकान खाली होते हैं, न प्रशासन कोई ठोस कार्रवाई करता है। ना ही वैकल्पिक व्यवस्था की बात होती है, और न ही मालिकों या किराएदारों के बीच कोई समाधान निकलता है। कभी-कभी तो ये सूचियां भी पुराने वर्षों की कॉपी-पेस्ट प्रतीत होती हैं, जिनमें शायद नाम तो बदलते हैं, लेकिन सोच वही रहती है। यह लापरवाही केवल प्रशासन तक सीमित नहीं है। मकान मालिक भी अपने स्तर पर कोई मरम्मत या पुनर्निर्माण नहीं कराते, क्योंकि उन्हें या तो आर्थिक तंगी होती है या फिर संपत्ति विवाद के चलते निर्माण कार्य रुका होता है। कई मामलों में तो इन इमारतों पर कानूनी विवाद चल रहे होते हैं, जिनका हल वर्षों तक नहीं निकलता। नतीजा यह होता है कि इन घरों में रहने वाले लोग हर दिन मौत के साये में जीते हैं। मीडिया जब किसी इमारत गिरने की खबर दिखाता है और उसमें हुई मौतों या घायलों की तस्वीरे सामने आती हैं, तब प्रशासन की नींद टूटती है। तुरंत जांच कमेटी बनती है, मुआवज़े की घोषणा होती है और फिर कुछ दिनों बाद सब कुछ सामान्य हो जाता है। लेकिन सवाल यह है कि क्या हमें हर बार हादसे का इंतज़ार करना चाहिए? क्या हमारे पास ऐसा कोई सिस्टम नहीं हो सकता जो समय रहते जर्जर इमारतों को खाली करवाकर लोगों की जान बचा सके? ज़रूरत इस बात की है कि केवल लिस्ट बनाना या चेतावनी देना ही प्रशासन की ज़िम्मेदारी न मानी जाए। उसे यह सुनिश्चित करना चाहिए कि सूचीबद्ध की गई इमारतों को या तो तुरंत खाली कराया जाए या उनमें मरम्मत का कार्य करवाया जाए। यदि मकान मालिक इसमें रुचि नहीं लेता, तो प्रशासन को सख्ती से कार्रवाई करनी चाहिए। साथ ही, किराएदारों के लिए अस्थायी शेल्टर होम्स की व्यवस्था की जानी चाहिए ताकि कोई सड़क पर न आ जाए। इसके साथ-साथ नागरिकों को भी अपनी ज़िम्मेदारी समझनी होगी।

# राष्ट्रीय शिक्षा नीति के पाँच वर्ष: शिक्षा में नवजागरण की ओर, यह सिर्फ एक नीति नहीं, बल्कि एक शैक्षिक क्रांति है

## -आत्मनिर्भर भारत की नींव रखती नई सोच

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (National Education Policy - NEP) 2020, भारतीय शिक्षा प्रणाली में एक युगांतकारी परिवर्तन का प्रतीक है। वर्ष 2025 में इसके पांच साल पूरे हो चुके हैं और इन वर्षों में इसके प्रभाव, चुनौतियाँ, उपलब्धियाँ और दूरगामी असर का आकलन करना बेहद ज़रूरी हो गया है। यह नीति सिर्फ काग़ज़ों तक सीमित नहीं रही, बल्कि ज़मीन पर व्यापक बदलाव लेकर आई है। यह एक ऐसा परिवर्तन है जिसने भारतीय शिक्षा को औपनिवेशिक ढांचे से निकालकर 21वीं सदी की वैश्विक प्रतिस्पर्धा के योग्य बनाने की दिशा में ठोस कदम बढ़ाए हैं।

**राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की पृष्ठभूमि**

स्वतंत्रता के बाद भारत में तीन प्रमुख राष्ट्रीय शिक्षा नीतियाँ बनीं — 1968, 1986 और अब 2020। 34 वर्षों के लंबे अंतराल के बाद जब नई शिक्षा नीति 2020 लाई गई, तब देश में डिजिटल युग अपनी पराकाष्ठा पर था, वैश्विकरण चरम पर था और नई पीढ़ी को एक नई सोच व कौशल के साथ तैयार करने की ज़रूरत महसूस की जा रही थी। इस नीति का उद्देश्य भारत को "वैश्विक ज्ञान महाशक्ति" बनाना है और शिक्षा को केवल डिग्री के बजाय कौशल और मूल्यों पर आधारित बनाना है। इसमें मातृभाषा में शिक्षा, मल्टीडिसिप्लिनरी अप्रोच, लचीलापन, कौशल विकास और डिजिटल लर्निंग को प्राथमिकता दी गई।

**पांच वर्षों की प्रमुख उपलब्धियाँ**

**स्कूली शिक्षा में व्यापक सुधार**

5+3+3+4 ढांचा: पारंपरिक 10+2 के बजाय अब 5+3+3+4 मॉडल लागू किया गया है जो बाल्यावस्था से लेकर कक्षा 12 तक शिक्षा को वैज्ञानिक रूप से वर्गीकृत करता है। पूर्व-प्राथमिक शिक्षा को मान्यता: 3 साल के बच्चों की पढ़ाई अब औपचारिक शिक्षा का हिस्सा बन चुकी है। मूलभूत साक्षरता और संख्यात्मकता अभियान (FLN Mission): 'निपुण भारत' के माध्यम से 2026-27 तक सभी बच्चों को बुनियादी पढ़ने, लिखने और गणना की योग्यता दिलाने का लक्ष्य तय किया गया है। मातृभाषा में शिक्षा: कक्षा 5 तक (आवश्यकता अनुसार कक्षा 8 तक) मातृभाषा या क्षेत्रीय भाषा में पढ़ाई को प्रोत्साहित किया गया है।

**उच्च शिक्षा में लचीलापन और समावेशिता**

मल्टी-एंट्री-मल्टी-एग्ज़िट प्रणाली: अब छात्र किसी भी वर्ष शिक्षा छोड़ने या पुनः शुरू करने पर भी सर्टिफिकेट, डिप्लोमा या डिग्री ले सकते हैं। क्रेडिट बैंक सिस्टम: 'Academic Bank of Credits' से छात्र विभिन्न विश्वविद्यालयों और संस्थानों से पढ़ाई कर सकते हैं और क्रेडिट एकत्र कर डिग्री प्राप्त कर सकते हैं। एकल नियामक संस्था - HECI: UGC, AICTE, NCTE जैसे कई नियामकों के स्थान पर अब एक ही उच्च शिक्षा आयोग प्रस्तावित है जो समग्र रूप से उच्च शिक्षा को नियंत्रित करेगा। राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (CUET): केंद्रीय विश्वविद्यालयों में प्रवेश अब एक समान प्रवेश परीक्षा के ज़रिए होता है जिससे पारदर्शिता और योग्यता को प्राथमिकता मिलती है।

**कौशल विकास और रोजगारोन्मुखी शिक्षा**

स्कूल स्तर पर व्यावसायिक शिक्षा: कक्षा 6 से ही बच्चों को कोडिंग, बढ़ईगिरी, बढ़ईकला, खेती, डिजिटलीकरण जैसे व्यावसायिक विषयों से जोड़ा गया। इंटरशिप अनिवार्यता: उच्च शिक्षा के दौरान छात्रों को 10-12 सप्ताह की व्यावसायिक ट्रेनिंग या इंटर्नशिप करने का अवसर दिया जाता है। उद्यमिता और नवाचार को बढ़ावा: विश्वविद्यालयों में इनक्यूबेशन सेंटर, स्टार्टअप लैब और नवाचार परिषदों की स्थापना हुई है।

**शिक्षक शिक्षा में बदलाव**

B.Ed की पुनर्रचना: अब चार वर्षीय एकीकृत B.Ed कार्यक्रम अनिवार्य किया गया है जो शिक्षकों की गुणवत्ता को बढ़ाएगा। टीचर्स ट्रेनिंग और डिजिटल स्किल्स: DIKSHA और NISHTHA जैसे डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से लाखों शिक्षकों को डिजिटल युग के अनुरूप तैयार किया गया है।

**डिजिटल शिक्षा की क्रांति**

PM eVIDYA, SWAYAM, Diksha पोर्टल: ऑनलाइन लर्निंग के लिए देशव्यापी प्लेटफॉर्म बनाए गए, जिससे सस्ती और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध हो रही है। वन क्लास, वन टीवी चैनल: दूरदराज़ के क्षेत्रों में बच्चों तक टीवी के माध्यम से शिक्षा पहुँचाने की पहल की गई है।

राज्यों की भूमिका और कार्यान्वयन

राष्ट्रीय शिक्षा नीति को राज्यों के सहयोग से लागू किया जा रहा है क्योंकि शिक्षा एक समवर्ती विषय है। उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, कर्नाटक, हरियाणा जैसे राज्यों ने इसे तेजी से लागू किया। राजस्थान, महाराष्ट्र, और तमिलनाडु में भी स्कूली पाठ्यक्रम को NEP के अनुसार संशोधित किया जा रहा है। राज्यों ने SCERT, DIET और अन्य संस्थाओं के माध्यम से शिक्षक प्रशिक्षण और पाठ्यक्रम संशोधन का कार्य शुरू किया है। हाल ही में कुछ राज्यों ने बोर्ड परीक्षाओं में कौशल आधारित प्रश्नों का समावेश किया है।

**समाज पर प्रभाव**

**मातृभाषा को बढ़ावा**

NEP के तहत प्राथमिक शिक्षा मातृभाषा में होने से बच्चों को समझने में आसानी हुई है और ड्रॉपआउट रेट में कमी आई है।

**छात्र केंद्रित शिक्षा**

अब शिक्षा केवल किताबों तक सीमित नहीं, बल्कि बच्चों की रुचियों, क्षमताओं और जीवन कौशल पर केंद्रित हो गई है।

**महिला शिक्षा और समावेशन**

NEP के माध्यम से महिला शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए छात्रवृत्तियों, स्किल डेवलपमेंट और डिजिटल एक्सेस की विशेष योजनाएँ चलाई गई हैं।

**ग्रामीण और शहरी अंतर में कमी**

डिजिटल प्लेटफॉर्म और क्षेत्रीय भाषाओं में उपलब्ध पाठ्य सामग्री ने शिक्षा को सुलभ बना दिया है, विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों के लिए।

चुनौतियाँ और चिंताएँ

**मातृभाषा बनाम वैश्विक भाषा**

जहाँ मातृभाषा में शिक्षा को बढ़ावा मिला, वहीं कई माता-पिता अंग्रेज़ी माध्यम के प्रति अधिक आकर्षित हैं। इससे नीति को लागू करने में व्यावहारिक कठिनाइयाँ आती हैं।

डिजिटल डिवाइड

हर क्षेत्र में इंटरनेट और डिजिटल उपकरणों की उपलब्धता एकसमान नहीं है, जिससे शिक्षा की समानता प्रभावित होती है।

शिक्षक प्रशिक्षण की गति

नई नीति के अनुरूप प्रशिक्षित शिक्षकों की भारी आवश्यकता है, परन्तु प्रशिक्षण प्रक्रिया अपेक्षाकृत धीमी रही है।

वित्तीय संसाधन की आवश्यकता

NEP को पूरी तरह लागू करने के लिए केंद्र और राज्यों को शिक्षा पर GDP का 6% खर्च करने का लक्ष्य रखा गया है, परंतु अब तक यह 3-4% से ऊपर नहीं जा पाया।

भविष्य की दिशा और अपेक्षाएँ

**पाठ्यक्रम और मूल्यांकन में नवाचार**

'पढ़ाई के लिए परीक्षा' के स्थान पर 'सीखने के लिए मूल्यांकन' को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। बोर्ड परीक्षा को आसान बनाना, और बच्चों के जीवन कौशल, आलोचनात्मक सोच, और नैतिक मूल्यों पर आधारित प्रश्नों को बढ़ाना ज़रूरी होगा।

**निजी और सरकारी साझेदारी**

शिक्षा के क्षेत्र में PPP मॉडल (Public-Private Partnership) के तहत निजी क्षेत्र की तकनीकी विशेषज्ञता का लाभ लिया जा सकता है।

**अनुसंधान और नवाचार पर ज़ोर**

विश्वविद्यालयों में अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए विशेष फंडिंग, शोध छात्रवृत्ति और इंडस्ट्री लिंक्ड प्रोजेक्ट्स की व्यवस्था की जानी चाहिए।

**सामाजिक समरसता और बहुभाषिकता**

देश के बहुभाषिक और बहुसांस्कृतिक स्वरूप को शिक्षा नीति में समाहित करते हुए सभी वर्गों को समान अवसर दिए जाने चाहिए।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020, अपने पांच वर्षों की यात्रा में यह सिद्ध कर चुकी है कि यह सिर्फ एक दस्तावेज़ नहीं, बल्कि एक शिक्षा क्रांति है। इसने शिक्षा को केवल अंक और डिग्रियों की परिधि से निकालकर जीवन निर्माण, कौशल विकास, और आत्मनिर्भरता की दिशा में अग्रसर किया है। पांच वर्षों में हुए सकारात्मक परिवर्तनों से यह स्पष्ट होता है कि यदि NEP को पूरे समर्पण और संसाधनों के साथ लागू किया जाए, तो भारत की युवा पीढ़ी वैश्विक मंच पर न केवल प्रतिस्पर्धा कर सकेगी बल्कि नेतृत्व भी कर पाएगी।

# मोदी की मालदीव यात्रा: हिंद महासागर में रणनीतिक संतुलन की नई दिशा

## -तीन प्रमुख प्राथमिकताएँ: सुरक्षा, सहयोग और समर्पण

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की हालिया मालदीव यात्रा न केवल भारत-मालदीव द्विपक्षीय संबंधों की मज़बूती की प्रतीक रही, बल्कि हिंद महासागर क्षेत्र (IOR) में भारत की रणनीतिक सोच और संतुलनकारी भूमिका की झलक भी प्रस्तुत करती है। इस यात्रा के दौरान समुद्री निगरानी, रक्षा प्रशिक्षण, आपदा प्रबंधन और द्वीपीय सहयोग जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में कई रणनीतिक समझौतों पर सहमति बनी। यह यात्रा चीन की क्षेत्रीय विस्तारवादी नीति के संदर्भ में और भी महत्वपूर्ण हो जाती है, जहाँ भारत अपनी "नेबरहुड फर्स्ट" और "सागर" (Security and Growth for All in the Region) नीति के तहत एक भरोसेमंद साझेदार के रूप में उभरा है।

**मालदीव का रणनीतिक महत्व**

मालदीव हिंद महासागर में स्थित एक छोटा सा द्वीपीय देश है, जो भारत के दक्षिण-पश्चिम में लगभग 700 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। यह देश 26 प्रवाल द्वीपों का समूह है, और इसकी भौगोलिक स्थिति इसे हिंद महासागर के समुद्री यातायात मार्गों में एक अत्यंत महत्वपूर्ण कड़ी बनाती है। विश्व का लगभग 80% व्यापारिक समुद्री मार्ग इसी क्षेत्र से होकर गुजरता है, जिससे मालदीव की रणनीतिक भूमिका और भी बढ़ जाती है। इसलिए भारत के लिए मालदीव के साथ मज़बूत रिश्ते केवल सांस्कृतिक या ऐतिहासिक नहीं बल्कि सामरिक और आर्थिक दृष्टिकोण से भी अत्यंत आवश्यक हैं।

**यात्रा की प्रमुख प्राथमिकताएं**

प्रधानमंत्री मोदी की इस यात्रा की तीन मुख्य प्राथमिकताएं थीं:

समुद्री निगरानी (Maritime Surveillance)

रक्षा प्रशिक्षण और क्षमतावृद्धि (Defense Training & Capacity Building)

**आपदा प्रबंधन में सहयोग (Disaster Management Cooperation)**

**1. समुद्री निगरानी में सहयोग**

भारत और मालदीव के बीच समुद्री निगरानी को लेकर पहले से ही सहयोग की एक मज़बूत नींव है। इस यात्रा में इसे और व्यापक बनाने पर ज़ोर दिया गया। भारत की नौसेना और कोस्ट गार्ड, मालदीव के रक्षा बलों को तकनीकी और तकनीकी सहयोग प्रदान कर रही हैं। भारत ने कोस्टल रडार सिस्टम को अपग्रेड करने का आश्वासन दिया जो समुद्री सीमाओं पर निगरानी रखने में मदद करेगा। Indian Coastal Surveillance Radar System के तहत मालदीव को ऐसे उपकरण दिए गए हैं जो न केवल सुरक्षा बल्कि मछली पकड़ने की अवैध गतिविधियों पर भी नजर रख सकते हैं। भारत ने नए डोर्नियर एयरक्राफ्ट और सुरक्षा गश्ती नौकाएं प्रदान करने की भी पेशकश की। यह सहयोग केवल सैन्य ही नहीं बल्कि समुद्री पर्यावरण सुरक्षा, तस्करी रोकथाम और मानवीय सहायता की दिशा में भी उपयोगी होगा।

**2.रक्षा प्रशिक्षण और क्षमतावृद्धि**

भारत और मालदीव के बीच रक्षा सहयोग दशकों पुराना है। इस यात्रा के दौरान भारत ने स्पष्ट किया कि वह मालदीव की सेनाओं को प्रशिक्षण देने, आधुनिक तकनीक से परिचय कराने और संयुक्त अभ्यासों के माध्यम से उनकी क्षमताओं को बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। भारत में मालदीव नेशनल डिफेंस फोर्स (MNDF) के अधिकारियों और सैनिकों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। भारत ने मालदीव के रक्षा संस्थानों को तकनीकी सहायता और विशेषज्ञता देने की योजना बनाई है। भविष्य में दोनों देशों के बीच संयुक्त सैन्य अभ्यासों की संख्या बढ़ाई जाएगी जिससे सामरिक तालमेल और भरोसा मज़बूत हो। भारत का यह प्रयास न केवल मालदीव को सशक्त बनाता है बल्कि चीन जैसे

बाहरी ताकतों के बढ़ते प्रभाव को संतुलित करने की रणनीति का हिस्सा भी है।

**3. आपदा प्रबंधन और मानवीय सहायता**

मालदीव प्राकृतिक आपदाओं की दृष्टि से एक संवेदनशील देश है। समुद्र स्तर बढ़ने और तूफानों की वजह से वहाँ अक्सर आपात स्थितियाँ पैदा होती हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने जलवायु परिवर्तन के असर को देखते हुए मालदीव को हर संभव आपदा राहत और पुनर्वास सहायता देने का आश्वासन दिया। भारत ने "सागर" (SAGAR - Security and Growth for All in the Region) नीति के तहत मालदीव को समय पर आपदा राहत पहुँचाने के लिए विशेष ह्यूमैनिटेरियन असिस्टेंस एंड डिजास्टर रिलीफ (HADR) टीम की स्थापना पर सहमति जताई। भारत द्वारा पहले भी 2014 में "ऑपरेशन नेइर" और 2004 की सुनामी के बाद राहत सहायता जैसे अभियानों में तत्परता दिखाई गई थी। प्रधानमंत्री ने यह स्पष्ट किया कि आपदा के समय "भारत पहला देश होगा जो मदद पहुँचाएगा", और यह केवल राजनयिक बयान नहीं, बल्कि भारत की एक परंपरा बन चुकी है।

**साझा परियोजनाएं और विकास कार्य**

मोदी की यात्रा के दौरान दोनों देशों के बीच कई विकास परियोजनाओं पर भी चर्चा हुई, जिनमें प्रमुख हैं: ग्रेटर माले कनेक्टिविटी प्रोजेक्ट (GMCP): यह परियोजना भारत द्वारा वित्तपोषित है और यह मालदीव की राजधानी माले को अन्य द्वीपों से जोड़ेगी। यह परियोजना मालदीव के बुनियादी ढांचे में क्रांतिकारी परिवर्तन लाएगी। आईटी, शिक्षा, स्वास्थ्य और पर्यटन में सहयोग को भी बढ़ाया गया है। भारत की लाइन ऑफ क्रेडिट (LoC) के तहत अनेक बुनियादी ढांचा परियोजनाएं चल रही हैं, जिसमें स्कूल, अस्पताल और पुल निर्माण जैसे कार्य शामिल हैं।

**राजनीतिक संकेत और चीन को संतुलन**

मालदीव की आंतरिक राजनीति में भी हाल के वर्षों में भारत-चीन को लेकर खींचतान रही है। कई बार "इंडिया आउट" जैसे नारे उछाले गए, लेकिन मोदी की यह यात्रा स्पष्ट संकेत देती है कि भारत अभी भी मालदीव का प्राथमिक सहयोगी है। चीन ने पिछले कुछ वर्षों में मालदीव में बड़े पैमाने पर निवेश किया है और वहाँ के कई रणनीतिक बंदरगाहों पर उसकी नजर रही है। लेकिन भारत की "Soft Power Diplomacy" और People-centric Development Projects ने जनता के बीच भरोसा बनाया है।

प्रधानमंत्री मोदी का यह बयान भी उल्लेखनीय रहा: "हम समुद्र को विभाजन नहीं, सहयोग का माध्यम मानते हैं।"

यह एक तरह से चीन की "String of Pearls" रणनीति के खिलाफ भारत की "मोरल स्ट्रैटेजी" भी मानी जा सकती है।

'

# "मौलाना मोहम्मद बरकतुल्लाह: गुमनाम लेकिन महान क्रांतिकारी"

## -भोपाल से काबुल तक: मौलाना बरकतुल्लाह की आज़ादी की जंग

मौलाना बरकतुल्लाह एक ऐसे समय में यूरोप पहुँचे जब वहां भारत की आज़ादी के आंदोलन को अंतरराष्ट्रीय स्वरूप देने की कोशिशें हो रही थीं। 1879 में वह इंग्लैंड पहुँचे और वहां ब्रिटिश इंडिया एसोसिएशन में सक्रिय भूमिका निभाई। उन्होंने अंग्रेज़ी, फ्रेंच और जर्मन भाषाएं सीखी ताकि विदेशी मीडिया और लेखकों के जरिए भारत की सच्ची तस्वीर दुनियाभर में पहुंचाई जा सके। इसी दौरान उन्होंने कई प्रभावशाली लेख लिखे जिनमें ब्रिटिश सरकार की दमनकारी नीतियों की आलोचना की गई। उनके लेख और भाषण अंग्रेज़ों के लिए इतनी परेशानी का सबब बन गए कि उन पर देशद्रोह का मुकदमा चलाया गया और उन्हें इंग्लैंड छोड़ना पड़ा।

**'गदर आंदोलन' से जुड़ाव**

बरकतुल्लाह को सबसे ज़्यादा प्रसिद्धि उस वक्त मिली जब उन्होंने ग़दर पार्टी से जुड़कर ब्रिटिश साम्राज्य के ख़िलाफ़ खुले तौर पर बगावत की। यह पार्टी अमेरिका और कनाडा में बसे भारतीय प्रवासियों द्वारा बनाई गई थी, जिसका मुख्य उद्देश्य भारत को अंग्रेज़ों से आज़ाद कराना था। 1913 में बरकतुल्लाह अमेरिका पहुँचे और वहाँ से भारतीय युवाओं को संगठित करने में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने गदर पार्टी के प्रचार-प्रसार के लिए उर्दू और अंग्रेज़ी में क्रांतिकारी लेख लिखे और भाषण दिए। उन्होंने अमेरिका में भारत के पहले 'स्वतंत्रता दूतावास' की नींव भी रखी।

**जापान और तुर्की में भारत का समर्थन**

1915 में मौलाना बरकतुल्लाह जापान गए और वहाँ भारतीय छात्रों और मुस्लिम नेताओं के साथ मिलकर आज़ादी की योजनाएं बनाईं। जापान उस समय ब्रिटेन का विरोधी नहीं था, लेकिन मौलाना ने वहां से क्रांतिकारी प्रचार अभियान जारी रखा। इसके बाद वे तुर्की (उस्मानी खिलाफ़त) और जर्मनी भी गए, जहाँ उन्होंने भारत की स्वतंत्रता के लिए अंतरराष्ट्रीय समर्थन जुटाने की कोशिश की। खासतौर पर तुर्की में, उन्होंने ब्रिटिश शासन के खिलाफ मुस्लिम उम्मत के ज़रिए दबाव बनाने की रणनीति पर काम किया।

**1915-1916: जर्मन सहयोग और अफगानिस्तान सरकार**

प्रथम विश्व युद्ध के दौरान जर्मनी और ब्रिटेन के बीच दुश्मनी चल रही थी। मौलाना बरकतुल्लाह ने इस मौके का इस्तेमाल करते हुए जर्मन सरकार से भारत की आज़ादी के लिए मदद माँगी। उनकी कोशिशों से प्रभावित होकर जर्मन सरकार ने भारत में क्रांति भड़काने के लिए आर्थिक और रणनीतिक सहयोग का वादा किया। इसी सिलसिले में मौलाना बरकतुल्लाह अफगानिस्तान पहुँचे, जहाँ उन्होंने मौलाना ओबैदुल्लाह सिंधी, राजा महेन्द्र प्रताप सिंह और अन्य क्रांतिकारियों के साथ मिलकर भारत की पहली अस्थायी स्वतंत्र सरकार (Provisional Government of India) की स्थापना की।

**भारत की पहली निर्वासित सरकार:**

1 दिसंबर 1915 को काबुल (अफगानिस्तान) में प्रोविजनल गवर्नमेंट ऑफ इंडिया की स्थापना की गई।

इस सरकार में:

राजा महेन्द्र प्रताप सिंह राष्ट्रपति बनाए गए,

मौलाना बरकतुल्लाह प्रधानमंत्री,

मौलाना ओबैदुल्लाह सिंधी गृह मंत्री। इस सरकार ने ब्रिटिश साम्राज्य को खुली चुनौती दी। उन्होंने तुर्की, जर्मनी और रूस जैसे देशों से भारत की आज़ादी के लिए समर्थन माँगा।

**दुनिया में भारत का पहला क्रांतिकारी दूत**

मौलाना बरकतुल्लाह दुनिया के उन चुनिंदा नेताओं में से थे जिन्होंने भारत की स्वतंत्रता की लड़ाई को वैश्विक स्तर पर पहुँचाया। वे भारत के पहले क्रांतिकारी राजदूत थे, जिन्होंने जापान, रूस, तुर्की, जर्मनी और अफगानिस्तान की सरकारों से आज़ादी के समर्थन की अपील की। वे यह समझते थे कि केवल भारत के अंदर आंदोलन करने से कुछ नहीं होगा। ब्रिटिश हुकूमत एक वैश्विक ताक़त थी, इसलिए इसके खिलाफ़ लड़ाई भी अंतरराष्ट्रीय मोर्चे पर लड़ी जानी चाहिए।

धार्मिक एकता के पैरोकार

मौलाना बरकतुल्लाह एक सच्चे मुस्लिम थे, लेकिन उन्होंने कभी धार्मिक कट्टरता की हिमायत नहीं की। वह हिंदू-मुस्लिम एकता के सशक्त पैरोकार थे। उन्होंने अपने भाषणों और

लेखों में बार-बार कहा कि भारत की आज़ादी का सपना तभी पूरा होगा जब सभी धर्मों के लोग एकजुट होकर लड़ेंगे। उनकी यह सोच आज भी साम्प्रदायिक सौहार्द की मिसाल है।

**स्वतंत्र भारत में नहीं रख सके क़दम**

दुर्भाग्यवश, मौलाना बरकतुल्लाह को आज़ाद भारत की मिट्टी चूमने का मौक़ा नहीं मिला। वह देश के बाहर ही रहे, क्योंकि ब्रिटिश हुकूमत ने उन्हें देश निकाला दे दिया था। वह अपने आखिरी वर्षों में सैन फ्रांसिस्को (अमेरिका) में रहे और वहीं 20 सितंबर 1927 को उनका इंतकाल हो गया।

सम्मान और स्मृति

भारत सरकार ने उनकी क्रांतिकारी सेवाओं को सम्मानित करने के लिए:

भोपाल यूनिवर्सिटी का नाम बदलकर बरकतुल्लाह यूनिवर्सिटी रखा गया है।

कई जगहों पर उनके नाम पर स्कूल, सड़कें और इमारतें बनी हैं। उनकी जीवनी कई भारतीय भाषाओं में प्रकाशित हुई है।

भारत की गदर पार्टी और प्रोविजनल गवर्नमेंट के इतिहास में उनका नाम सुनहरे अक्षरों में दर्ज है।

**मौलाना बरकतुल्लाह की विशेषताएँ**

एक क्रांतिकारी शिक्षक – वे जापान की टोक्यो यूनिवर्सिटी में अरबी और उर्दू पढ़ाने वाले पहले भारतीय बने।

राजनयिक कौशल – उन्होंने भारत की स्वतंत्रता के लिए अंतरराष्ट्रीय कूटनीतिक अभियान चलाया।

अदम्य साहस – हर जगह ब्रिटिश साम्राज्य का विरोध किया, चाहे उन्हें किसी भी देश से निकलना पड़ा।

धर्मनिरपेक्ष सोच – मज़हब की सरहदों से ऊपर उठकर उन्होंने भारत की आज़ादी को प्राथमिकता दी।

पत्रकारिता और लेखन – उन्होंने कई समाचार पत्रों और लेखों के ज़रिए लोगों को जागरूक किया।

मौलाना मोहम्मद बरकतुल्लाह एक ऐसे जांबाज़ सपूत थे जिनकी ज़िन्दगी भारतीय स्वतंत्रता संग्राम की एक प्रेरणादायक गाथा है। उन्होंने न केवल देश की आज़ादी के लिए हथियार और विचारों से लड़ाई लड़ी, बल्कि दुनिया भर में भारत के हक़ की आवाज़ भी बुलंद की। आज जब हम आज़ादी का जश्न मनाते हैं, तब हमें बरकतुल्लाह जैसे उन नायकों को भी याद करना चाहिए जो नाम, शोहरत या इनाम के लिए नहीं, बल्कि "वतन की मोहब्बत" में हर कुर्बानी देने को तैयार थे। मौलाना मोहम्मद बरकतुल्लाह भोपाली (1854–1927) भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के एक ऐसे क्रांतिकारी थे जिनकी पहचान अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बनी। भोपाल में जन्मे मौलाना ने अरबी, फारसी, उर्दू के साथ अंग्रेज़ी, जर्मन और जापानी जैसी भाषाओं में भी दक्षता हासिल की। उन्होंने इंग्लैंड, जापान और अमेरिका में रहकर भारत की आज़ादी का संदेश फैलाया।

# भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश में हुआ एक नई हरित क्रांति का सूत्रपात

## -प्रदेशभर में 6 करोड़ 81 लाख से अधिक का पौधारोपण

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान में एक नई हरित क्रांति का सूत्रपात हुआ है। मुख्यमंत्री वृक्षारोपण महाअभियान हरयाळो राजस्थान (एक पेड़ मां के नाम) पर्यावरण संरक्षण की दिशा में मील का पत्थर साबित हो रहा है। यह एक जन-आंदोलन का रूप ले चुका है जिसमें आमजन सहित राजकीय, गैर-राजकीय संस्थान प्रदेश के सभी अंचलों में वृक्षारोपण कर रहे हैं। केवल चार महीनों के समय में ही 6 करोड़ 81 लाख से अधिक पौधे लगाए जा चुके हैं जोकि प्रदेश का ग्रीन कवर बढ़ाने में दूरगामी कदम है।

पर्यावरण संरक्षण और संवर्धन भारतीय संस्कृति में अभिन्न अंग है। आमजन वृक्षों के संरक्षण को प्रकृति के प्रति अपना प्रमुख नैतिक कर्तव्य मानते हैं और इसकी निष्ठा से पालना भी करते हैं। मुख्यमंत्री शर्मा ने इन्हीं मूल्यों को प्रोत्साहित करने के लिए हरयाळो राजस्थान महाभियान का नवाचार किया है। इस महाभियान का लक्ष्य न केवल पौधे लगाना है बल्कि उसका वृक्ष के रूप में आकार लेने तक संरक्षण करना भी है। यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पहल पर शुरू हुए 'एक पेड़ मां के नाम' की भावना को इसमें प्रमुखता से समाहित किया गया है ताकि प्रदेशवासी जब मां के नाम पौधा लगाएं तो उसे परिवार का सदस्य मानकर देखभाल भी करें।

**मुख्यमंत्री कर रहे नियमित मॉनिटरिंग-**

मुख्यमंत्री शर्मा इस अभियान की नियमित मॉनिटरिंग कर रहे हैं जिसके फलस्वरूप यह अभियान सफलता के नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। उन्होंने प्रदेशवासियों से अपील करते हुए कहा कि अपनी मां के नाम एक पेड़ लगाएं और उसकी समुचित देखभाल भी करें। हर पौधे का संरक्षण और संवर्धन करना हमारा प्रमुख ध्येय होना चाहिए। गौरतलब है कि अभियान के अंतर्गत लगाए जा रहे पौधों की सतत मॉनिटरिंग करने के क्रम में हरयाळो राजस्थान ऐप की भी लॉन्चिंग की गई है, जिसके माध्यम से अब तक लाखों वृक्ष प्रेमियों को डिजिटल प्रमाणपत्र भी दिए जा चुके हैं।

**1 लाख 80 हजार से अधिक स्थानों पर हुआ वृक्षारोपण-**

इस अभियान के परिणामस्वरूप राजस्थान के कोने-कोने में वृक्षारोपण की भावना का तेजी से प्रसार हुआ है और ऐतिहासिक जनभागीदारी भी सुनिश्चित हुई है। प्रदेश की 8 करोड़ जनता ने अपनी सहभागिता से एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। सम्पूर्ण प्रदेश में 1 अप्रैल 2025 से 29 जुलाई 2025 (लगभग 4 माह) के दौरान 6 करोड़ 81 लाख 60 हजार 999 से अधिक पौधे लगाए जा चुके हैं। यह वृक्षारोपण 1 लाख 80 हजार 456 स्थानों पर किया गया, जिसमें 53 से अधिक प्रजातियों के पौधे लगाये गए।

**गांव-ढाणी तक हुआ सघन पौधारोपण-**

ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग ने पौधारोपण में अग्रणी भूमिका निभाते हुए 2 करोड़ 33 लाख से अधिक पौधों का रोपण किया। यह मुहिम गांव-ढाणी तक पहुंची और आमजन ने पूरी सक्रियता से पौधारोपण किया। वहीं, वन विभाग ने 1 करोड़ 76 लाख से अधिक पौधे लगाकर जैव विविधता को सहेजने में उल्लेखनीय कार्य किया। शिक्षा विभाग ने भी इस अभियान को शैक्षणिक संस्थानों तक पहुंचाते हुए 1 करोड़ 14 लाख से अधिक पौधारोपण कर बच्चों में प्रकृति प्रेम और संरक्षण की भावना को जागृत किया।

## मुख्यमंत्री स्वनिधि योजना एवं प्रधानमंत्री आवास योजना 2.0 के स्थायी शिविर का आयोजन

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री स्वनिधि योजना एवं प्रधानमंत्री आवास योजना 2.0 की विस्तृत जानकारी आमजन को उपलब्ध कराने एवं इच्छुक पात्र लाभार्थियों के आवेदन पत्र भरवाने हेतु नगर निगम ग्रेटर मुख्यालय परिसर में बुधवार से स्थायी शिविर का आयोजन किया जा रहा है।

उपायुक्त डे-एनयूएलएम श्याम लाल जाँगिड़ ने बताया कि शिविर में योजनाओं से संबंधित सभी आवश्यक जानकारी प्रदान की जाएगी तथा पात्र लाभार्थियों के आवेदन पत्र मौके पर ही भरे जाएँगे। शिविर का आयोजन बुधवार से निरंतर किया जाएगा, जिससे अधिक से अधिक लोग इन योजनाओं का लाभ ले सकें। अपने आवश्यक दस्तावेजों के साथ निर्धारित तिथि से शिविर में उपस्थित होकर योजनाओं का लाभ उठाएँ।

# धर्मेंद्र सिंह राठौड़ ने राजस्थान पर्यटन विकास निगम की इकाइयों के निजीकरण का किया विरोध

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान पर्यटन विकास निगम के पूर्व अध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह राठौड़ ने राजस्थान की भारतीय जनता पार्टी सरकार द्वारा हाल ही में जारी आदेश, जिसमें राजस्थान पर्यटन विकास निगम (RTDC) की नियंत्रणाधीन इकाइयों को निजी हाथों में सौंपने की प्रक्रिया को गति देने की बात कही गई है, का पुरजोर विरोध किया है। उन्होंने कहा कि यह एक गंभीर चिंता का विषय है। यह निर्णय न केवल सार्वजनिक संपत्तियों को निजीकरण की ओर धकेलने वाला है, बल्कि यह प्रदेश की पर्यटन पहचान और गरिमा को भी क्षति पहुंचा सकता है।

धर्मेंद्र सिंह राठौड़ ने कहा कि यह सर्वविदित है कि राजस्थान में पर्यटन को बढ़ावा देने एवं इससे जुड़े आधारभूत ढांचे के विकास हेतु ही राजस्थान पर्यटन विकास निगम (RTDC) की स्थापना की गई थी। निगम वर्षों से पर्यटकों को आवास, भोजन, परिवहन व अन्य आवश्यक सुविधाएं प्रदान करता आया है और इसने राज्य के पर्यटन की एक विशिष्ट पहचान बनाई है। राज्य बजट में भी यह कहा गया था कि RTDC की इकाइयों को पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप (PPP) मॉडल के तहत क्रियाशील बनाया जाएगा। लेकिन वर्तमान सरकार इन समस्त इकाइयों को सीधे निजी हाथों में सौंपने की ओर अग्रसर है, जोकि मूल भावना के प्रतिकूल है। यह सवाल उठना लाज़मी है कि जब इन इकाइयों का संचालन इतने वर्षों तक सरकारी नियंत्रण में सफलतापूर्वक होता रहा है तो आगे भी सरकार द्वारा इसका संचालन क्यों नहीं किया जा सकता?

धर्मेंद्र सिंह राठौड़ के अनुसार सरकारी नियंत्रण में इन इकाइयों का संचालन न केवल पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करता है, बल्कि इससे पूरे देश में राजस्थान पर्यटन की एक सकारात्मक छवि प्रस्तुत होती है। इसके विपरीत निजी हाथों में सौंपे जाने पर सेवाओं में कटौती, शुल्क वृद्धि तथा जनसामान्य की पहुंच में कठिनाई जैसी आशंकाएं प्रबल हो जाती हैं, जो अंततः राजस्थान के पर्यटन को नुकसान पहुंचा सकती हैं। RTDC की समस्त संपत्तियां राजस्थान की सांस्कृतिक और पर्यटन की शान हैं, इनका संरक्षण और संवर्धन राज्य सरकार की जिम्मेदारी है। धर्मेंद्र सिंह राठौड़ ने आगे कहा कि मैं स्वयं RTDC का अध्यक्ष रह चुका हूँ और मेरे कार्यकाल के दौरान हमने निगम के माध्यम से अनेक नवाचार किए, जिससे पर्यटन सेवाओं की गुणवत्ता और पहुंच में सुधार हुआ।

धर्मेंद्र सिंह राठौड़ ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से आग्रह किया है कि RTDC की सभी इकाइयों का संचालन पूर्ववत राज्य सरकार के माध्यम से ही किया जाए। साथ ही उनमें नवाचार एवं सुधार की निरंतर प्रक्रिया को बढ़ावा दिया जाए, जिससे राजस्थान की पर्यटन की वैश्विक छवि मजबूत बनी रहे और इसे और अधिक सशक्त किया जा सके।

# पांचवां स्थान मिलने के बाद अब राजस्थान पर्यटन को मिला "सर्वश्रेष्ठ सांस्कृतिक गंतव्य" का पुरस्कार - दिया कुमारी

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। उप मुख्यमंत्री एवं पर्यटन, कला एवं संस्कृति मंत्री दिया कुमारी की ओर से राजस्थान पर्यटन को देश दुनिया का सिरमौर बनाने के लिए किये जा रहे प्रयास रंग ला रहें हैं। इसी का सुपरिणाम है कि राजस्थान पर्यटन के ताज में एक के बाद एक उपलब्धियों के रत्न जड़ित होकर शोभा बढ़ा रहें हैं।

प्रमुख शासन सचिव पर्यटन, कला एवं संस्कृति राजेश यादव ने बताया कि राजस्थान के सांस्कृतिक, ग्रामीण, वन्य, धार्मिक एवं ऐतिहासिक पर्यटन क्षेत्रों के विकास के लिए किए जा रहं बेहतरीन कार्यों, बजट के द्वारा आधारभूत पर्यटन सुविधाओं के विकास सहित जयपुर में आईफा का शानदार आयोजन, भव्य तीज महोत्सव के आयोजनों से राजस्थान पर्यटन को शिखर की ओर अग्रसर करने के प्रयास निरंतर किये जा रहें हैं। पावणों की आवभगत और अपनी शाही पहचान के लिए विख्यात जयपुर को प्रतिष्ठित ट्रेवल एंड लेजर पत्रिका के रीडर्स सर्वे और वोटिंग में दुनिया के घूमने-देखने लायक टॉप-5 शहरों में शामिल कर, पांचवां स्थान मिलने के बाद अब राजस्थान पर्यटन को "सर्वश्रेष्ठ सांस्कृतिक गंतव्य" का पुरस्कार मिला है।

उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने आई क्रिएटिव माइंड्स की ओर से यह प्रतिष्ठित पुरस्कार मिलने पर राजस्थान पर्यटन विभाग को बधाई दी है।

प्रमुख शासन सचिव पर्यटन, कला एवं संस्कृति राजेश यादव ने बताया कि सोशल मीडिया प्रचार प्रसार, पर्यटकों तथा पर्यटन विशेषज्ञों से प्राप्त प्रतिक्रियाओं के आधार पर राजस्थान पर्यटन को "सर्वश्रेष्ठ सांस्कृतिक गंतव्य" का पुरस्कार 26 जुलाई (शनिवार) को नई दिल्ली में आई क्रिएटिव माइंड्स द्वारा आयोजित 10वें अंतरराष्ट्रीय पर्यटन सम्मेलन एवं ट्रैवल पुरस्कार समारोह के दौरान दिया गया है। उन्होंने बताया कि राजस्थान पर्यटन विभाग की ओर से संयुक्त निदेशक पर्यटन, अजय कुमार शर्मा द्वारा यह पुरस्कार ग्रहण किया गया।

उल्लेखनीय है कि आई क्रिएटिव माइंड्स समूह पर्यटन उद्योग के क्षेत्र में गत 25 वर्षों से कार्य कर रहा है। समूह द्वारा पर्यटन सम्मेलनों, उद्योग बैठकों, प्रदर्शनियों, देश के राज्यों, एयरलाइनों, पर्यटन विशेषज्ञों के मध्य समन्वय एवं पर्यटन पत्रिका ट्रैवल मेल के माध्यम से पर्यटन का प्रचार प्रसार किया जाता है।

# जयपुर जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित

## - वाहन चालको की सुरक्षा हेतु सड़कों के गड्ढे भरवाने के निर्देश

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जयपुर जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक का आयोजन अतिरिक्त जिला कलक्टर, जयपुर शहर दक्षिण, संतोष कुमार मीणा की अध्यक्षता में हुआ। एडीएम ने मानसून की सक्रियता को देखते हुए दोनों नगर निगम एवं जेडीए के अधिकारियों को निर्देश दिए कि जहां-जहां बरसात का पानी एकत्रित होता है, वहां मड़ पम्प लगाकर पानी की निकासी करवाएं, नालो की साफ-सफाई व सड़को के गड्ढों को अविलम्ब भरवाएं। उन्होंने निर्देश दिए कि एनएचएआई द्वारा दर्शाए गए 23 ब्लैक स्पॉट, जिन पर अस्थाई सुधार के कार्य किए जाने के उपरान्त अतिरिक्त कार्य की आवश्यकता नही हैं,अधिशाषी अभियन्ता सार्वजनिक निर्माण विभाग तथा डीसीपी पश्चिम की संयुक्त टीम बनाकर 15 दिवस में जांच कर रिपोर्ट प्रस्तुत करें। उन्होंने कार्यो की गम्भीरता को ध्यान में रखते हुए रिपोर्ट निर्धारित समयावधि में देने के निर्देश दिए। उन्होने पेयजल, बिजली, सीवरेज आदि की लाइन डालने हेतु रोड़ कटिंग किए जाने वाले कार्य को विभागों को आपसी समन्वय के साथ करने के निर्देश दिए ताकि बार-बार रोड़ कटिंग के कारण आमजन को असुविधा न हो।

पुलिस उपायुक्त यातायात सुमीत मेहरड़ा ने कहा कि टोल नाकों पर बनाये गए सभी केबिनों पर वाहन चालकों से टोल टैक्स लेने हेतु एजेन्सियों द्वारा पर्याप्त कार्मिकों की नियुक्ति की जाए। प्रत्येक पारी में कार्मिक सभी केबिनों पर नियुक्त हो ताकि वाहन चालकों का समय व्यर्थ न हो और उन्हें किसी प्रकार की असुविधा न हो। वाहन चालको की सुरक्षा सुनिश्चित हो उन्हें साफ स्वच्छ शौचालयों की सुविधा उपलब्ध हो।

दुर्घटनाग्रस्त वाहन चालको, सवारियों को समय पर अस्पताल पहुंचाने वाले गुड समेरिटन को सम्मानित किया जाए। इनके बारे में अस्पताल एम्बुलेन्स, ब्लेक स्पोट्स स्टीकर, पोस्टर आदि लगाकर व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए।

एडीएम ने जिले मे शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में हेलमेट, सीट बेल्ट, तेज गति व वाहन चलाते समय मोबाइल का उपयोग, अंडर रन प्रोटेक्शन डिवाइस, राजमार्गों पर अनाधिकृत पार्किंग, रिफलेक्टिव टेप इत्यादि के उल्लंघनों के विरूद्ध नियमित कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।

एडीएम ने लाईसेन्स रहित वाहन चालको के विरूद्ध नियमानुसार कार्रवाई करने, सड़क सुरक्षा क्लबों का गठन एवं उन्हें सक्रिय करने, साईकिल चालकों की सुरक्षा, विद्यालय में प्रवेश और निकास पर सावधानियां, बाल वाहिनी योजना के प्रावधानों की अनुपालना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। इस दौरान एसई पीडब्लूडी आर.के. सिंह सहित पुलिस विभाग, यातायात पुलिस, जयपुर विकास प्राधिकरण, राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, परिवहन विभाग, सार्वजनिक निमार्ण विभाग सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

# रघुवीर जांगिड़ पुन: आईएफडब्ल्यूजे के जिला अध्यक्ष मनोनीत

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। देश के प्रथम एवं अग्रणी तथा राजस्थान प्रदेश के सबसे विस्तृत इकाइयों वाले पत्रकार संगठन आईएफडब्ल्यूजे के पूर्व जिला अध्यक्ष रघुवीर जांगिड़ को जयपुर जिला इकाई के पद पर पुनः मनोनीत किया गया है। फर्स्ट इंडिया के हिंदी समाचार पत्र सच बेधड़क में सिटी डेस्क एवं फ्रंट पेज इंचार्ज जांगिड़ पत्रकारिता क्षेत्र में एक जाना-पहचाना नाम है।

जांगिड़ ने अपने पत्रकारिता कर्म की यात्रा वर्ष 2004 से समाचार जगत से प्रारंभ करते हुए वर्ष 2005 से 2024 तक दैनिक नवज्योति जयपुर सिटी डेस्क इंचार्ज के रूप में अपनी सेवाएं प्रदान की, वर्तमान में नवम्बर 2024 से फर्स्ट इंडिया के साथ सच बेधड़क में कार्यरत हैं।

जयपुर के पिंकसिटी प्रेस क्लब में एक बार कार्यकारिणी सदस्य, दो बार कोषाध्यक्ष और एक बार महासचिव पद पर निर्वाचित हुए। जो पत्रकारों के हितार्थ आपके संघर्ष की भावना को उजागर करता है।

आशा है कि आपके अनुभवी नेतृत्व में पत्रकारों के हित कभी प्रभावित नहीं होंगे।

संगठन आपके उज्जवल भविष्य की कामना करता है।

# बैंक ने विद्यार्थियों को स्कूल बैग वितरित किये

मनोहरपूर, (रॉयल पत्रिका)। रा. उ. मा. वि. टोडी में AU बैंक द्वारा विद्यार्थियों को स्कूल बैग वितरित किये गए। AU बैंक के हैड सुल्तान पलसानिया और बाबूलाल चौधरी ने बच्चो को स्कूल बैग वितरित किये। प्रधानाचार्य मदन लाल रेगर ने उनका आभार व्यक्त किया। साथ ही AU बैंक द्वारा विद्यालय में वाटर कूलर लगाने की घोषणा भी की।

इस अवसर पर डॉ. राजेश चंद्र जितरवाल, शारदा देवी, सोनू अग्रवाल, बोदीलाल जाट, जलालुद्दीन, महेश चंद यादव, कन्हैया लाल यादव, श्रवण लाल गुर्जर, धर्मपाल सहित समस्त स्टाफ मौजूद रहा। यह जानकारी मनीष हरितवाल ने दी।

# डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने मेवाड़ यूनिवर्सिटी का औचक निरीक्षण किया

## -शैक्षणिक व प्रशासनिक गतिविधियों की जानकारी ली

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने मंगलवार प्रातः चित्तोडगढ़ में गंगरार स्थित मेवाड यूनिवर्सिटी का औचक निरीक्षण कर विश्वविद्यालय में संचालित शैक्षणिक, प्रशासनिक एवं विद्यार्थी कल्याण से संबंधित गतिविधियों की जानकारी ली।

डॉ. मीणा ने विश्वविद्यालय में विभिन्न संकायों की कक्षाओं का निरीक्षण कर विद्यार्थियों से शिक्षण व्यवस्था, उपस्थिति, संसाधनों व शिक्षण गुणवत्ता के सम्बंध में संवाद किया।

**शैक्षणिक गुणवत्ता पर विशेष ध्यान-**

निरीक्षण के दौरान कृषि मंत्री ने कक्षाओं में जाकर पढ़ाए जा रहे विषय, पाठ्यक्रम, शिक्षण पद्धति, विद्यार्थियों की संलग्नता आदि के संबंध में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा ही युवाओं के उज्ज्वल भविष्य की नींव है।

**प्रशासनिक व्यवस्थाओं का अवलोकन-**

डॉ. मीणा ने विश्वविद्यालय के विद्यार्थी उपस्थिति रजिस्टर, स्टाफ उपस्थिति रजिस्टर, अनुशासन व्यवस्था एवं बुनियादी सुविधाओं की भी समीक्षा की। उन्होंने परिसर में स्वच्छता, लाइब्रेरी, इंटरनेट सुविधाओं सहित विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध अन्य सुविधाओं का निरीक्षण कर हुए प्रबंधन को सुधार हेतु आवश्यक निर्देश भी दिए।

निरीक्षण के बाद कृषि मंत्री ने पत्रकारों को बताया कि राज्य सरकार उच्च शिक्षा की गुणवत्ता को लेकर गंभीर है और युवाओं को तकनीकी, नवाचार आधारित व रोजगारोन्मुख शिक्षा प्रदान करने के लिए हरसंभव प्रयास किए जा रहे हैं।

# बारिश से हुए जल भराव की समस्या का किया तत्काल निस्तारण

## -समस्त अभियंता रहे फील्ड में, आमजन को पहुंचाई तुरंत राहत

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री के निर्देशन एवं नेतृत्व में शहर में निरंतर हो रही भारी बारिश से प्रभावित प्रमुख सड़कों पर आवागमन में आ रही कठिनाइयों को देखते हुए सोमवार शाम हुई भारी वर्षा के तुरंत बाद जेडीए के समस्त अभियंताओं को फील्ड में उतरने के निर्देश दिए गए। इन निर्देशों के क्रम में अभियंताओं ने तत्परता दिखाते हुए अपने-अपने क्षेत्र का निरीक्षण और मॉनिटरिंग की तथा जनहित एवं सुगम यातायात हेतु जल निकासी के त्वरित इंतजाम किए।

जेडीए आयुक्त आनंदी ने बताया कि माननीय मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा एवं माननीय नगरीय विकास मंत्री महोदय के निर्देशन में जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा शहर में लगातार हो रही भारी वर्षा के कारण उत्पन्न हुई जलभराव की समस्या का त्वरित निस्तारण किया जा रहा है। इसके साथ ही, क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत एवं जल भराव की समस्या के निस्तारण का कार्य भी युद्धस्तर पर जारी है।

जेडीए द्वारा जयपुर शहर में 30 से ज्यादा स्थानों पर सोमवार शाम ही पंप लगवाकर तुरंत प्रभाव से जल निकासी करवाई गई। इनमें प्रमुख स्थान एयरपोर्ट टी-2, शंकर पुलिया, गिरधारीपुरा, जगन्नाथपुरी, निवारू रोड, ट्रांसपोर्ट नगर अंडरपास, राजीव नगर आरपीए के पास द्रव्यवती नदी, नन्दपुरी अंडरपास, कल्याण नगर अंडरपास, कालवाड़ रोड, गांधी पथ वेस्ट, चित्रकूट, ढेर के बालाजी,दादी का फाटक, नाड़ी का फाटक, आनंद लोक अंडरपास, बैनाड़ रोड, खिरणी फाटक एवं पलक पैराडाइज 80 feet रोड इत्यादि शामिल हैं। अधिकांश अंडरपासों पर इस मानसून में जल भराव का सामना नहीं करना पड़ा। कुछ स्थानों पर समस्या उत्पन्न हुई, उन्हें तुरंत जल भराव से मुक्त किया गया।

इसके अतिरिक्त विधानसभा तिराहा, त्रिमूर्ति सर्किल, जवाहर सर्किल, बी-2 बाईपास, सहकार मार्ग, सीकर रोड, वाटिका रोड जैसे स्थानों पर चैंबर्स की ग्रेटिंग को ब्लॉक करने वाले कचरे, पॉलीथिन इत्यादि से कचरा हटाकर सोमवार शाम ही तुरंत प्रभाव से जल निकासी सुनिश्चित की गई।

उल्लेखनीय है कि जेडीए के सभी अभियंता विभिन्न क्षेत्रों में आ रही कठिनाइयों के निस्तारण हेतु मौके पर जाकर नियमित रूप से युद्ध स्तर पर वर्षा जनित समस्याओं के निराकरण का कार्य कर रहे हैं, जिससे जयपुर शहर की यातायात व्यवस्था एवं वर्षा जनित समस्याओं में सुधार हो रहा है। जेडीए का प्रयास है कि आमजन को सुरक्षित एवं सुगम यातायात उपलब्ध करवाया जाये।

# हरयाळो राजस्थान के तहत एक पेड़ माँ के नाम महाभियान

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। करौली जिला प्रभारी मंत्री जवाहर सिंह बेढम के द्वारा हिण्डौन पंचायत समिति की ग्राम पंचायत खरैटा में हरयाळो राजस्थान के तहत जिला स्तरीय वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

हरयाळो राजस्थान के तहत एक पेड़ माँ के नाम अभियान के अंतर्गत वृहद स्तर पर पौधारोपण किया गया। कार्यक्रम के दौरान जिला प्रभारी मंत्री ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश आमजन को दिया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला प्रभारी मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान पर एक पेड़ माँ के नाम अभियान से प्रेरणा लेकर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान सरकार हरियालो राजस्थान वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम के माध्यम से प्रदेश को हरा-भरा बनाने के संकल्प को साकार करने की दिशा में अग्रसर है।

पिछले वर्ष 7 करोड़ के लक्ष्य के विरूद्ध हमारी सरकार ने जन सहभागिता के माध्यम से 7.25 करोड पौधे रोपित किये थे। जिला प्रभारी मंत्री ने कहा कि भारतीय संस्कृति में पेड़ों की पूजा की जाती है

उन्हें भगवान माना जाता है पेड़ों से हमें ऑक्सीजन, जड़ी-बूटी, फल-फुल, छाया, स्वच्छ वातावरण, अच्छी बारिश मिलती है इसलिए हमारी संस्कृति में प्राचीन समय से ही अधिक से अधिक पेड़ लगाने की परम्परा रही है।

उन्होंने आमजन से अधिक से अधिक पौधारोपण कर उसे संरक्षण प्रदान करने की भी बात की।

जिला प्रभारी मंत्री ने बताया कि वर्षा को मौसम को देखते हुए मुख्यमंत्री ने स्कूलों, आंगनबाड़ियों व राजकीय भवनों की क्षतिग्रस्त इमारतों की मरम्मत के लिए प्रत्येक विधानसभा को 3-3 करोड़ रूपये दिये है उन्होंने जिला कलक्टर को कार्ययोजना बनाकर क्षतिग्रस्त भवनों की मरम्मत को प्राथमिकता में रखने के निर्देश भी दिये।

## आवश्यक नम्बर

रॉयल पत्रिका

| | | | |
|---|---|---|---|
| **बिजली फॉल्ट के लिए** | | **पानी के लिए** | |
| टोल फ्री नंबर | 18001806507 | जलदाय कार्यालय | 2706624 |
| वॉट्सएप नंबर | 9414037085 | फायर ब्रिगेड | 2747400 |
| कस्टमर केयर | 2203000 | **मेडिकल इमरजेंसी के लिए** | |
| आईवीआरएस | 1912 | एंबुलेंस | 102/108 |
| **कचरा गाड़ी के लिए** | | एसएमएस इमरजेंसी | 2518333 |
| ग्रेटर | 2747400 | महिला चिकित्सालय | 22610616 |
| सीवरेज लीकेज | 2607500 | जनाना हॉस्पिटल | 22378721 |
| हैरिटेज | 2607500 | SDMH | 22574189 |
| टोल फ्री नंबर | 14420 | SMS ब्लड बैंक | 22518222 |
| **पुलिस की मदद के लिए** | | कल्याण ब्लड बैंक | 22721771 |
| साइबर क्राइम | 1930/2360094 | **घायल पशुओं के लिए** | |
| कंट्रोल रूम | 2388435/36/37/38 | नगर निगम | 2747400 |
| ट्रैफिक कंट्रोल रूम | 2565630 | बर्ड बाइक | 9887345580 |
| चाइल्ड हेल्पलाइन | 1098 | हेल्प इन सफरिंग | 8107299711 |
| महिला हेल्पलाइन | 1090 | जनमंच ट्रस्ट | 7230055800 |
| मुख्यमंत्री पोर्टल | 181 | पशु चिकित्सालय | 2747400 |

# जयपुर जिला यादव महासभा के पदाधिकारियों का किया सम्मान

चौमूं, (रॉयल पत्रिका)। ग्राम पंचायत हस्तेडां के ही ग्राम नोपुरा में के स्थित सरस दुग्ध उत्पादक सहकारी समिति लिमिटेड के परिसर में जयपुर जिला यादव महासभा के अध्यक्ष डॉक्टर जगदीश प्रसाद खातोदिया एवं पदाधिकारी उपाध्यक्ष रामस्वरूप डागर , मीडिया प्रभारी भगवान सहाय खातोदिया तथा चौंमू यादव समाज के तहसील अध्यक्ष सुभाष डागर सहित अन्य पदाधिकारी का नोपुरा यादव समाज के लोगों द्वारा भव्य स्वागत सम्मान समारोह का आयोजन हुआ। इस कार्यक्रम में दूध उत्पादक सहकारी समिति के सेक्रेटरी मदन यादव व आलीसर के पूर्व सरपंच बाबूलाल जडवांल के नेतृत्व में यह कार्यक्रम आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के दौरान अध्यक्ष यादव ने बताया कि सभी यादव समाज बंधुओ से विनती है कि फिजूल खर्च न करें जडूला, डीजे, नुक्ता प्रथा ऐसे कई अन्य खर्चा है की फिजूल खर्चे हैं यह खर्चे कम से कम करें, कार्यक्रम में गुरुकुल पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल के डायरेक्टर नेतराम करीरा, कालूराम करीरा, कृषि पर्यवेक्षक ओमेश्वर यादव, प्रथम रामकंवार यादव, रामस्वरूप जडवांल, रिटायर्ड शिक्षाविद् जीवणराम यादव, सेकंड रामकवार यादव, हल्का पटवारी विकास कुमार यादव, मास्टर प्रकाश यादव, रामस्वरूप, पप्पू मोटण, भगवान सहाय, रामदयाल, रुडमल यादव उमराव, महेंद्र, धमेंद्र, रमेश भजनी, रमेश, सीताराम , श्योराम, हरनाथ, बाबूलाल मास्टर, तेजपाल, घीसा लाल, बाबूलाल सहितो ने आए हुए समाज के जनप्रतिनिधियो स्वागत व सम्मान समारोह में उपस्थित रहे ।

# पाली में पीएम केंद्रीय विद्यालय का नया भवन तैयार

## -केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान वर्चुअल करेंगे लोकार्पण

मोहम्मद यासीन

पाली, (रॉयल पत्रिका)। जिले के शिक्षा क्षेत्र में एक बड़ी उपलब्धि के रूप में पीएम केंद्रीय विद्यालय, पाली के नव निर्मित भवन का मंगलवार, मंगलवार को उद्घाटन किया जाएगा। कार्यक्रम का शुभारंभ सुबह 9 बजे होगा, जिसमें केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान वर्चुअल माध्यम से भवन का लोकार्पण करेंगे। इस अवसर पर केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री डॉ. सुकांता मजूमदार एवं केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री जयंत चौधरी भी ऑनलाइन माध्यम से कार्यक्रम शामिल होंगे। कार्यक्रम में पाली सांसद पी.पी. चौधरी, सुमेरपुर विधायक व केबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत, जिला कलेक्टर एल.एन. मंत्री, एसडीएम विमलेन्द्र राणावत, तथा केंद्रीय विद्यालय संगठन, जयपुर संभाग के उपायुक्त संजीत कुमार मौजूद रहेंगे। विद्यालय के प्रधानाचार्य एच.एल. मीणा ने जानकारी देते हुए बताया कि नया भवन 18.6 एकड़ क्षेत्रफल में निर्मित किया गया है। इसमें 41 कक्ष, 6 अत्याधुनिक प्रयोगशालाएं तथा एक बड़ा खेल मैदान शामिल है। विद्यालय अब तक बांगड़ स्कूल में अस्थायी भवन में संचालित हो रहा था। नवीन भवन के निर्माण से विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण और आधुनिक सुविधाएं मिलेंगी। प्रधानाचार्य एच एल मीणा के अनुसार, यह भवन भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर बनाया गया है, जो छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने में सहायक होगा। विद्यालय के उद्घघाटन में विद्यालय के शिक्षा छात्रों के साथ स्थानीय जनप्रतिनिधि भी कार्यक्रम में मौजूद रहेंगे।

# अशोक गहलोत का किया स्वागत

चौमू, (रॉयल पत्रिका)। जयपुर से नीमकाथाना जाते समय राधास्वामी बाग पर चौमू विधायक डॉक्टर शिखा मिल बराला के नेतृत्व में हजारों कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने पूर्व सीएम अशोक गहलोत का जोरदार स्वागत किया डॉक्टर शिखा मिल बराला ने गहलोत का माला पहनकर स्वागत किया स्वागत करने वालों में एमजीएफ ग्रुप अध्यक्ष कैलाश राज सैनी चोमू नगर परिषद अध्यक्ष विष्णु कुमार सैनी रामकिशोर सैनी, मुकेश सैनी, पश्चिम ब्लॉक अध्यक्ष लोकेश शर्मा, चौमू नगर अध्यक्ष शायर मल सैनी, पूर्व नगर अध्यक्ष सुरेश विजय वर्गीय उपसभापति चौमू नगर परिषद किरण शर्मा, सहित हजारों कि संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

# पेड़ पौधे लगाकर मनाया गया जन्मदिन

## -पेड़ लगाना हमारे भविष्य के लिए एक महत्वपूर्ण निवेश

चूरू, (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर राजस्थान प्रदेश कांग्रेस के सचिव वरिष्ठ कांग्रेसी नेता रियाजत खान का जन्मदिन उनके समर्थकों ने केक काटकर व मिठाई खिलाकर और पेड़ पौधे लगाकर मनाया। आपने हमेशा पार्टी के वफादार कार्यकर्ता के रूप में काम किया और बड़े सीधे स्वभाव हसमुख मिजाज के व्यक्तित्व के धनी हैं। आपने कहा कि जीवन में पेड़ पौधे लगाने चाहिए। पौधारोपण पर्यावरण के लिए बहुत महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह वायु प्रदूषण को कम करता है और ऑक्सीजन का स्तर बढ़ाता है। पौधारोपण से हमें स्वच्छ वातावरण और सुंदर प्रकृति का संरक्षण करने में मदद मिलती है।पौधे वातावरण को शुद्ध बनाते हैं और ऑक्सीजन का स्तर बढ़ाते हैं, जिससे स्वास्थ्य में सुधार होता है। पौधों की हरियाली मानसिक तनाव को कम करती है और शारीरिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाती है। पौधे वायु प्रदूषण को कम करते हैं और हमें स्वच्छ हवा प्रदान करते हैं। इससे हमारे स्वास्थ्य पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है और हम स्वस्थ जीवन जीने में सक्षम होते हैं।पेड़ लगाना जीवन में बहुत महत्व रखता है, क्योंकि यह हमारे पर्यावरण को स्वच्छ और स्वस्थ बनाने में मदद करता है। पेड़ हमें ऑक्सीजन प्रदान करते हैं और वायु प्रदूषण को कम करते हैं। इसके अलावा, पेड़ जैव विविधता को बनाए रखने और जलवायु परिवर्तन को कम करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। पेड़ लगाना हमारे भविष्य के लिए एक महत्वपूर्ण निवेश है। पौधा रोपण कार्य क्रम में उस्मान अंसारी, आरिफ खान, शकील दुर्रानी, इमरान खान, मुबारक भाटी, मोहम्मद अली पठान, महम्मुद राणा, आदि उपस्थित रहे।

# एन एस यू आई के कार्यकारी जिला अध्यक्ष पर विरोधाभास

## -नियमों के विरुद्ध नियुक्ति दी गई छात्रों ने किया विरोध

चूरू, (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर दो दिन पहले जो NSUI राष्ट्रीय नेतृत्व द्वारा जो राजस्थान के विभिन्न जिलो के NSUI जिला अध्यक्षों की कार्यकाराणी जारी की गई थी उसमे चुरू से संजय कातला को जिला अध्यक्ष और नरपत रोलन को कार्यकारी जिला अध्यक्ष नियुक्त किया गया, हम इसका स्वागत करते है परंतु जिस प्रकार से NSUI के नियमो के अनुसार वो ही जिला अध्यक्ष नियुक्त हो सकता हैं या बन सकता हैं जो किसी भी महाविद्यालय में अध्धयनरत हो और उसकी उम्र 27 वर्ष से कम हो, और जो लगातार जिले में संघर्षरत परंतु चुरू जिले के NSUI कार्यकारी जिला अध्यक्ष नरपत रोलन जी इन सभी योग्यताओं में से किसी को भी पूर्ण नही करते है तो फिर उन्हे किस प्रकार से कार्यकारी जिला अध्यक्ष नियुक्त किया गया है हमारा प्रदेश और शीर्ष नेतृत्व से निवेदन है की वो इस पर पुनः विचार करे, क्योंकी ये छात्र हितो से जुड़ा हुआ मुद्दा है उनके हक और अधिकार का मामला है। इकाई अध्यक्ष चंदगीराम खुलदिया, इकाई प्रभारी इजाज खान , तारानगर प्रभारी कृष्ण स्वामी , जिला सचिव अनिल बुडानिया, तोफिक खान आदि उपस्थित रहे।

# कृष्ण महिला छात्रावास तीसरी मंजिल भवन का कार्य चालू का निरीक्षण करने पहुंचे पदाधिकारी

चौमूं, (रॉयल पत्रिका)। चौमूं तहसील के स्थित कृष्ण महिला छात्रावास दौहलशाह बाबा की दरगाह के पास रोड चौंमू जयपुर जिला यादव महासभा के जिला अध्यक्ष डॉक्टर जगदीश प्रसाद खातोदिया व वरिष्ठ उपाध्य बंशी रामस्वरूप डागर, मंडल, कोषाध्यक्ष भीम सिंह ठोठवाल, सचिव मदन सिंह, पूर्व सरपंच बाबूलाल जडवालं, लालचंद यादव , ठेकेदार रामनारायण सहित अन्य पदाधिकारी चल रहे कार्य भवन निर्माण निरीक्षण व अवलोकन किया। डॉ. यादव ने बताया कि सभी पदाधिकारीयों एवंम यादव समाज के सभी बिंदुओं से मेरा आग्रह है कि सभी साथियों से कार्य चल रहा उसको समय-समय तीसरी मंजिल भवन का कार्य को आकर देख- रेख करते रहने से कोई भी त्रुटि व कमी ध्यान दिलाते रहे।

# प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' को ग्रामीणों और पार्टी कार्यकर्ताओं ने सुना

सवाई माधोपुर, (रॉयल पत्रिका)। भाजपा ग्रामीण मंडल के ग्राम सुरवाल में रविवार को मंडल उपाध्यक्ष प्रेमराज मीना ने बताया कि कार्यक्रम सुबह 11 बजे से शुरू हुआ। कार्यक्रम में मंडल प्रभारी सुरेंद्र शर्मा,मंडल अध्यक्ष अशोक राज मीना विशेष रूप से उपस्थित थे। मन की बात में बोलते हुए प्रधानमंत्री ने अगस्त माह के महत्व पर भी प्रकाश डाला। मोदी जी ने कहा अगस्त का महीना क्रांति का महीना है।1 अगस्त को लोकमान्य बालगंगाधर तिलक की पुण्यतिथि होती है।8अगस्त को गांधी जी के नेतृत्व में भारत छोड़ो आंदोलन की शुरुआत हुई थी। 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस मनाया जाता है।साथ ही प्रधानमंत्री ने आजादी के साथ बंटवारे की टीस का भी जिक्र किया। इसलिए 14 अगस्त को विभाजन विभीषिका दिवस के रूप में मनाया जाता है। कार्यक्रम के बाद भाजपा मंडल अध्यक्ष अशोक राज मीना ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा मन की बात केवल प्रधानमंत्री के विचारों का मंच नहीं,बल्कि समाज की सकारात्मक सोच और देश निर्माण में हर नागरिक की भागीदारी का प्रतीक है। साथ ही प्रधानमंत्री की मन की बात से कार्यकर्ताओं को नई ऊर्जा मिलती है। उनके मार्गदर्शन से कार्यकर्ता और अधिक उत्साह के साथ काम करते हैं।साथ ही मंडल प्रभारी सुरेंद्र शर्मा ने उपस्थित कार्यकर्ताओं से एक पैड माँ के नाम अभियान पर चर्चा करते हुए कहा कि पेड़ से ही मनुष्य का जीवन है। पेड़ पौधों के बगैर जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती है। पेड़ पौधों के बगैर हम सांस भी नहीं ले सकते हैं। हम सबको पेड़ पौधे अवश्य लगाने चाहिएं।जिससे आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ और सुरक्षित पर्यावरण मिल सके। इस दौरान कमलेश मीना रामकल्याण मीना दामोदर मीना रंगलाल पटेल मनफूल प्रजापति रामधन मीना हीरालाल पटेल सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित थे।

# टांकरड़ा विद्यालय में विद्यार्थियों को निशुल्क बांटे 300 पौधे

चौमूं, (रॉयल पत्रिका)। शहर के टांकरड़ा ग्राम में स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में सोमवार को शिवम इन्फ्राटेक के मालिक समाजसेवी शिवम अग्रवाल व मनीष अग्रवाल के द्वारा 300 फलदार पौधें छात्रों को निशुल्क वितरित किए गए। पौधे वितरण मुकेश कुमावत व कृषि विज्ञान केंद्र टांकरड़ा के उद्यान वैज्ञानिक नवलकिशोर गुप्ता ने भी पौधे वितरित किए। प्रेरक सुरज्ञान जाट (कुरलिया) ने बताया कि नींबू, केरुंदा, अमरूद, लिसोड़ा, बेलपत्र के 300 पौधे विद्यार्थियों को निशुल्क वितरित किए। प्रधानाचार्य सपना ने सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया।

# भाजपा जिलाध्यक्ष बसंत शर्मा ने की जिलापदाधिकारियों की धोषणा

## -8 उपाध्यक्ष सहित 8 जिला मंत्री जिला पदाधिकारी होंगे

चूरू, (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर भारतीय जनता पार्टी के प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ के निर्देशानुसार भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष बसंत शर्मा ने पूर्व नेताप्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़, जिला संगठन प्रभारी रामगोपाल सुथार, चूरू विधायक हरलाल सहारण, लोकसभा प्रत्याशी देवेन्द्र झाझड़िया, पूर्व मंत्री राजकुमार रिणवां, पूर्व विधायक अभिनेष महर्षि, सुजानगढ़ विधानसभा प्रत्याशी संतोष मेघवाल, सादुलपुर विधानसभा प्रत्याशी सुमित्रा पूनियां व वरिष्ठ नेताओं की सहमती से जिला पदाधिकारियों की धोषणा की है जिलाध्यक्ष बसंत शर्मा ने बताया कि जिला उपाध्यक्ष पद पर भास्कर शर्मा, नरेश सहारण, संतोष तालणिया, सरोज नरेन्द्र सैनी, भागीरथ सिंह राठौड़, मधुसुदन राजपुरोहित, नरेन्द्र काछवाल, मोहनलाल खारड़िया होगे, जिला महामंत्री पद पर अभिषेक चोटिया, चन्द्राराम गुरी, पराक्रम सिंह राठौड होगे। जिला मंत्री पद पर प्रभा धंधावत, भारती मुदगल, कौशल पूनियां, संदीप काजला, सत्तार खांन, पवन माहेश्वरी, दीनदयाल सैनी, सुमित्रा श्याम पारीक को दायित्व प्रदान किया गया है। इसी क्रम में जिला कोषाध्यक्ष पद पर सुभाष जांगिड़ व जिला सहकोषाध्यक्ष पद पर रचना कोठारी को मनोनित किया गया है।इनकी नियुक्ति पर पूर्व नेताप्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ ने सभी पदाधिकारियों को शुभकामना प्रेषित करते हुऐ कहा कि भारतीय जनता पार्टी का प्रत्येक कार्यकर्ता अपने दायित्व का ईमानदारी पूर्वक निर्वहन करता है उन्होने कहा कि पद भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता के लिए महत्व नही रखता बल्कि प्रत्येक कार्यकर्ता में दायित्व बौध का अहसास करवाता है। नगरनिकाय व पंचायत चुनाव में भारी बहुमत से पार्टी को विजय दिलाने के लिए कार्य करेगी उन्होने विश्वास व्यक्त करते हुऐ कहा कि नव नियुक्त पदाधिकारी सभी कार्यकर्ताओ के साथ आपसी सामंजस्य बिठाकर पार्टी की रीति नीति को आमजन तक पहुचाकर पार्टी के जनाधार को बढ़ाने के लिए कार्य करेगे।

# रतननगर की बेटी ने रचा कीर्तिमान: कीट विज्ञान में शोध कर बनीं उत्तर भारत की पहली 'एंटोमॉफैगी'

चूरू, (रॉयल पत्रिका)। जिले के छोटे से कस्बे रतननगर की रहने वाली कुमारी पूजा मीणा, पुत्री दिलीप कुमार मीणा (व्याख्याता) एवं संतोष ने शिक्षा के क्षेत्र में एक नया कीर्तिमान स्थापित करते हुए राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर के प्राणी शास्त्र विभाग से डॉ. शशि मीणा के निर्देशन में पी.एच.डी. की उपाधि प्राप्त की है। पूजा मीणा ने वर्ष 2017 से 2019 तक एम.एस.सी (जूलॉजी) में एंटोमोलॉजी (कीट विज्ञान) विषय में विशेष योग्यता के साथ स्नातकोत्तर की शिक्षा पूरी की। वर्ष 2019 में ही उन्होंने प्रतिष्ठित राष्ट्रीय परीक्षा सीएसआर-युजीसीनेट-जेआरएफ एवं एमपीएटी फैज-2 को सफलतापूर्वक उत्तीर्ण कर पी.एच.डी. में प्रवेश लिया इन्होंने "राजस्थान के अर्ध-शुष्क पूर्वी मैदानी क्षेत्र में ऑर्थोप्टेरन कीटों के वितरण, मौसमी प्रचुरता और पोषण क्षमता पर एक अध्ययन" विषय पर गहन शोध कार्य कर जुलाई 2025 में अपनी पीएच.डी. पूर्ण की। डॉ. पूजा मीणा का यह शोध न केवल शैक्षणिक दृष्टि से महत्वपूर्ण सिद्ध हुआ, बल्कि इसकी मानव उपयोग की दृष्टि से मूल्य को देखते हुए राजस्थान विश्वविद्यालय ने अपने एम.एससी. एंटोमोलॉजी के चौथे सेमेस्टर में "एंटोमॉफैगी" (कीट आहार विषय) को एक नए पाठ्यक्रम के रूप में सम्मिलित किया है।उनकी इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर परिजनों, शिक्षकों तथा विश्वविद्यालय समुदाय ने हर्ष व्यक्त करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

# सीरत कमेटी के संभागीय अध्यक्ष नियाज़ अहमद का वक्फ कमेटी चेयरमैन इरफान अंसारी ने किया इस्तकबाल

बारां (रॉयल पत्रिका) । ऑल इंडिया सीरत कमेटी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना फजले हक द्वारा समाजसेवी नियाज़ अहमद निक्कू को सीरत कमेटी का संभागीय अध्यक्ष बनाए जाने पर रविवार को बारां वक्फ कमेटी चेयरमैन इरफान अंसारी ने इस्तकबाल किया। प्रवक्ता शोएब अख्तर ने बताया कि कोटा स्थित निजी आवास पर संभागीय अध्यक्ष नियाज़ अहमद निक्कू का चेयरमैन इरफान अंसारी ने माला पहनाकर शॉल ओढ़ाकर मुंह मीठा करवाकर इस्तकबाल किया। साथ ही 1500 साला मिलादुन्नबी मानने को लेकर महफिलखाना जंगली शाह पर संभाग स्तरीय कॉन्फ्रेंस में भी शिरकत की। इस दौरान जिला वक्फ कमेटी के सेकेट्री दानिश खान, शेख आरिफ अनवर, असलम राजा, वसीम अंसारी सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

# "एक पेड़ मां के नाम" कार्यक्रम राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय में आयोजित

सवाई माधोपुर, (रॉयल पत्रिका)। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा" एक पेड़ माँ के नाम" कार्यक्रम के अन्तर्गत राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय पाडली एवम योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान केंद्र में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमे युवाओं द्वारा शीशम ,अशोक, नीम ,बरगद आदि के 51 पेड़ लगाये गए। केंद्र के रजत भारद्वाज ने बताया कि वृक्षारोपण पश्चात पौधे एवं पर्यावरण सरंक्षण हेतु शपथ ग्रहण दिलाई गई। कार्यक्रम के अतिथि संस्था के प्रधानाचार्य अशोक शर्मा द्वारा युवाओ को पर्यावरण को बचाने हेतु पर्यावरण संरक्षण गतिविधियों में बढ़ चढ़ कर हिस्सा लेने के लिए प्रेरित किया गया। योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान केंद्र की प्रभारी डॉक्टर पूजा जनागल ने युवाओं को भारत का भविष्य बताते हुए हमेशा देश के प्रति समर्पित रहने हेतु प्रेरित किया। मेरा युवा भारत जिला युवा अधिकारी ने युवाओं को माय भारत पोर्टल पर जुड़ कर सरकार की योजनाओं का लाभ लेने हेतु प्रेरित किया । इस दौरान निबंध प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया जिसमें प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान पर विजेताओं को मेडल पहनाकर एवं माय भारत टी-शर्ट देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय स्टाफ के मुकुट मीणा, केशव शर्मा, ओमप्रकाश मीना सहित आयुर्वेद कंपाउंडर प्रीति पंवार उपस्थित थे।

# माउंट आबू में पत्रकार के साथ की गई मारपीट व पत्रकार सुरक्षा को लेकर कलक्टर को दिया ज्ञापन

सवाईमाधोपुर, (रॉयल पत्रिका)। माउंट आबू में गत दिनों समाचार कवरेज के दौरान राजस्थान पत्रिका संवाददाता के वहां की नगर पालिका के कुछ कर्मचारियों ने जान लेवा हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया जिसे लेकर पूरे प्रदेश के पत्रकारों में भारी रोष व्याप्त है। इसी घटना क्रम को लेकर सोमवार को आईएफडब्ल्यूजे की सवाईमाधोपुर जिला इकाई ने जिला अध्यक्ष राजेश शर्मा के नेतृत्व में मुख्यमंत्री के नाम जिला कलेक्टर काना राम को ज्ञापन सौंपकर घटना से जुड़े नगर पालिका कर्मचारियों को बर्खास्त कर पीड़ित पत्रकार को न्याय दिलाने की मांग कर ने के साथ ही प्रदेश में आएदिन पत्रकारों पर होने वाले हमलों को ध्यान में रखते हुए सरकार से अविलंब प्रदेश में पत्रकार सुरक्षा कानून बनाने की मांग की गई है। ज्ञापन सौंपते समय जिला अध्यक्ष राजेश शर्मा के साथ सचिव राजेश गोयल, वरिष्ठ पत्रकार राजमल जैन, जितेंद्र जैन,शादाब अली, नरेन्द्र शर्मा, विद्दत जैन, बंटी शुक्ला, सहित अन्य पत्रकार साथी उपस्थित रहे।

# बिदारा के डॉ. बुनकर "डॉ. कलाम लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड" से सम्मानित

चौमूं, (रॉयल पत्रिका)। बिदारा निवासी समाजसेवी डॉ. पूरणमल बुनकर को ख्वाब फाउंडेशन, बिहार के तत्वावधान में राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर के ऑडिटोरियम जयपुर में आयोजित तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय युवा सम्मेलन "डॉ. कलाम यूथ लीडरशिप कॉन्फ्रेंस 7.0" में अतिथियों ने "डॉ. कलाम लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड" से सम्मानित किया। इस अन्तर्राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस में नेपाल, दुबई, अमेरिका, श्रीलंका आदि देशों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। डॉ. बुनकर को यह सम्मान एक दशक से अधिक समय से सामाजिक उत्कृष्टता व जिम्मेदारियों के उच्चतम मानक प्रदर्शित करने पर दिया गया। डॉ. बुनकर को अंतरराष्ट्रीय सोशियल वेलफेयर अवार्ड, टीचर इनोवेशन अवार्ड, द ग्रेट सोशल अचीवर अवार्ड, भीमाबाई रत्न अवॉर्ड, समर्पण समाज गौरव अवार्ड, कर्म श्री अवार्ड, डॉ. अंबेडकर लोक आराधक रत्न, शिक्षा एवं समाज गौरव सम्मान, ग्राम पंचायत सम्मान, डॉ. अंबेडकर शिक्षा सम्मान, उप जिला कलेक्टर द्वारा सम्मान, रक्तदाता सम्मान, पत्रकारिता सम्मान, विश्व संवाद परिषद सम्मान सहित इत्यादि अवार्डों से सम्मानित हो चुके हैं। डॉ. बुनकर को "डॉ.कलाम लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड" मिलने पर क्षेत्रवासियों ने हर्ष जताया।

# ऑनलाइन हज फार्म भरने की तारीख को आगे बढ़ाने की मांग

मोहम्मद यासीन

जोधपुर, (रॉयल पत्रिका)। ऑल इंडिया हाज वेलफेयर सोसाइटी जोधपुर जिला इकाई के अध्यक्ष हाजी सैयद आरिफ अली ने बताया कि राजस्थान सहित देश भर के कई राज्यों के डाकघर में 21 जुलाई से सॉफ्टवेयर अपग्रेडेशन का कार्य शुरू हुआ है और आईटी 1.0 का स्थान आईटी 2.0 ने लिया अगले दिन 22 जुलाई को नए सॉफ्टवेयर पर काम शुरू हो गया लेकिन डाक विभाग ने बगैर तैयारी सॉफ्टवेयर ग्रेड सेशन किया जिसका परिणाम यह हुआ कि डाकघर में सभी ऑनलाइन सेवाएं अटक अटक कर चल रही हैं स्पीड पोस्ट के लिए लंबी लाइन लग रही है। थर्मल प्रिंटर कमी से डाकघर से पासपोर्ट की डिलीवरी में परेशानी आ रही है। 2026 में हज पर जाने वाले हज यात्रियों को 31 जुलाई 2025 तक हज फार्म भरने की अंतिम तारीख है। जिन लोगों ने पासपोर्ट बनवाए हैं और तत्काल फीस देकर पासपोर्ट जारी करवायें है और पासपोर्ट प्रिंट हो चुके हैं लेकिन स्पीड पोस्ट की ऑनलाइन सुविधा व्यवस्थित नहीं होने के कारण समय पर पासपोर्ट नहीं मिल पा रहें हैं सोसायटी के उपाध्यक्ष मशरूर खान ने विशेष जानकारी दी है कि डाकघर के कर्मचारियों ने और भारतीय डाक संगठन ने भी चीफ पोस्टमास्टर जनरल को पत्र लिखकर सॉफ्टवेयर की खामियां तुरंत दूर करने को कहा है ताकि समय पर भी स्पीड पोस्ट सुविधा सही स्थिति हो जाए इस परेशानी को देखते हुए ऑल इंडिया हज वेलफेयर सोसायटी जोधपुर जिला इकाई के सेक्रेटरी हाजी शहजाद अंसारी ने बताया कि हज अल्पसंख्यक मंत्रालय हज विभाग, भारत सरकार को 2026 में जाने वाले हाजियों के लिएआन लाइन फॉर्म भरने की तारीख आगे बढ़ाने की अपील की है जो हाजी 2026 में हज पर जाने के ख्वाहिश रखते हैं वह लोग भी जिन्होंने पासपोर्ट बनवाए हैं आने पर ऑनलाइन फॉर्म भर सकें सऊदी सरकार ने भारत सरकार को हाजियों का जो कोटा निर्धारित किया है उतने ही तादाद में अपने फॉर्म भरे जा सकेंगे सोसायटी के फिटनेस डायरेक्टर नौशाद अंसारी ने बताया कि 31 जुलाई 2025 को रात 11:55 तक ऑनलाइन हज फार्म सोजती गेट चांद सा तकिया जया एस टी डी और, चील घर चौराहा जमजम इंटरप्राइजेज , और घर बैठे फॉर्म भरने के लिए मोबाइल नंबर 9001466212 पर कॉल लगाकर घर बैठे ऑनलाइन अपने हज के फार्म भरवा सकते हैं यह सुविधा 31 जुलाई 2025 रात 11:30 बजे तक जारी रहेगी जिन लोगों ने ऑनलाइन हज के फॉर्म भरे हैं उनके कर नंबर आने शुरू हो गए हैं और सोसाइटी में हाजियों के फिटनेस के लिए ऋषि जी प्रताप नगर में रोजाना सुबह 11:00 से 12:00 तक फिटनेस के लिए जांच की जाएगी और आधुनिक मशीनों द्वारा उनको पैदल चलने की ट्रेनिंग दी जाएगी ताकि हज के दौरान 7 से 8 किलोमीटर चलनेकी क्षमता बनी रहे और उनको हज की तैयारी की कराई जाएगी ।

# "लेडी ऑफ द लेक्स" रणथंभौर की रानी मछली (टी-16) को समर्पित स्मारक का वन मंत्री ने किया अनावरण

## -विश्व बाघ दिवस पर भारत की सबसे प्रतिष्ठित बाघिन को आधिकारिक श्रद्धांजलि

सवाई माधोपुर, (रॉयल पत्रिका)। विश्व बाघ दिवस के अवसर पर वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा ने मंगलवार को सवाईमाधोपुर के रण्थम्भौर टाइगर रिजर्व की गौरवशाली और विश्वविख्यात बाघिन "मछली (टी-16)" को चिरस्थायी स्मृति देने हेतु जोगी महल गेट रणथम्भौर पर भव्य स्मारक का अनावरण किया। वन राज्यमंत्री शर्मा ने सवाईमाधोपुर जिलेवासियों को विश्व टाइगर दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि रण्थम्भौर टाईगर रिजर्व सवाई माधोपुर की पहचान है तथा इसके संरक्षण एवं संवर्धन के लिए राज्य सरकार संकल्पबद्ध है। उन्होंने कहा कि रण्थम्भौर टाईगर रिजर्व क्षेत्र को आबाद करने में बाघिन मछली (टी-16) की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। उन्होंने कहा कि देश में टाईगर का यह द्वितीय स्मारक है। वन विभाग की ओर से यह स्मारक बाघिन मछली (टी-16) को सच्ची श्रद्धांजलि है। शावको के साथ यह स्मारक, न केवल उसकी महान विरासत को जीवंत करता है, बल्कि रणथंभौर भ्रमण पर आने वाले पर्यटकों एवं त्रिनेत्र गणेश मंदिर के श्रद्धालुओं के लिए वन्यजीव संरक्षण की एक प्रेरणास्पद झलक भी प्रस्तुत करेगा। रणथम्भौर की सबसे प्रसिद्ध बाघिन मछली (टी-16) का जन्म, 1997 में हुआ। वह अपने चेहरे पर मछली जैसी आकृति के कारण यह नाम पाई और वर्षों तक पदम तालाब, राजबाग और मलिक तालाब जैसे झीलों वाले क्षेत्र पर नियंत्रण रखने के कारण "लेडी ऑफ द लेक्स" एवं एक विशाल मगरमच्छ को परास्त कर "क्रोकोडाइल किलर" भी कहलाई। मछली ने 5 बार शावकों को जन्म दिया और 2004-05 के शिकार संकट के समय रणथंभौर को पुनः आबाद किया। रणथंभौर की वर्तमान बाघ आबादी का एक बड़ा हिस्सा मछली के वंशजों से बना है, जिनमें सुंदरी (टी-17) और ऐरोहेड (टी-84) जैसे नाम शामिल हैं। मछली की ही संतान बाघिन एसटी-2 राजमाता ने अलवर के सरिस्का को आबाद किया। 2016 में लगभग 19 वर्षों की आयु में मछली का देहांत हुआ, जो किसी जंगली बाघिन के लिए अभूतपूर्व आयु मानी जाती है। बाघिन मछली के जीवन पर बनी डॉक्यूमेंट्री "The World's Most Famous Tiger" को राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार भी प्राप्त हुआ। वर्ष 2013 में भारत सरकार ने मछली पर स्मारक डाक टिकट जारी कर उसे राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित किया। कार्यक्रम के अंतर्गत 107 नवचयनित वन्यजीव गाइड्स को प्रशिक्षण समापन प्रमाण-पत्र भी प्रदान किए गए। वन्यजीव गाइड खुश बैरवा (विस्थापन श्रेणी) और उमेश सैनी (ईडीसी श्रेणी) को रणथंभौर संरक्षण में उत्कृष्ट योगदान हेतु सम्मानित किया गया। इस अवसर पर राज्यमंत्री शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार "एक पेड़ मां के नाम" अभियान के तहत इस वर्ष 10 करोड़ पौधे लगाने का संकल्प लेकर हरियाली को जन आंदोलन बना रही है। यह पहल भविष्य के हरित राजस्थान की नींव बनेगी। खण्डार विधायक जितेंद्र गोठवाल ने गणेश मेले से पूर्व किले परिसर में दीवार निर्माण एवं मरम्मत व परिक्रमा मार्ग की सुरक्षा व्यवस्थाओं पर अधिकारियों से चर्चा कर व्यवस्थाएं सुदृढ़ करने पर बल दिया। उन्होंने बाघ विस्थापन, स्थानीय वन विकास व संरक्षण योजनाओं पर भी सार्थक सुझाव दिए। कार्यक्रम से पूर्व आलनपुर में रणथंभौर टाइगर रिजर्व की नवीन नर्सरी का उद्घाटन कर वन मंत्री संजय शर्मा, विधायक जितेन्द्र गोठवाल, जिला कलक्टर कानाराम, पुलिस अधीक्षक अनिल बेनीवाल एवं अन्य अतिथियों द्वारा सिन्दर, अशोक और कदम के पौधे लगाए गए। इस अवसर पर पूर्व विधायक मानसिंह गुर्जर, पीसीसीएफ शिखा मेहरा, एपीसीसीएफ डॉ. राजेश गुप्ता, सीसीएफ अनूप के.आर., डीसीएफ रामानंद भाकर एवं डीसीएफ प्रमोद धाकड़ सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

# यादव को किया सम्मानित

चौमूं, (रॉयल पत्रिका)। ग्राम पंचायत घिनोई के निवासी तथा न ई-ढाणी दुग्ध उत्पादक सहकारी समिति लि. के सचिव रामचन्द्र यादव को अंतरराष्ट्रीय समरसता मंच की ओर से जयपुर के रोटरी क्लब सभागार में कारगिल विजय दिवस समारोह एवं समरसता सांस्कृतिक समन्वय सम्मेलन के द्वारा सम्मान किया गया।

# शहर वस्त्र व्यापार कमेटी के अध्यक्ष बने राजेश गोयल, रूपेश नामा सचिव बनाए गए

सवाई माधोपुर, (रॉयल पत्रिका)। शहर वस्त्र व्यापार कमेटी के चुनाव महाबली हनुमान जी गलता रोड परिसर में चुनाव अधिकारी महेश सिंधी,रामबाबू सिंहल एवं रामरतन नामा जी के सानिध्य में संपन्न हुए। जिसमें सदस्यों द्वारा 11 व्यक्तियों की कार्यकारिणी का चयन किया गया। नवनिर्वाचित वस्त्र व्यापार कमेटी के प्रवक्ता विष्णु अग्रवाल ने बताया कि चुने गए सदस्यो द्वारा नई कार्यकारिणी की घोषणा निम्न प्रकार हुई। संरक्षक पद हेतु ओमप्रकाश चोपड़ा, अध्यक्ष पद हेतु राजेश गोयल पांचोलास वाले, उपाध्यक्ष पद हेतु मुकेश शर्मा व कन्हैया गुप्ता, महामंत्री पद हेतु रूपेश नामा सहमंत्री पद हेतु शैलेश चौधरी, कोषाध्यक्ष पद हेतु बृजेश सिंघल, सहकोषाध्यक पद हेतु अशोक जयपुरिया,संगठन मंत्री हरप्रीत छाबड़ा, प्रवक्ता विष्णु अग्रवाल प्रचार मंत्री ऋषभ जैन को सर्वसम्मति से चुना गया।

# "रील" की रेल ने पटरी से उतार दी ज़िंदगियाँ

## -युवाओं को निगल रहा है वर्चुअल नशा, हकीकत में उजड़ रहे हैं सपने

सवाई माधोपुर, (रॉयल पत्रिका)। जब 15 सेकेंड की एक वीडियो क्लिप किसी की पूरी ज़िंदगी को निगल जाए तो इसे क्या कहेगें मनोरंजन या मरण-आकर्षण। सोशल मिडिया खुद को साबित करने का मंच लेकिन यही "रील्स" अब युवाओं की ज़िंदगी को रील की तरह ही काटकर लील रही है। आज रील्स का नशा युवाओं को एक ऐसी दौड़ में धकेल रहा है जहाँ मंज़िल नहीं, सिर्फ तालियाँ और लाइक्स हैं। कोई ट्रैक पर लेटा वीडियो बना रहा है, कोई ऊंची इमारत की मुंडेर से लटक रहा है, कोई ट्रूचें झरनों एवं पुलों से छलांग लगा रहा है तो कोई तेज रफ्तार बाइक को मौत की रेखा पर चला रहा है। सिर्फ इसलिए कि "कुछ अलग" लगे, "कुछ वायरल" हो। हर कुछ दिन में एक युवा की मौत की खबर आती है रील बनाते हुए हादसा, स्टंट करते समय जान चली गई, ट्रेन से टकराया, बाइक से गिरा। और पीछे रह जाते हैं सदमे में डूबे माँ-बाप, अधूरी पढ़ाई, और टूटे सपने। कहीं रील ने छीना लाल, तो कहीं जीवन की मुस्कान । ऐसे कई केस सामने आ चुके हैं जहाँ रील्स की दीवानगी ने कई माँ-बाप की गोद सूनी कर दी। रील की दुनिया असली नहीं है, लेकिन असर असली पड़ रहा है:- सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म युवाओं को ध्यान खींचने वाले कंटेंट के ज़रिए जोड़े रखते हैं रील की दुनिया में सब कुछ फिल्टर और फेक है। लेकिन युवा इसे ही असल समझ बैठे हैं। लाइक्स और कमेंट्स की भूख इतनी बढ़ गई है कि असली रिश्तों, पढ़ाई, करियर, यहाँ तक कि ज़िंदगी से भी दूर हो रहे हैं। ये सोशल मिडिया कंपनियां अपनी ज़िम्मेदारी नहीं पा निभा रही हैं क्यों खतरनाक स्टंट्स पर कोई सख्ती नहीं साथ ही इनके द्वारा ऐसे कंटेंट को "ट्रेंडिंग" में बढ़ावा दिया जाता है जो युवाओं में गलत ट्रेड बन रहा है। समस्या सिर्फ मोबाइल में नहीं, सोच में भी है:- समाज में 'शॉर्टकट सक्सेस' का भूत सिर चढ़कर बोल रहा है। अब मेहनत से ज्यादा वायरल होना ज़रूरी हो गया है और जब लाइक्स ही आत्म-सम्मान का पैमाना बन जाएं, तो युवा आत्मा की गहराई से नहीं, कैमरे के एंगल से खुद को देखने लगता है। रील की दुनिया, असल से बहुत दूर :- रील की दुनिया में सब कुछ फिल्टर और फेक है। लेकिन युवा इसे ही असल समझ बैठे हैं। लाइक्स और कमेंट्स की भूख इतनी बढ़ गई है कि असली रिश्तों, पढ़ाई, करियर, यहाँ तक कि ज़िंदगी से भी दूर हो रहे हैं। समाज, सिस्टम और समझ तीनों की ज़रूरत :- जरूरत है कि माता-पिता बच्चों के साथ संवाद

करें, माता-पिता को चाहिए कि बच्चों से बात करें, सिर्फ पढ़ाई नहीं, मोबाइल पर क्या देख रहे हैं ये भी समझें। स्कूल-कॉलेज में "डिजिटल लाइफ मैनेजमेंट" को लेकर चर्चाएं हों। स्कूल-कॉलेज इस विषय पर जागरूकता फैलाएं, और सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म अपनी जिम्मेदारी समझें। 'डिजिटल साक्षरता' आज सिर्फ कंप्यूटर चलाने भर की बात नहीं, बल्कि मानसिक और भावनात्मक संतुलन की भी बात है। सरकार और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म मिलकर ऐसे कंटेंट को रोकें जो ज़िंदगी से खेलते हों। रील का नशा अगर समय रहते नहीं उतरा तो ये 15 सेकेंड की रील्स धीरे-धीरे हमारी अगली पीढ़ी को "परमानेंट साइलेंस" में ले जाएंगी। रील्स की चमक असली ज़िंदगी का विकल्प नहीं है। लाइक्स से नहीं, लगन से मंज़िलें बनती हैं।

# जिला कांग्रेस कमेटी बारां ने पुलिस कस्टड़ी में हुई लोकेश सुमन की मौत की निष्पक्ष जांच

## -परिवारजन को उचित राहत को लेकर कलक्टर को सोंपा ज्ञापन

शब्बीर हुसैन

बारां,(रॉयल पत्रिका)। गत 22 जुलाई को थाना क्षेत्र किशनगंज में रामगढ़ रोड पर कस्तूरबा गांधी आवासीय स्कूल के पास बरड़िया में हुए घटनाक्रम की पुलिस ने तफ्तीश कर ब्लाइंडली लोकेश सुमन निवासी बराना को गिरफ्तार किया था जिसकी किशनगंज थाना पुलिस कस्टडी में मौत हो गई। कांग्रेस जिला संगठन महामंत्री कैलाश जैन ने जानकारी देते हुए बताया कि उक्त घटना को लेकर जिलाध्यक्ष रामचरण मीणा जिला कांग्रेस कमेटी बारां ने दर्जनों कांग्रेसजनों की उपस्थित में जिला कलक्टर बारां को ज्ञापन सौंपते हुए प्रकरण की अन्य जिले से टीम गठित कर निष्पक्ष जांच करवाने, सम्बंधित थाने ने आरोपी को 48 घंटे की अवधि से ज्यादा पुलिस गिरफ्त में किस आधार पर रखा, आरोपी पुलिसकर्मियों को तुरंत प्रभाव से राजकीय सेवा से निलंबित करने एवं अभियुक्त के परिवार को उचित मुआवजा राशि प्रदान करते हुए परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने की अपील की। ज्ञापन देने के दौरान शहर अध्यक्ष प्रषांत भारद्वाज, मण्डल अध्यक्ष नवीन सोन, भारत भूषण सक्सेना, सत्यनारायण भूमल्या, बबलू विजय, अर्जुन यषवंत, मनीष पंडित, अंकूर सक्सेना, रणवीर भूमल्या, कपिल नामा, अनूज तिवारी, रितिक शर्मा, सहित दर्जनों कांग्रेसजन उपस्थित रहे।

# जिले में भारी बारिश के बीच जिला कलक्टर ने दौरा कर दिए राहत के निर्देश

## -जिला कलक्टर ने बारिश में भीगते हुए लिया ज़मीनी हालात का जायज़ा

बारां,(रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशों की पालना में जिला कलक्टर रोहिताश्व सिंह तोमर ने मंगलवार को मूसलधार बारिश के बीच अटरू, कवाई, छीपाबड़ौद, छबड़ा क्षेत्र का सघन दौरा कर स्कूलों के भवनों और जलभराव की स्थिति का जायज़ा लिया। जिला कलक्टर बारिश में भीगते हुए प्रभावित इलाक़ों में पहुंचे और आमजन की समस्याएं सीधे सुनीं। जिले में लगातार तीन दिनों से रुक-रुक कर हो रही ज़ोरदार बारिश के कारण पार्वती, परवन, कालीसिंध, अंधेरी, रेणुका व भैंसासुर नदियों के साथ-साथ बरसाती नाले भी उफान पर हैं। जिला कलक्टर स्वयं मौके पर जायजा ले रहे हैं। साथ ही संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दे रहे हैं। जिला कलक्टर ने अटरू के गायत्री नगर, अर्डान्द, खेड़ली स्कूल और कवाई की बस्तियों का निरीक्षण किया जहां स्कूलों के भवनों की स्थिति एवं पानी भराव की स्थिति को लेकर निर्देश दिए। वहीं मवासा स्कूल, खजुरिया डेम, उतावली डेम, दीगोद खालसा, आखाखेड़ी स्कूल और ल्हासी डेम का भी निरीक्षण कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जिला कलक्टर ने जर्जर स्कूल भवनों का उपयोग बंद करने तथा खतरे की स्थिति में उन्हें जमींदोज करने और बच्चों को इनसे दूर रखने के निर्देश दिए। साथ ही स्कूल भवनों के आसपास अतिक्रमणों को भी सख्ती के साथ हटाने। छीपाबड़ौद के खजुरिया बंजारा बस्ती में ग्रामीणों ने जिला कलक्टर के समक्ष घरों के ऊपर से गुज़र रही केवी विद्त लाइन को हटाने की पुरज़ोर मांग रखी। कलक्टर ने तुरंत संज्ञान लेते हुए ऊर्जा विभाग को निर्देश दिए कि इस संवेदनशील मामले का जल्द समाधान किया जाए। इसके अलावा अटरू के वार्ड 13 में बड़ौदा बैंक के पीछे की गली में जलभराव की शिकायत पर जिला कलक्टर स्वयं बारिश में भीगते हुए मौके पर पहुंचे और स्थिति को देख एसडीएम ओमप्रकाश चंदेलिया को समस्या समाधान कर शीघ्र रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। जिला कलक्टर ने दीगोद के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय का निरीक्षण कर वहां आपदा की स्थिति में आवासीय व्यवस्था की उपलब्धता को देखा। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि जनमानस की सुरक्षा और राहत सर्वोच्च प्राथमिकता है और प्रशासन इसका पूर्ण निर्वहन करेगा। ल्हासी डेम के निरीक्षण के दौरान उन्होंने ग्रामीणों से संवाद किया और उन्हें आश्वस्त किया कि सरकार एवं प्रशासन पूरी तरह से उनके साथ है। बारिश, बाढ़ और जलभराव की किसी भी स्थिति में ज़िला प्रशासन हर संभव मदद करेगा। छीपाबड़ौद एवं अंता क्षेत्र की संवेदनशील बस्तियों के प्रभावित परिवारों को शेल्टर होम में सुरक्षित स्थानांतरित किया गया है, जहां राशन, भोजन और बिस्तरों की समुचित व्यवस्था की गई है। बरनी नदी की पुलिया टूटने से भंवरगढ़ और नाहरगढ़ का आपसी संपर्क टूट गया है। किशनगंज क्षेत्र में बहाव के कारण मिट्टी कटाव से बिजली के खंभे गिर गए, जिससे कई गांवों में विद्त आपूर्ति ठप हो गई है। जिला कलक्टर ने संबंधित अधिकारियों को इसको लेकर निर्देशित भी किया। उनके साथ दौरे में उपखंड अधिकारीगण, सहायक जनसंपर्क अधिकारी, शिक्षा विभाग के अधिकारी और संबंधित क्षेत्रीय प्रशासनिक दल मौजूद रहे।

पीईईओ व प्रधानाध्यापक को नोटिस

जिला कलक्टर ने निरीक्षण के दौरान पछाड़ क्षेत्र के गुलखेड़ी में उच्च प्राथमिक स्कूल भवन के क्षतिग्रस्त कक्ष को सील नही कर सिर्फ ताला लगाकर खानापूर्ति करने मामले को गंभीरता से लेते हुए स्थानीय प्रधानाध्यापक हेमराज तथा आपसी संवाद के अभाव में प्रधानाध्यापक की गैर मौजूदगी रहने पर पीईईओ नरेश मंगल को 17 सीसीए के तहत नोटिस देने के निर्देश दिए।

# उपखण्ड अधिकारी को सौंपा ज्ञापन

सुजानगढ़, (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान शिक्षक संघ अम्बेडकर शाखा सुजानगढ़ द्वारा झालावाड़ जिले में घटित दुखांतिका को लेकर पीड़ित परिवारों को न्याय दिलाने हेतु 29 जुलाई 2025 को उपखंड अधिकारी ओमप्रकाश वर्मा सुजानगढ़ को ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में बताया गया कि हादसे में मृतक विद्यार्थियों के परिजनों को समुचित आर्थिक सहायता राशि प्रदान की जाए और परिवार के सदस्य को सरकारी नौकरी दी जाए । शिक्षको के एक तरफा निलंबन की कार्रवाई नहीं की जाकर घटना की न्यायिक जांच करवाते हुए लापरवाही बरतने वाले दोषी अधिकारियों भवन निर्माण संस्थाओं के विरुद्ध कठोर दंडात्मक कार्रवाई की जाए तथा प्रदेश भर के सभी राजकीय विद्यालय भवनों की सुरक्षा की जांच करवाई जाए और भवन सुरक्षा प्रमाण पत्र सार्वजनिक निर्माण विभाग के तकनीकी अधिकारों द्वारा जारी करवाई जाए। सुरक्षित एवं पर्याप्त कक्षा का निर्माण सुनिश्चित किया जाए और शिक्षा के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए नई शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप राज्य के बजट का न्यूनतम 6 प्रतिशत शिक्षा के क्षेत्र में खर्च किया जाए इस अवसर ब्लाक अध्यक्ष रमेश कुमार पवार, मंत्री उदाराम मेहरा, पुरुषोत्तम लाल चौहान, सुरेंद्र कुमार महरिया, पूर्व शिक्षक दीपाराम सांडेला, शाहरुख खान और हरजीराम मेघवाल तिलोक मेघवाल आदि शामिल हुए।

# रोटरी क्लब सदस्यों ने परिवारजनों सहित उठाया

## -हरियाली तीज के अवसर पर पिकनिक का लुप्त

बारां, (रॉयल पत्रिका)। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी रोटरी क्लब सदस्यों द्वारा सावन के मौसम में बारिश की मीठी-मीठी फुहारों का लुप्त उठाने के लिए पिकनिक का आयोजन किया गया। इस दौरान कई प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गई। रोटरी क्लब अध्यक्ष सूर्यप्रकाश विजय, सचिव महेश तिवारी ने बताया कि क्लब द्वारा हरियाली तीज के अवसर पर सावन की मीठी-मीठी फुहारों के बीच तथास्तु फार्म एण्ड रिसोर्टस, कोटा पर पिकनिक का आयोजन किया गया। रोटेरियन प्रकाश टोंग्या, डॉ. त्रिवेश बरदानिया ने बताया कि इस दौरान सभी ने परिवारजनों सहित स्वीमिंग पूल में सावन के मौसम में पड़ रही ठण्डी-ठण्डी फुहारों के बीच स्विमिंग पूल में नहाने का आनन्द उठाया तथा विभिन्न प्रकार के खेलों का भी लुप्त उठाया। पिकनिक प्रभारी उर्मिला जैन भाया जिला प्रमुख, कल्पना, कल्पना विजय, बिन्द मारू ने बताया कि रोटरी क्लब पदाधिकारी अपने परिवारजनों

के साथ बारां से बस के माध्यम से पिकनिक स्थल पर पहुंचे। जहां पर सभी सुहागिन महिलाओं का सुहाग के प्रतीक रोली, तिलक लगाकर एवं कंगन पहनाकर स्वागत किया गया तथा सभी के पुरूषों ने अपनी-अपनी पत्नियों की प्रशंसा में दो लाईन बोली गई। भाया ने बताया कि स्विमिंग पूल के अन्दर जो गेम खिलाया गया उसमें दिव्या जैन प्रथम और अंजू मारू द्वितीय स्थान पर रही। क्लब द्वारा लहरिया सरप्राइज रखा गया था जिसमें पिकनिक कार्यक्रम के दौरान जो महिलाएं लहरिया पहन कर आई थी उन्हें अवार्ड प्रदान किया गया। इसमें दिव्या जैन-प्रदीप मारू विजय रहे। आया सावन झूमके, तम्बोला प्रतियोगिता में सूर्यप्रकाश विजय, कल्पना विजय प्रथम स्थान पर रही। इस अवसर पर क्लब के राकेश सेठी, आदित्य जैन, जितेन्द्र गुप्ता, सतीश विजय, प्रदीप मारू, सतीश अग्रवाल, धीरज तिवारी, विकास जैन, पंकज जैन, मनोज ड्रोलिया, दीपक गुप्ता, दीपक कुमार जैन, विवेक जैन अपने परिवारजनों सहित उपस्थित रहे तथा सभी ने पिकनिक के दौरान सामूहिक स्नेहभोज का आनन्द उठाया। अध्यक्ष सूर्यप्रकाश विजय, ने सभी पधारे हुए क्लब पदाधिकारियों का परिवारजनों सहित स्वागत किया तथा सचिव महेश तिवारी ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

# पंचायती राज के जिला महामंत्री बने विक्रम भाटी

पाली, (रॉयल पत्रिका)। राजीव गांधी पंचायती राज संगठन के प्रदेश अध्यक्ष सीबी यादव जोधपुर संभाग के प्रभारी बलदेव राम बेनीवाल की अनुशंसा पर पाली जिला अध्यक्ष मदन सिंह जागरवाल ने पाली जिले के संगठन को ओर अधिक सक्रिय करने के लिए कार्यकारिणी का विस्तार करते हुए विक्रम भाटी पाली को जिला महामंत्री की नियुक्ति दी। विक्रम भाटी सक्रिय ओर निष्ठावान कांग्रेस कार्यकर्ता हे इनके जिला महामंत्री बनने से संगठन को मजबूती मिलेगी। भाटी महामंत्री बनने पर पाली ब्लॉक अध्यक्ष डॉ रमेश चावला उपाध्यक्ष मांगीलाल मेघवाल विजयराज प्रजापत रोहट ब्लॉक अध्यक्ष सदाराम विश्नोई पाली ब्लॉक अध्यक्ष चिमनाराम भाटी सुमेरपुर ब्लॉक अध्यक्ष बगदाराम मेघवाल पाली समन्वयक पंकज सेनी आदि अनेक कांग्रेस जनों ने खुशी जाहिर कर प्रदेश अध्यक्ष सीबी यादव ओर पाली जिला अध्यक्ष मदन

सिंह जागरवाल का आभार प्रकट किया जागरवाल ने बताया कि विक्रम भाटी संगठन का कार्य पाली शहर ओर रोहट ब्लॉक का करेंगे।

# पसमान्दा आंदोलन के तहत नई दिल्ली में बैठक सम्पन्न

कोटा/नई दिल्ली, (रॉयल पत्रिका)। रविवार को जामिआ मिल्लिया इस्लामिया विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के CIT हॉल में ऑल इंडिया पसमान्दा मुस्लिम महाज़ द्वारा "जातिगत जनगणना और इसका पसमान्दा मुस्लिमों पर प्रभाव" विषय पर एक सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार दो सत्रों में आयोजित हुआ। पहले सत्र के मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्री दानिश अंसारी थे, जबकि दूसरे सत्र के मुख्य अतिथि जामिआ मिल्लिया इस्लामिया के कुलपति प्रो. मज़हर आसिफ़ रहे। देश भर से आए विद्वानों और बुद्धिजीवियों की उपस्थिति ने इस आयोजन को और भी सार्थक बना दिया। कोटा से कार्यक्रम में शामिल हुए इंजीनियर सिराज अंसारी ने बताया कि ऑल इंडिया पसमान्दा मुस्लिम महाज़ के राष्ट्रीय कार्यकारी बैठक में झारखंड, बिहार, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, उत्तराखंड, महाराष्ट्र, तेलंगाना, हरियाणा, पंजाब और दिल्ली यूनिट से लोगो ने शिरकत की। बैठक परवेज़ हनीफ़, शारिद अंसारी, रेहान असराई, मोहसिन, एहतिशाम, विनय, अब्दुल्लाह, नफ़ीस मंसूरी, फ़ैयाज़ अहमद, फ़ैज़ी अहमद भाई, शमीम अंसारी, जनाब सिराजुद्दीन कुरैशी सहित बड़ी संख्या में ऑल इंडिया पसमान्दा मुस्लिम महाज़ के सदस्य उपस्थित रहे।

# पीपल्स ग्रीन पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष करेंगे तारानगर और सरदारशहर क्षेत्र का दौरा

चूरू, (रॉयल पत्रिका)। पीपल्स ग्रीन पार्टी राजस्थान के प्रदेश अध्यक्ष सत्यनारायण सैनी चूरू लोकसभा की विधानसभा तारानगर एवं सरदारशहर की भालेरी और मेलूसर ग्राम पंचायतों में सीडब्ल्यूसी गठन के लिए दौरा करेंगे। सत्यनारायण सैनी ग्रीन स्वराज सम्मेलन के अतिरिक्त विधानसभा एवं लोकसभा क्षेत्रों में दौरे करके सीडब्ल्यूसी गठन के कार्य में तेजी लाने के लिए पदाधिकारियों और प्रभारियों को प्रेरित करेंगे। पार्टी कार्यालय की जानकारी के अनुसार प्रदेश अध्यक्ष सत्यनारायण सैनी एक अगस्त से पुनः बीकानेर के दौरे पर रहकर वहां पर सीडब्ल्यूसी गठन की प्रक्रिया एक अभियान के रूप में आरंभ करेंगे। प्रदेश महासचिव एवं प्रदेश प्रवक्ता राजेन्द्र सिंह शेखावत ने बताया कि चूरू लोकसभा की सभी विधानसभाओं में सीडब्ल्यूसी गठन का कार्य युद्धस्तर पर पहले ही आरंभ कर दिया गया है।

# इस जनरेशन के बच्चे मुझे नहीं, 'श्याम' को पहचानते हैं

**फिल्म 'हेरा फेरी' में सुनील शेट्टी, परेश रावल और अक्षय कुमार की तिकड़ी ने अभिनय का ऐसा रंग जमाया कि आज भी दर्शक इनके निभाए किरदारों को याद करते हैं। हाल ही में सुनील शेट्टी ने फिल्म 'हेरा फेरी' के अपने किरदार श्याम के बारे में विस्तार से बात की। उनका कहना है कि आज की जनरेशन उन्हें नाम से नहीं किरदार से ज्यादा पहचानती है।**

### बच्चे मुझे श्याम के किरदार से पहचानते हैं'

हालिया बातचीत में सुनील शेट्टी कहते हैं, 'आज की जनरेशन मुझे नहीं पहचाती हैं लेकिन जब उनकी मम्मी 'हेरा फेरी' के श्याम का नाम लेती है, तो बच्चे मुस्कुराने लगते हैं। मैं सुनील शेट्टी नहीं 'हेरा फेरी' के श्याम के तौर पर नई जनरेशन में पहचाना जाता हूं। आज की जनरेशन ने मेरी फिल्में नहीं देखी हैं। लेकिन जब 'श्याम' का किरदार बता दो तो वह मुझे पहचान लेते हैं।'

### डायरेक्टर के विजन के कारण किरदार यादगार बनते हैं

सुनील शेट्टी आगे कहते हैं, 'बच्चे किसी कैरेक्टर से ही रिलेट करते हैं और यह तब हो पाता है, जब एक कमाल का डायरेक्टर अपनी कहानी और किरदार को बेहतरीन तरीके से पेश करता है। 'हेरा फेरी' का तो म्यूजिक भी कमाल का था, इसमें जो गाना 'पो पो..' था वह भी यूनीक था। इसी तरह से 'धड़कन और 'बॉर्डर' के गाने भी लोगों को याद रहते हैं। आज आप 'संदेश आते हैं..' सॉन्ग कहीं प्ले कीजिए लोग रोने लगते हैं, इमोशनल हो जाते हैं। इस तरह हमारे किरदार, पुराने गाने लोगों से जुड़ जाते हैं।'

### 'हेरा फेरी 3' में नजर आएंगे सुनील शेट्टी

'हेरा फेरी 3' को लेकर काफी चर्चा है, इस फिल्म का हिस्सा भी सुनील शेट्टी हैं। इसके अलावा वह एक फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' में नजर आएंगे। हाल ही में सुनील शेट्टी की एक फिल्म 'केसरी वीर' भी रिलीज हुई, इसमें उन्होंने एक योद्धा का रोल किया था।

# छावा एक्टर विनीत कुमार सिंह बने पिता

**छावा में नजर आए एक्टर विनीत कुमार सिंह एक बेटे के पिता बन गए हैं। शादी के तीन साल बाद उनके घर में किलकारियां गूंजी हैं। विनीत और पत्नी रुचिरा ने सोशल मीडिया पर फैंस संग यह गुड न्यूज शेयर की है।**

साल 2025 विनीत के लिए ढेर सारी खुशियां लेकर आया है। एक तरफ उन्होंने छावा, जाट और सुपरबॉयज ऑफ मालेगांव में तारीफें बटोरीं, दूसरी ओर वह पिता बन गए हैं। विनीत कुमार सिंह ने रविवार, 27 जुलाई को अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर किए पोस्ट में लिखा, भगवान का प्रेम बरस रहा है। वो बड़े दयालु हैं। इस दुनिया में छोटे सिंह आ चुके हैं। वो पहले ही हमारा दिल चुरा रहे हैं। बेटा हुआ है। भगवान इस प्यारे से खुशी के तोहफे के लिए शुक्रिया।

# उदयपुर फाइल्स की रिलीज डेट पर लगी मुहर, कोर्ट ने हटाई रोक

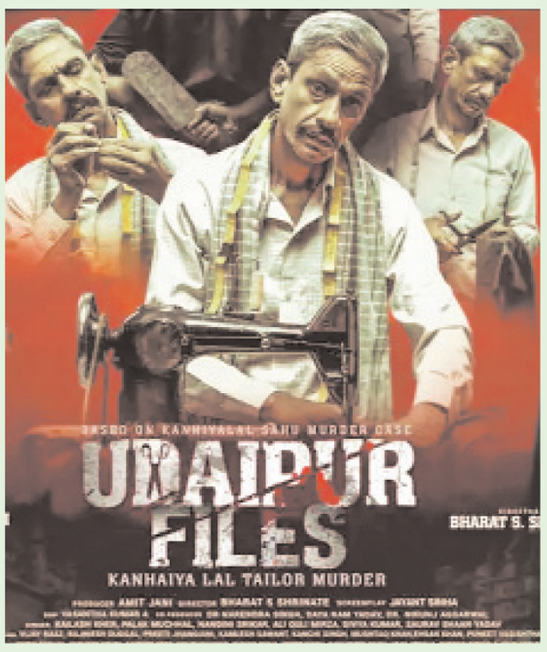


काफी विवादों में रही विजय राज की फिल्म उदयपुर फाइल्स अब जल्द रिलीज होगी। कन्हैया लाल हत्याकांड पर बनी इस फिल्म पर दिल्ली हाई कोर्ट ने रोक लगा दी थी। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने फिल्म में 6 बदलाव करने के आदेश दिए थे और अब इसकी रिलीज पर से रोक हटा ली गई है।

विजय राज की फिल्म उदयपुर फाइल्स रिलीज से पहले काफी विवादो में रही। राजस्थान में टेलर कन्हैया लाल हत्याकांड पर बनी इस फिल्म की रिलीज डेट फाइनली सामने आ गई है। ये फिल?म 11 जुलाई को ही सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली थी, लेकिन तमाम कॉन्ट्रोवर्सी की वजह से इस फिल्म की रिलीज टल गई थी।

**8 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होगी उदयपुर फाइल्स**

विजय राज स्टारर इस फिल्म उदयपुर फाइल्स को लेकर सांप्रदायिक सद्भावना को भड़काने और मुस्लिम समुदाय को बदनाम करने की आशंका के बाद इसमें 6 अतिरिक्त बदलाव किए गए। ये अब 8 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। फिल्म निर्माताओं ने दावा किया कि उन्हें सेंट्रल बोर्ड ऑफ सर्टिफिकेशन (सीबीएफसी) से प्रमाणपत्र मिला है, जिसमें बोर्ड ने 55 सीन काटने का सुझाव दिया है। फिल्म 11 जुलाई को रिलीज होने वाली थी।

# सैयारा की सफलता के बाद इस प्रोजेक्ट में नजर आएंगी अनीत

**फिल्म** सैयारा की सफलता के बाद अब एक्ट्रेस अनीत पड्डा के अगले प्रोजेक्ट को लेकर जानकारी सामने आई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक उनकी अगली सीरीज ओटीटी पर रिलीज होगी। अनीत पड्डा ने हाल ही में बड़े पर्दे पर सैयारा जैसी सुपरहिट फिल्म से लीड एक्ट्रेस के तौर पर धमाकेदार डेब्यू किया है। अब खबर है कि वो जल्द ही एक नए और गंभीर किरदार में नजर आने वाली हैं। कोर्टरूम ड्रामा में दिखेंगी अनीत

एचटी डिजीटल की रिपोर्ट की मानें तो यशराज फिल्म्स से जुड़े सूत्र ने इस प्रोजेक्ट के बारे में जानकारी दी है। ये एक सच्ची घटना से प्रेरित कोर्टरूम ड्रामा बताया जा रहा है, जिसका नाम है न्याय। ये सीरीज एक प्रमुख ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज की जाएगी, जिसमें अनीत के साथ फातिमा सना शेख और अर्जुन माथुर भी प्रमुख भूमिकाओं में होंगे।

**न्याय की कहानी एक युवा**

लड़की की होगी जो एक प्रभावशाली धार्मिक नेता द्वारा यौन शोषण का शिकार होती है और उसके खिलाफ अदालत में लड़ाई लड़ती है। इस सीरीज में अनीत एक 17 वर्षीय पीड़िता की भूमिका निभा रही हैं, जो न सिर्फ सामाजिक दबाव से जूझती है बल्कि कानूनी पछड़ो से भी लड़ती है। वहीं फातिमा सना शेख एक संवेदनशील पुलिस अधिकारी के किरदार में होंगी, और अर्जुन माथुर एक वकील की भूमिका निभा रहे हैं जो न्याय की इस लड़ाई में एक अहम मोड़ लाएंगे।

**सैयारा से पहले हो चुकी थी शूटिंग**

ऐसा बताया जा रहा है कि न्याय की शूटिंग उस समय पूरी हो चुकी थी जब अनीत ने सैयारा साइन भी नहीं की थी। सैयारा की जबरदस्त सफलता के बाद अनीत की ये सीरीज ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज होगी।

**सीरीज का निर्देशन**

न्याय का निर्देशन नित्या मेहरा और करण कपाड़िया ने मिलकर किया है।

# इंडस्ट्री में भेदभाव पर बोलीं नुसरत भरूचा

कई अभिनेत्रियों ने बॉलीवुड इंडस्ट्री में सैलरी और सुविधाओं को लेकर भेदभाव पर बात की है। अब नुसरत भरूचा ने भी इस पर अपनी राय रखी है। उन्होंने हाल ही में कहा है कि बॉलीवुड इंडस्ट्री में महिलाओं के साथ अलग ही व्यवहार होता है। उनका कहना है कि पुरुषों के लिए सेट पर अच्छा वॉशरूम सेट से लेकर अच्छी वैनिटी वैन होती है। हालांकि महिलाओं के लिए सुविधाओं में कमी रहती है। नुसरत ने हाल ही में नयनदीप रक्षित के साथ बातचीत में बताया है जैसे ही बंदा हिट देता, वह इनसाइडर हो या आउटसाइडर इससे फर्क नहीं पड़ता है। उसे तुरंत पांच फिल्में मिल जाएंगी।

हालांकि महिलाओं कों संघर्ष करते रहना पड़ता है। मैं प्यार का पंचनामा (2011) से यह बात बोलती आ रही हूं। बस, आपको मौके की जरूरत होती है। जितने ऑप्शंस हीरो को मिल जाते हैं। उतने हमें नहीं मिलते। इसी बातचीत में नुसरत ने आगे कहा एक वक्त था जब मैं पूछती थी कि क्या पांच मिनट के लिए हीरो की वैनिटी इस्तेमाल कर सकती हूं? वह यहां नहीं है क्या मैं वाशरुम इस्तेमाल कर लू? हालांकि मैं उस वक्त शिकायत नहीं करती थी। मैं खुद से कहती थी कि मैं खुद को ऐसी जगह लाउंगी जहां चीजें अपने आप मिलें। नुसरत भरूचा ने बताया कि एक बार उन्हें फिल्म में छोटा रोल मिला था। उनके साथी अभिनेता को बिजनेस क्लास की टिकट मिली लेकिन उन्हें इकोनॉमी क्लास की। उनके साथियों ने उन्हें बिजनेस क्लास में बैठने के लिए कहा लेकिन वह नहीं आईं। आज वह बिजनेस क्लास में ही सफर करती हैं।

# क्योंकि सास भी कभी बहू थी 2 से लौट सकता है टीवी का सुनहरा दौर:चेतन हंसराज

अनुभवी अभिनेता चेतन हंसराज को उम्मीद है कि लोकप्रिय शो क्योंकि सास भी कभी बहू थी सीजन 2 टीवी का सुनहरा दौर वापस ला सकता है। चेतन का मानना है कि इस शो के वापस आने से लोग फिर से उस तरह की कहानियां देखने को मिलेंगी जो पहले टीवी को खास बनाती थीं। चेतन ने कहा कि भारतीय टीवी बहुत बदल गया है, लेकिन कहानी कहने के तरीके में ज्यादा बदलाव नहीं आया है। उन्होंने बताया कि टीवी का वो सुनहरा समय, जब नई और दिलचस्प कहानियां दिखती थीं, अब बीता हुआ सा लगता है। अभी टीवी पर जो दिखाया जा रहा है, वो थोड़ा एक जैसा और थमा हुआ सा प्रतीत होता है। ब्रह्मराक्षस शो के अभिनेता ने कहा, टीवी बहुत बदल गया है, लेकिन कहानियों के मामले में ज्यादा बदलाव नहीं हुआ है। टीवी का वो सुनहरा दौर बीत गया जब नई और दिलचस्प कहानियां काफी दिखती थीं। अब टीवी पर चीजें थोड़ी रुक-सी गई हैं। मुझे उम्मीद है कि क्योंकि जैसे पुराने शो के वापस आने से, खासकर एकता कपूर और स्मृति ईरानी के साथ, टीवी का वो सुनहरा दौर फिर से लौट आएगा। एकता कपूर का शो क्योंकि सास भी कभी बहू थी 2 29 जुलाई को स्टार प्लस पर शुरू होने वाला है। इस नए सीजन में स्मृति ईरानी और अमर उपाध्याय फिर से अपने पुराने और पसंदीदा किरदार, तुलसी और मिहिर विरानी के रोल में नजर आएंगे। इनके अलावा, शो में हितेन तेजवानी, गौरी प्रधान, शक्ति आनंद, कमलिका गुहा ठाकुरता, शगुन शर्मा, रोहित सुचांती, अमन गांधी, अंकित भाटिया, और तनिषा मेहता अहम किरदार में दिखेंगे। दर्शक इस नए सीजन का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। वहीं चेतन हंसराज की बात करें तो वह कहानी घर घर की, कुसुम, और क्या हुआ तेरा वादा जैसे सीरियल्स में खलनायक की भूमिकाओं में देखे गए हैं।

# सुरवीन चावला ने एक्टिंग करियर में आए उतार-चढ़ाव और डिप्रेशन से गुजरने के अनुभव साझा किए

सुरवीन चावला थ्रिलर सीरीज मंडला मर्डर्स में नजर आ रही हैं। अभिनेत्री अपनी इस सीरीज को लेकर लगातार चर्चाओं में बनी हुई हैं। हाल ही में खास बातचीत में सुरवीन ने मेंटल हेल्थ, एक्टिंग करियर में आए उतार-चढ़ाव और डिप्रेशन से गुजरने के अनुभव साझा किए।

### डिप्रेशन से गुजर चुकी हैं सुरवीन

बातचीत के दौरान सुरवीन चावला ने बताया कि मैं खुद कुछ साल डिप्रेशन से गुजरी हूं। यह वक्त 2015 के आसपास का था, जब मेरी एक हिंदी फिल्म रिलीज हुई थी। मेरे लिए उस समय उस फिल्म को करना बहुत हिम्मत का काम था। उन्होंने कहा कि जब कलाकार के पास विकल्प नहीं होते, तो वो दौर भीतर से तोड़ सकता है। जब आप अपने काम को गंभीरता से लेते हैं, तो वहां तक पहुंचने में वक्त लगता है। उस समय ने मुझे अंदर से झकझोर दिया था। लेकिन उसी दौर ने मुझे बहुत कुछ सिखाया भी। इंडस्ट्री की अनिश्चितता को लेकर एक्ट्रेस ने कहा कि कभी-कभी हमें किसी सवाल का जवाब नहीं मिलता। आप सोचते हो कि ये चीज तो काम कर रही थी, फिर ये क्यों नहीं चली? ये सवाल हर कलाकार के मन में आता है, क्योंकि ये इंडस्ट्री ही ऐसी है।

### मेंटल हेल्थ में बात करना बहुत जरूरी है

मेंटल हेल्थ पर अपनी बात रखते हुए सुरवीन ने कहा कि इसका एक मेडिकल पहलू है, जिस पर मैं कमेंट नहीं करूंगी। लेकिन ये जरूर कहूंगी कि किसी प्रोफेशनल से मदद लेना बहुत जरूरी है। जैसे बुखार होने पर आप डॉक्टर के पास जाते हैं, वैसे ही मेंटल हेल्थ में भी डॉक्टर के पास जाना चाहिए। इसका मतलब ये नहीं कि आप पागल हैं। उन्होंने आगे कहा कि कभी-कभी ये कैमिकल्स का खेल होता है, कभी इमोशन्स का। हर बात जानना जरूरी नहीं होती।

# निर्माता रोशन मैथ्यू की फिल्म में दिखाई देंगी सैयामी खेर

**सेयामी** खेर ने हिंदी के अलावा भी काम किया है। अब सैयामी से जुड़ी एक ऐसी खबर सामने आ रही है। दरअसल, अब सैयामी मलयालम सिनेमा में कदम रखने के लिए तैयार हैं। उन्होंने खुद इस खबर पर मुहर लगाई है। एक्ट्रेस ने अपनी खुशी जताते हुए कहा... मैं रोशन मैथ्यू की फिल्म में कैमियो कर रही हूं। वह एक बेहतरीन फिल्म निर्माता और अभिनेता हैं। मैं उनकी बहुत बड़ी प्रशंसक हूं। मुझे हमेशा से मलयालम सिनेमा बहुत पसंद है और मैं एक दिन लीड एक्ट्रेस कि सैयामी को इन दिनों वेब सीरीज स्पेशल ऑप्स 2 में देखा जा रहा है, जिसका निर्देशन नीरज पांडे ने किया है। इसमें केके मेनन करण टैकर, फारुक अली और प्रकाश राज ने भी काम किया है। ये सीरीज हाल ही में ओटीटी प्लेटफॉर्म जियो हॉटस्टार पर रिलीज हुई है। सीरीज का दूसरा पार्ट लगभग पांच साल के बाद वापस आया है। इससे पहले सैयामी, सनी देओल की फिल्म जाट में नजर आई थीं।

साभार एजेंसी

# परफेक्ट प्लेइंग इलेवन की खोज में भारत, शार्दुल और कंबोज पर सवाल

एजेंसी ▶▶| मैनचेस्टर

इंग्लैंड में पांच मैचों की टेस्ट श्रृंखला अपने अंतिम चरण में पहुंच गई है लेकिन ओल्ड ट्रैफर्ड में यादगार ड्रॉ हासिल करने के बावजूद भारत तीन दिन बाद ओवल में होने वाले पांचवें और अंतिम मैच से पहले अपनी सर्वश्रेष्ठ एकादश, खासकर सही गेंदबाजी संयोजन की तलाश में है।

भारत ने श्रृंखला के दौरान किसी विशेषज्ञ गेंदबाज की बजाय आठवें नंबर तक बल्लेबाजी करने को प्राथमिकता दी, जिस पर लगातार सवाल उठाए जा रहे हैं, खासकर तब जब चोटिल नीतीश रेड्डी की जगह खेल रहे शार्दुल ठाकुर से ओल्ड ट्रैफर्ड में केवल 11 ओवर करवाए गए। लेकिन भारत ने ओल्ड ट्रैफर्ड में 2014 के बाद पहली बार 600 से अधिक रन दिए, इसलिए पिछले 40 दिन से बेंच पर बैठे हुए कुलदीप यादव जैसे विकेट लेने वाले गेंदबाज को टीम में शामिल करने का मामला पहले से कहीं अधिक मजबूत हो गया है।

## भारत ने किसी विशेषज्ञ गेंदबाज की बजाय आठवें नंबर तक बल्लेबाजी करने को प्राथमिकता दी

### तेज गेंदबाजों पर हो रही थकान हावी

अंशुल कंबोज का टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण अच्छा नहीं रहा और उनकी जगह पूरी तरह से फिट आकाशदीप या प्रसिद्ध कृष्णा को अंतिम एकादश में शामिल किया जा सकता है। इसके अलावा तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह भी टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण का सपना देख रहे होंगे। भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने हालांकि रविवार को ड्रॉ के बाद अपने चिरपरिचित आक्रामक लहजे में सभी तेज गेंदबाजों को फिट घोषित कर दिया, लेकिन इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि तेज गेंदबाज, विशेषकर जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज पर अब थकान हावी हो रही है।

*कुलदीप को टीम में शामिल करने के लिए प्रयास : चौथे टेस्ट के दौरान भारत के गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्केल ने कहा, 'हम कुलदीप को अंतिम एकादश में शामिल करने के लिए रास्ता तलाश रहे हैं लेकिन इसके लिए हमारे चोटी के छह बल्लेबाजों को लगातार अच्छा प्रदर्शन करना होगा। उन्होंने कहा, 'कुलदीप विश्वस्तरीय गेंदबाज हैं और इस समय वह बहुत अच्छी गेंदबाजी कर रहे हैं, इसलिए हम उन्हें टीम में शामिल करने के लिए हरसंभव प्रयास कर रहे हैं। 'पहले की योजना के अनुसार बुमराह को कार्यभार प्रबंधन के तहत इस श्रृंखला के तीन टेस्ट मैच में ही खेलना है।*

### भारत चार विशेषज्ञ गेंदबाजों के साथ खेल सकता है

ऋषभ पंत के चोटिल होने के कारण चौथे टेस्ट मैच की दूसरी पारी में वाशिंगटन सुंदर और रविंद्र जडेजा भारत के शीर्ष छह बल्लेबाजों में शामिल थे और इन दोनों ने अपने धैर्य का शानदार नमूना पेश करते हुए शतक लगाए और मैच को ड्रा करने में अहम भूमिका निभाई। यदि ओवल में भी यही तरीका अपनाया जाता है तो ध्रुव जुरेल सातवें नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आएंगे और भारत शार्दुल ठाकुर को बाहर करके चार विशेषज्ञ गेंदबाजों के साथ खेल सकता है। शार्दुल का वैसे भी एक गेंदबाज के रूप में पर्याप्त उपयोग नहीं किया जा रहा है। चौथे गेंदबाज के रूप में कुलदीप यादव को शामिल किया जा सकता है क्योंकि पिच से स्पिनरों को मदद मिलने की उम्मीद है या फिर एक अतिरिक्त तेज गेंदबाज को भी शामिल किया जा सकता है। भारतीय टीम प्रबंधन ने स्वयं स्वीकार किया है कि वह कुलदीप को अंतिम एकादश में शामिल करने का प्रयास कर रहा है, लेकिन आठवें नंबर तक बल्लेबाज रखने की रणनीति के कारण वह ऐसा नहीं कर पा रहा है।

### हम यह दिखाने में सफल रहे कि हम महान टीम क्यों है: गिल

**मैनचेस्टर।** भारतीय कप्तान शुभमन गिल का मानना है कि इंग्लैंड के खिलाफ चौथे टेस्ट मैच के आखिरी दिन ऐतिहासिक प्रदर्शन से हार टालने का विश्वास लोकेश राहुल के साथ उनकी साझेदारी से उपजा है और टीम ने ऐसा करके यह जता दिया वे 'महान टीम' क्यों है। भारतीय टीम ने पहली पारी में 311 रन से पिछड़ने के बाद दूसरी पारी में बिना कोई रन बनाए दो विकेट गंवा दिए थे लेकिन गिल, रविंद्र जडेजा और वाशिंगटन सुंदर ने शानदार शतक जड़कर अपनी टीम को हार से बचाया। इस परिणाम से भारत के पास अब पांच मैचों की श्रृंखला में बराबरी करने का मौका होगा। गिल ने कहा, '140 ओवर तक एक ही मानसिकता बनाए रखना बहुत चुनौतीपूर्ण है। एक अच्छी टीम और एक महान टीम में यही अंतर होता है। मुझे लगता है कि हमने आज यह दिखाया कि हम एक महान टीम हैं।' उन्होंने कहा, ' शून्य रन पर दो विकेट गंवाने के बाद मुझे लगता है कि मेरे और केएल (राहुल) भाई के बीच की साझेदारी ने उम्मीद जगा दी थी कि हम इस काम को कर सकते हैं। मैं बेहद, बेहद खुश हूं। जिस स्थिति में हम कल थे, वहां से ड्रॉ हासिल कर पाना बेहद संतोषजनक है।'

## खबर संक्षेप

### विश्व तैराकी चैंपियनशिप: फ्रीस्टाइल में 43वें स्थान पर रहे प्रकाश

**सिंगापुर।** भारत के अनुभवी तैराक साजन प्रकाश सोमवार को यहां विश्व तैराकी चैंपियनशिप में पुरुषों की 200 मीटर फ्रीस्टाइल स्पर्धा के सेमीफाइनल में जगह बनाने में असफल रहे। इस 31 वर्षीय बटरफ्लाई विशेषज्ञ ने 1:51.57 सेकंड का समय निकालकर अपनी हीट में चौथा और कुल मिलाकर 43वां स्थान हासिल किया। शीर्ष 16 तैराक सेमीफाइनल में पहुंचे। रोमानिया के डेविड पोपोविसी ने 1:45.43 सेकंड के साथ हीट में सबसे तेज समय निकाला जबकि इटली के कार्लोस डी'अम्ब्रोसियो (1:46.67 सेकंड) सेमीफाइनल में जगह बनाने वाले अंतिम तैराक रहे।

### सीनियर ओपन में 24वें स्थान पर रहे अटवाल

**लंदन।** अर्जुन अटवाल छह बर्डी लगाने के बावजूद आईएसपीएस एचएएनडीए सीनियर ओपन गोल्फ के आखिरी दौर में एक अंडर 69 का कार्ड खेल कर संयुक्त 24वें स्थान पर रहे। वह चार दौर में 67-72-69-71 के कार्ड के साथ प्रतियोगिता में खेल रहे तीन भारतीयों में शीर्ष स्थान पर रहे। जीव मिल्खा सिंह (69) संयुक्त 56वें और ज्योति रंधावा (73) संयुक्त 61वें स्थान पर रहे।

### डोल ओपन : ग्रैंडमास्टर पी. इनियान ने जीता खिताब

**नई दिल्ली।** भारतीय ग्रैंडमास्टर पी. इनियान ने पोलैंड के यान मालेक को टाइब्रेकर में हराकर दूसरा डोल ओपन अंतरराष्ट्रीय शतरंज खिताब जीत लिया। फ्रांस में हुए टूर्नामेंट में दोनों खिलाड़ियों के 7.5 अंक रहने के बाद विजेता का निर्धारण टाइब्रेकर के आधार पर हुआ। तमिलनाडु के इरोड के रहने वाले इनियान पूरे टूर्नामेंट में अपराजेय रहे।

### इंग्लैंड टीम ने अंतिम टेस्ट के लिए ऑलराउंडर ओवरटन को किया शामिल

**लंदन।** तीन साल पहले अपने करियर का एकमात्र टेस्ट मैच खेलने वाले ऑलराउंडर जेमी ओवरटन को भारत के खिलाफ गुरुवार से ओवल में शुरू हो रहे पांचवें और अंतिम टेस्ट के लिए इंग्लैंड की 15 सदस्यीय टीम में शामिल किया गया है। 31 वर्षीय ऑलराउंडर ने 2022 में लीड्स में न्यूजीलैंड के खिलाफ अपना एकमात्र टेस्ट मैच खेला था, जिसमें उन्होंने दो विकेट लिए थे और 97 रन बनाए थे। उन्होंने इस साल इंडियन प्रीमियर लीग में चेन्नई सुपर किंग्स की तरफ से तीन मैच खेले थे।

## दिव्या देशमुख ग्रैंडमास्टर बनने वाली चौथी भारतीय महिला और कुल 88वीं खिलाड़ी

# तीन दिन चला क्लासिकल चेस, दिव्या ने पहले रैपिड टाई-ब्रेकर में खेला ड्रॉ, दूसरे में जीती

एजेंसी ▶▶| बातुमी (जॉर्जिया)

जॉर्जिया के बातुमी में सोमवार को खेले गए फाइनल के टाईब्रेकर मुकाबले में दिव्या ने काले मोहरों से खेलते हुए हम्पी को हराया और फिडे महिला विश्व कप का ताज अपने नाम किया। तीन दिन तक चले क्लासिकल चेस के रोमांच ने फैंस को दांतों तले अंगुली चबाने पर मजबूर कर दिया। हम्पी और दिव्या देशमुख ने पहले रैपिड टाई-ब्रेकर में ड्रॉ खेला और फिर दिव्या ने दूसरे में जीत हासिल की। जीत हासिल कर दिव्या फूट फूटकर रो पड़ीं। दिव्या इस प्रतियोगिता में शीर्ष 10 में शामिल तीन खिलाड़ियों को हराकर उलटफेर कर चुकी हैं। उनका पहला शिकार चीन की दूसरी वरीयता प्राप्त जिनर झू थीं। दिव्या ने सेमीफाइनल में चीन की पूर्व महिला विश्व चैंपियन झोंगयी टैन को हराया था।

भारत की युवा शतरंज खिलाड़ी दिव्या देशमुख ने अपने करियर की सबसे बड़ी सफलता हासिल करते हुए हमवतन और अपने से कहीं अधिक अनुभवी कोनेरू हम्पी को टाईब्रेकर में हराकर फिडे महिला विश्व कप का खिताब जीता। इस जीत से 19 साल की दिव्या ने ना सिर्फ यह प्रतिष्ठित टूर्नामेंट जीता बल्कि साथ ही ग्रैंडमास्टर भी बन गईं, जो टूर्नामेंट की शुरुआत में असंभव लग रहा था। वह ग्रैंडमास्टर बनने वाली सिर्फ चौथी भारतीय महिला और कुल 88वीं खिलाड़ी हैं।

### टाईब्रेकर की पहली बाजी में दिव्या ने हम्पी को फिर से ड्रॉ पर रोका

सोमवार को समय नियंत्रित टाईब्रेकर की पहली बाजी में सफेद मोहरों से खेलते हुए दिव्या ने हम्पी को फिर से ड्रॉ पर रोका लेकिन दूसरी बाजी में काले मोहरों से खेलते हुए उन्होंने दो बार की विश्व रैपिड चैंपियन को हराकर जीत दर्ज की। दिव्या अब हम्पी, डी. हरिका और आर. वैशाली के साथ देश की ग्रैंडमास्टर बनने वाली महिलाओं की सूची में शामिल हो गई हैं। हम्पी 38 साल की हैं और 2002 में ग्रैंडमास्टर बनीं जबकि दिव्या का जन्म 2005 में हुआ। दिव्या ऊर्जा से भरी थीं और उन्होंने शुरुआती टाईब्रेकर में हम्पी पर दबाव बनाए रखा और अपनी दिग्गज प्रतिद्वंद्वी को थका दिया और फिर दूसरे टाईब्रेकर में जीत दर्ज की।

**उपलब्धि**

- 2022 भारतीय महिला शतरंज चैंपियन
- 2023 में एशियाई महिला चैंपियन
- 2024 में विश्व अंडर20 बालिका चैंपियन

## दो क्लासिकल बाजी ड्रॉ होने के बाद पहला समूह साबित हुआ निर्णायक

### हम्पी ने खो दिया था अपना संयम

नागपुर की इस खिलाड़ी ने शनिवार और रविवार को खेले गए दो क्लासिकल मुकाबलों के ड्रॉ होने के बाद टाईब्रेकर में जीत दर्ज की। दो क्लासिकल बाजी ड्रॉ होने के बाद टाईब्रेकर का पहला समूह निर्णायक साबित हुआ, जिसमें हम्पी ने अपना संयम खो दिया। विश्व कप और महिला विश्व चैंपियनशिप को छोड़कर हम्पी ने अंतरराष्ट्रीय शतरंजमें सब कुछ जीता है लेकिन किस्मत या फिर अपने धैर्य के कारण विश्व कप खिताब जीतने में नाकाम रही हैं।दिव्या ने दृढ़ निश्चय दिखाया और इस जज्बे का बोनस ग्रैंडमास्टर खिताब था, जो इस प्रतियोगिता के चैंपियन के लिए आरक्षित था।

### दूसरी बाजी रही आक्रमक

दूसरी बाजी में हम्पी ने कैटलन ओपनिंग का इस्तेमाल किया और दिव्या फिर से अच्छी तरह तैयार थीं। हम्पी ने 40वीं चाल में अपना आपा खो दिया और प्यादों को गंवाकर विरोधी खिलाड़ी पर आक्रमण करने की कोशिश की। दिव्या को हालांकि इससे अधिक मुश्किल नहीं हुई। यह दिव्या का दिन था क्योंकि हम्पी के पास फिर से समय की कमी थी और उन्होंने फिर से गलती की, जिससे सैद्धांतिक रूप से दिव्या की जीत की स्थिति बन गई। इस बाजी में दिव्या की किस्मत लंबे समय तक बराबरी और जीत के बीच झूलती रही, जिसके बाद नागपुर की इस लड़की ने बाजी मार ली।

### दिव्या ने किया पेट्रॉफ डिफेंस का इस्तेमाल

*पेट्रॉफ डिफेंस का इस्तेमाल करते हुए दिव्या ने हम्पी को पहली टाईब्रेक बाजी में बेहतर स्थिति में होने का मौका दे दिया था। हम्पी ने हालांकि समय के दबाव में गलती की और जल्द ही वह ऐसी स्थिति में पहुंच गईं, जहां उनके पास दिव्या की रानी के खिलाफ एक रूक (हाथी), बिशप (ऊंट) और एक पॉन (प्यादा) था। हालांकि स्थिति लगभग बराबरी की रही और अंत में हम्पी ने आसानी से ड्रॉ कर लिया।*

### जीत के बाद कहा, अब मैं ग्रैंडमास्टर हूं

*यह जीत ऐसे समय में मिली है जब भारत ने पुरुष शतरंज में काफी सफलता हासिल की है, जिसमें विश्व चैम्पियन डी. गुकेश, आर. प्रज्ञानानंदा और अर्जुन एरिगेसी जैसे खिलाड़ी लगातार अच्छे परिणाम दे रहे हैं। अपने से दोगुनी उम्र की प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ जीत के बाद भावुक दिव्या अपने आंसू नहीं रोक पाईं। हम्पी ने दिव्या के खिलाफ हारने से पहले आखिर तक संघर्ष किया। दिव्या ने कहा, 'मुझे इसे (जीत को) समझने के लिए समय चाहिए। मुझे लगता है कि यह नियति की बात थी कि मुझे इस तरह ग्रैंडमास्टर का खिताब मिला क्योंकि इस (टूर्नामेंट) से पहले मेरे पास एक भी (ग्रैंडमास्टर) नॉर्म नहीं था और अब मैं ग्रैंडमास्टर हूं।*

### इनामी राशि 43 लाख रुपए

*इस शानदार जीत के साथ ही दिव्या देशमुख भारत की 88वीं ग्रैंडमास्टर भी बन गई हैं। ग्रैंडमास्टर की उपाधि शतरंज की दुनिया में सबसे प्रतिष्ठित मानी जाती है और इसे हासिल करना किसी भी खिलाड़ी के करियर की सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक होता है। इस जीत के बाद दिव्या को इनामी राशि के रूप में लगभग 43 लाख रुपए मिलेंगे। वहीं हम्पी को करीब 30 लाख रुपए मिलेंगे।*

### पांच साल की उम्र से खेल रहीं शतरंज

*9 दिसंबर 2005 को नागपुर में जन्मीं दिव्या ने पांच साल की उम्र से शतरंज खेलना शुरू कर दिया था। उनके माता-पिता डॉक्टर हैं। उनके पिता का नाम जितेंद्र और माता का नाम नम्रता है। दिव्या ने 2012 में सात साल की उम्र में अंडर-7 नेशनल चैंपियनशिप जीती। इसके बाद उन्होंने अंडर-10 (डरबन, 2014) और अंडर-12 (ब्राजील, 2017) कैटेगरी में विश्व युवा खिताब भी जीते। इसके बाद 2014 में डरबन में आयोजित अंडर-10 वर्ल्ड यूथ टाइटल और 2017 में ब्राजील में अंडर-12 कैटेगरी में भी खिताब अपने नाम किए। दिव्या ने 2023 में इंटरनेशनल मास्टर का खिताब भी प्राप्त कर लिया। 2024 में उन्होंने विश्व जूनियर गर्ल्स अंडर-20 चैंपियनशिप में भी परचम लहराया, जहां उन्होंने 11 में से 10 अंक जुटाकर शीर्ष स्थान हासिल किया। इसके अलावा, 45वें चेस ओलंपियाड में भारत को स्वर्ण पदक दिलाने में भी उनकी अहम भूमिका रही।*

## मकाऊ ओपन

### सात्विक-चिराग की निगाहें खिताब तथा लक्ष्य और प्रणय की फॉर्म में वापसी पर

एजेंसी ▶▶| मकाऊ

सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारतीय पुरुष युगल जोड़ी मंगलवार से शुरू हो रहे मकाऊ ओपन सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट में अपने अच्छे प्रदर्शन को जारी रखते हुए सत्र का पहला खिताब जीतने के इरादे से कोर्ट पर उतरेगी।

एशियाई खेलों के चैंपियन सात्विक और चिराग ने पिछले सप्ताह चाइना ओपन सुपर 1000 में एक बार फिर सेमीफाइनल में जगह बनाई, जहां उन्हें मलेशिया के दूसरे वरीय आरोन चिया और सोह वूई यिक की जोड़ी से हार का सामना करना पड़ा। दुनिया की तीसरे नंबर की जोड़ी ने इस सत्र में लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है लेकिन वह अभी तक खिताब नहीं जीत पाए हैं। उन्होंने इंडिया ओपन, सिंगापुर ओपन और मलेशिया ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचने के अलावा इंडोनेशिया ओपन के क्वार्टर फाइनल में भी जगह बनाई। मकाऊ ओपन के शुरुआती दौर में उनका सामना लो हैंग यी और एनजी इंग चियोंग की मलेशियाई जोड़ी से होगा।

### लक्ष्य सेन का पहला मुकाबला जियोन ह्योक जिन से

पुरुष एकल में लक्ष्य सेन विश्व चैंपियनशिप से पहले अपनी लय फिर से हासिल करने की उम्मीद करेंगे। सेन का पहला मुकाबला कोरिया के जियोन ह्योक जिन से होगा। इस बीच 2023 के विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता एचएस प्रणय चाइना ओपन के दूसरे दौर में बाहर होने के बाद वापसी की कोशिश करेंगे। वह अपने अभियान की शुरुआत क्वालीफायर के खिलाफ करेंगे। सातवीं वरीयता प्राप्त किशोर खिलाड़ी आयुष शेट्टी भी सभी की नजरों में होंगे, जिन्होंने पिछले महीने अमेरिकी ओपन सुपर 300 में अपना पहला बीडब्ल्यूएफ खिताब जीता था। पहले दौर में उनका सामना चीनी ताइपे के हुआंग यू काई से होगा।विश्व विश्वविद्यालय खेलों की मिश्रित टीम स्पर्धा में कांस्य पदक जीतने वाले सतीश कुमार करुणाकरण बीडब्ल्यूएफ टूर में अपनी छाप छोड़ने की कोशिश करेंगे। उनका पहला मुकाबला मलेशिया के जस्टिन होह से होगा।

## डीसी ओपन : लेयला फर्नांडीज और मिनौर ने जीता खिताब

**वाशिंगटन।** लेयला फर्नांडीज और एलेक्स डी मिनौर ने विपरीत अंदाज में जीत दर्ज करके डीसी ओपन टेनिस टूर्नामेंट में क्रमशः महिला और पुरुष वर्ग का खिताब जीता। कनाडा की 22 वर्षीय खिलाड़ी फर्नांडीज ने अगले महीने होने वाले अमेरिकी ओपन की तैयारी के सिलसिले में महत्वपूर्ण इस हार्ड कोर्ट टूर्नामेंट के फाइनल में अन्ना कालिन्स्काया को 6-1, 6-2 से हराया। अमेरिकी ओपन 2021 की उपविजेता फर्नांडीज ने अपनी चौथी एकल ट्रॉफी जीती। उन्होंने अपनी सभी ट्रॉफी हार्ड-कोर्ट टूर्नामेंटों में जीती हैं। यह पहला अवसर है जबकि उन्होंने किसी डब्ल्यूटीए 500 प्रतियोगिता में खिताब जीता। पुरुष वर्ग में सातवें वरीय एलेक्स डी मिनौर ने फाइनल में तीन चैंपियनशिप अंक बचाकर 12वें नंबर के एलेजांद्रो डेविडोविच फोकिना पर 5-7, 6-1, 7-6 (3) की जीत के साथ अपना 10वां एटीपी और हार्ड कोर्ट पर आठवां खिताब जीता। ऑस्ट्रेलिया का यह 26 वर्षीय खिलाड़ी 2018 में डीसी ओपन में उपविजेता रहा था।

■ लेयला ने अन्ना कालिन्स्काया को 6-1, 6-2 से हराया

## नेशनल बैंक ओपन टेनिस टूर्नामेंट

*मॉन्ट्रियल। नेशनल बैंक ओपन टेनिस टूर्नामेंट में कनाडा की बियांका आंद्रेस्कू, मॉन्ट्रियल में चेक गणराज्य की बारबोरा क्रेजिकोवा के खिलाफ अपने पहले दौर के मैच के दौरान प्रतिक्रिया व्यक्त करती हुई।*

## यूरो महिला 2025: टूर्नामेंट की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुनी गई स्पेन की ऐताना बोनमाटी

# इंग्लैंड की बादशाहत कायम, स्पेन एक कदम पीछे

एजेंसी ▶▶| बासेल

गत विजेता इंग्लैंड ने विश्व चैंपियन स्पेन को पेनल्टी शूट आउट में 3-1 से पराजित करके लगातार दूसरी बार महिला यूरोपीय फुटबॉल चैंपियनशिप (यूरो 2025) का खिताब जीता।

इंग्लैंड ने इस तरह से स्पेन से विश्व कप 2023 के फाइनल में मिली हार का बदला चुकता कर दिया। स्पेन खिताबी हैट्रिक पूरी करने में नाकाम रहा। उसने विश्व कप के अलावा 2024 में यूईएफए नेशंस लीग का खिताब भी जीता था। स्पेन ने मैरियोना काल्डेन्ते के 25वें मिनट में हेडर से किए गए गोल से बढ़त बनाई। इंग्लैंड की तरफ से एलेसिया रुस्सो ने 57वें मिनट में हेडर से गोल करके स्कोर बराबर कर दिया। इससे अतिरिक्त समय के बाद स्कोर 1-1 से बराबरी पर था। इसके बाद पेनल्टी शूटआउट का सहारा लेना पड़ा।

■ इंग्लैंड ने रोमांचक मुकाबले में पेनल्टी शूटआउट के जरिए 3-1 से स्पेन को दी शिकस्त

### स्पेन का खिताबी हैट्रिक पूरा करने का सपना टूटा

स्पेन की टीम इस मुकाबले को जीतकर फीफा वर्ल्ड कप 2023 और यूईएफए नेशंस लीग 2024 के बाद अपनी खिताबी हैट्रिक पूरी करने के इरादे से उतरी थी। हालांकि, इंग्लैंड की दमदार रणनीति और गोलकीपर हन्ना हैम्पटन के बेहतरीन प्रदर्शन ने उनकी उम्मीदों पर पानी फेर दिया।

### शूटआउट में इंग्लैंड ने दिखाया दम

पेनल्टी शूटआउट में इंग्लैंड की गोलकीपर हन्ना हैम्पटन ने मैच का पासा पलट दिया। उन्होंने स्पेन की दो अहम पेनल्टी को बचाकर अपनी टीम को खिताब दिलाने में निर्णायक भूमिका निभाई। इनमें एक किक स्पेन की स्टार खिलाड़ी ऐताना बोनमाटी की थी, जिन्हें टूर्नामेंट की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया। इसके अलावा मैरियोना काल्डेन्ते की पेनल्टी भी हैम्पटन ने शानदार तरीके से रोकी।

### बेहतर खेल ही काफी नहीं

टूर्नामेंट की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी स्पेन की ऐताना बोनमाटी चुनी गई। हार के बाद ऐताना बोनमाटी ने कहा कि हम टूर्नामेंट की सबसे अच्छी टीम थे, लेकिन कभी-कभी सिर्फ बेहतर खेल ही काफी नहीं होता। अब हमारी नजरें 2027 में ब्राजील में होने वाले अगले वर्ल्ड कप पर हैं।

# कंबोडिया और थाईलैंड के नेता संघर्ष विराम के लिए मलेशिया में करेंगे बैठक

» › सुरिन (थाइलैंड), भाषा।

थाईलैंड और कंबोडिया के बीच सीमा पर जारी संघर्ष को जल्द से जल्द समाप्त करने की कोशिशों के मद्देनजर दोनों देशों के नेता मलेशिया में बैठक करेंगे। थाईलैंड और कंबोडिया के बीच पिछले पांच दिन से संघर्ष जारी है और दुनिया दोनों देशों से अपील कर रही है कि वे जल्द से जल्द शांति बहाल करें। कंबोडिया के प्रधानमंत्री हुन मानेट और थाईलैंड के कार्यवाहक प्रधानमंत्री फुमथाम वेचायाचाई मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम के आधिकारिक आवास पर सोमवार दोपहर को बैठक करेंगे। अनवर इब्राहिम इस बैठक की मेजबानी कर रहे हैं और वह दक्षिण-पूर्व एशियाई राष्ट्रों के संगठन (आसियान) के अध्यक्ष भी हैं। थाईलैंड और कंबोडिया की सीमा पर एक सुरंग में बृहस्पतिवार को हुए विस्फोट में पांच थाई सैनिकों के घायल होने के बाद दोनों देशों के बीच संघर्ष शुरू हो गया था। दोनों पक्ष एक-दूसरे पर लड़ाई शुरू करने का आरोप लगाते रहते हैं। थाईलैंड और कंबोडिया के बीच जारी संघर्ष में अब तक कम से कम 35 लोगों की मौत हो चुकी है तथा दो लाख 60,000 से अधिक लोगों को विस्थापित होना पड़ा है। दोनों देशों ने अपने राजदूतों को वापस बुला लिया है।

थाईलैंड और कंबोडिया के सैनिकों ने सोमवार को बताया कि सीमावर्ती इलाकों में अब भी संघर्ष जारी है। अनवर ने रविवार देर रात कहा कि दोनों पक्ष शांति बहाल करने के लिए अपनी शर्तें रखेंगे लेकिन महत्वपूर्ण यह है कि दोनों देश तत्काल संघर्ष विराम समझौते को लागू करें। मलेशिया की राष्ट्रीय समाचार एजेंसी बरनामा की ओर से जारी खबर में अनवर के हवाले से कहा गया, मुझे उम्मीद है कि यह काम करेगा। मलेशिया के प्रधानमंत्री ने कहा, यद्यपि यह स्थिति अन्य देशों जितनी बुरी नहीं है, फिर भी हमें हिंसा को रोकना होगा। थाईलैंड और कंबोडिया यह बैठक तब करने के लिए तैयार हुए हैं जब अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सीधे तौर पर यह चेतावनी दी थी कि यदि दोनों देशों के बीच संघर्ष जारी रहा तो अमेरिका किसी भी देश के साथ व्यापार समझौते पर आगे नहीं बढ़ेगा। कुआलालंपुर के लिए रवाना होने से पहले फुमथाम ने बैंकॉक में संवाददाताओं को बताया कि इस बैठक में अमेरिका और चीन के प्रतिनिधि भी पर्यवेक्षक के रूप में उपस्थित रहेंगे। उन्होंने कहा कि बैठक में मुख्य रूप से संघर्ष विराम पर ध्यान दिया जाएगा, लेकिन विश्वास की कमी एक समस्या बन सकती है क्योंकि कंबोडिया ने अब तक हमले करना बंद नहीं किया है। फुमथाम ने कहा, हमने सूचित किया है कि हमें कंबोडिया पर भरोसा नहीं है। उन्होंने जो कुछ भी किया है उससे पता चलता है कि वे इस समस्या को सुलझाने में ईमानदार नहीं हैं। इसलिए उन्हें अपनी ईमानदारी साबित करने के लिए विस्तार से बताना होगा कि वे क्या करेंगे।

## थाईलैंड की राजधानी में गोलीबारी की घटना में छह लोगों की मौत

**बैंकॉक।** थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक के एक बाजार में सोमवार को एक बंदूकधारी हमलावर ने पांच लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी और फिर खुद भी आत्महत्या कर ली। यह जानकारी स्थानीय मीडिया की खबर से मिली। दैनिक समाचारपत्र बैंकॉक पोस्ट की खबर के मुताबिक यह घटना अपराह्न 12.38 बजे ओर टोर कोर बाजार में हुई। इस बाजार को उच्च गुणवत्ता वाले ताजे फलों और समुद्री खाद्य पदार्थों के लिए जाना जाता है। खबर के मुताबिक मृतकों में चार सुरक्षा गार्ड भी शामिल हैं। बैंकॉक पोस्ट की खबर में पुलिस के हवाले से बताया गया है कि बंदूकधारी बाजार की इमारत के अंदर एक बेंच पर मृत मिला, उसने काली टी-शर्ट और शॉर्ट्स पहने हुए थे। पुलिस ने मृतक का पहचान पत्र और ड्राइविंग लाइसेंस बरामद किया है, जिससे उसकी पहचान खोंग जिले के नोई प्राइडेन (61) के रूप में हुई है। इस हमले में दो महिलाएं घायल भी हुई हैं। पुलिस ने कहा कि अधिकारी हमले के पीछे के मकसद की जांच कर रहे हैं। थाईलैंड में सामूहिक गोलीबारी की घटनाएं आम नहीं हैं, लेकिन हाल के वर्षों में देश में ऐसी कई घटनाएं हुई हैं।

## थाईलैंड, कंबोडिया तत्काल और बिना शर्त संघर्ष-विराम पर सहमत हुए: मलेशिया के प्रधानमंत्री

**पुत्रजय (मलेशिया)।** मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम ने सोमवार को कहा कि थाईलैंड और कंबोडिया तत्काल और बिना शर्त संघर्ष-विराम करने पर सहमत हो गए हैं। इसे थाईलैंड और कंबोडिया के बीच पांच दिन से जारी सीमा संघर्ष को रोकने में बड़ी कामयाबी माना जा रहा है। अनवर ने आसियान (दक्षिण पूर्व एशियाई राष्ट्रों का संगठन) क्षेत्रीय समूह के प्रमुख के रूप में वार्ता की अध्यक्षता की। उन्होंने कहा कि दोनों पक्षों में सामान्य स्थिति बहाल करने के लिए आवश्यक कदम उठाने को लेकर आम सहमति बन गई है। अनवर ने एक संयुक्त बयान पढ़ते हुए कहा कि कंबोडिया के प्रधानमंत्री हुन मानेट और थाईलैंड के कार्यवाहक प्रधानमंत्री फुमथाम वेचायाचाई 28 जुलाई की मध्यरात्रि से तत्काल और बिना शर्त संघर्ष-विराम पर सहमत हो गए हैं। मलेशियाई प्रधानमंत्री ने कहा, यह तनाव कम करने और शांति एवं सुरक्षा की बहाली की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। थाईलैंड और कंबोडिया यह बैठक तब करने के लिए तैयार हुए हैं जब अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सीधे तौर पर यह चेतावनी दी थी कि यदि दोनों देशों के बीच संघर्ष जारी रहा तो अमेरिका किसी भी देश के साथ व्यापार समझौते पर आगे नहीं बढ़ेगा। मलेशिया के प्रधानमंत्री ने बताया कि सीमा पर तनाव कम करने के लिए दोनों पक्षों की सेना और अधिकारी भी बैठकें करेंगे। उन्होंने कहा कि मलेशिया, कंबोडिया और थाईलैंड के विदेश और रक्षा मंत्रियों को निरंतर शांति सुनिश्चित करने के लिए संघर्ष विराम को लागू करने व निगरानी करने के लिए एक विस्तृत तंत्र विकसित करने का निर्देश दिया गया है। हुन मानेट एवं फुनथाम ने बैठक के नतीजों की सराहना की और संक्षिप्त संवाददाता सम्मेलन के समापन के बाद हाथ मिलाया। हुन मानेट ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि द्विपक्षीय संबंध जल्द ही सामान्य होंगे ताकि दोनों तरफ से विस्थापित लगभग 3,00,000 ग्रामीण घर लौट सकें। उन्होंने कहा, अब थाईलैंड और कंबोडिया के बीच विश्वास और सहयोग का पुनर्निर्माण शुरू करने का समय आ गया है। फुनथाम ने कहा कि यह परिणाम शांतिपूर्ण समाधान के लिए थाईलैंड की इच्छा को दर्शाता है। गत बृहस्पतिवार को सीमा पर एक बारूदी सुरंग विस्फोट में पांच थाई सैनिकों के घायल होने के बाद सीमा पर संघर्ष शुरू हो गया था। दोनों पक्षों ने झड़प शुरू करने के लिए एक-दूसरे को दोषी ठहराया, जिसमें कम से कम 35 लोग मारे गए और दोनों पक्षों के 2,60,000 से अधिक लोग विस्थापित हुए। दोनों देशों ने अपने राजदूतों को वापस बुला लिया और थाईलैंड ने कंबोडिया के साथ सभी सीमा चौकियां भी बंद कर दी थी। संयुक्त बयान में कहा गया है कि चीन की भागीदारी के साथ अमेरिका वार्ता का सह-आयोजक है। मलेशिया में चीनी और अमेरिकी राजदूतों ने दो घंटे से अधिक समय तक चली बैठक में भाग लिया।

### इजराइल के युद्ध में अब तक 59,700 से अधिक फलस्तीनी मारे गए

## इजराइल-अर्जेंटीना के पूर्व बंधक ने हमास के कब्जे से भाई को छुड़ाने के लिए लड़ाई जारी रखी

» कफर सबा (इजराइल), भाषा।

गाजा में मानवीय सहायता बढ़ाने के इजराइल के ऐलान के बीच, एक पूर्व इजराइली-अर्जेंटीनियाई बंधक को अपने प्रत्यक्ष अनुभव से पता है कि इसका चरमंथी संगठन हमास द्वारा बंधक बनाए गए लोगों के लिए क्या मतलब हो सकता है। डेढ़ साल तक कैद में रहने वाले इयर हॉर्न ने कहा कि बंधकों को यह पता चल जाता था कि कब अधिक सहायता उपलब्ध थी, क्योंकि उन्हें अधिक भोजन मिलता था। हॉर्न ने कहा, जब खाना कम होता है, तो बंधकों को भी यह कम मिलता है। जब सहायता उपलब्ध होती है, तो संभावना है कि आपको खीरा मिल जाए। हमास के हमले के बाद 46 वर्षीय इयर हॉर्न को सात अक्टूबर 2023 को किबुत्ज नीर ओज से 250 अन्य लोगों के साथ अगवा किया गया था। वह 498 दिन तक गाजा में एक भूमिगत सुरंग में बंधक बनाकर रखे गए, जहां उनके साथ उनके छोटे भाई ईतान हॉर्न (38) भी थे। हॉर्न को 15 फरवरी को रिहा किया गया था। रिहाई के बाद से, हॉर्न गाजा में अब भी बंधक अपने भाई ईतान और 50 अन्य लोगों की रिहाई के लिए संघर्ष कर रहे हैं।

माना जाता है कि इन बंधकों में से 20 अब भी जीवित हैं। इयर ने कहा कि इस सप्ताहांत फिर से इजराइल और हमास के बीच बातचीत ठप हो जाना उनके परिवार के लिए निराशाजनक था। उन्होंने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप समेत कई नेताओं से मुलाकात कर बंधकों की रिहाई की अपील की है।उन्होंने कहा, मैं राजनीति नहीं समझता, मैं केवल इतना चाहता हूं कि मेरा भाई वापस आए। इयर और उनके भाई ईतान को शुरू में अलग-अलग रखा गया था, फिर लगभग 50वें दिन उन्हें एक साथ रखा गया। दोनों भाइयों ने कैद के दौरान बचपन की यादें साझा कीं और एक-दूसरे का हौसला बढ़ाया। उनके माता-पिता के बीच तलाक हो चुका है। इयर की मां रुटी चमेल स्ट्रम ने कहा है कि उन्होंने तीनों भाइयों को पाला है और वे एक-दूसरे के मजबूत सहारे हैं। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा है कि गाजा में इजराइल के युद्ध में अब तक 59,700 से अधिक फलस्तीनी मारे गए हैं, जिनमें आधे से अधिक महिलाएं और बच्चे हैं। मंत्रालय उग्रवादियों और नागरिकों के बीच अंतर नहीं करता है।

## गाजा में इजराइल का हमला, 34 फलस्तीनियों की मौत

**दीर अल बलाह।** इजराइल द्वारा सोमवार को गाजा के विभिन्न स्थानों पर किए गए हमलों में कम से कम 34 फलस्तीनी मारे गए। स्थानीय स्वास्थ्य अधिकारियों ने यह जानकारी दी। इस हमले से एक दिन पहले ही इजराइल ने क्षेत्र में गंभीर होते मानवीय संकट के मद्देनजर सहायता प्रतिबंधों में ढील दी थी। इजराइली सेना ने रविवार को कहा था कि वह बड़ी आबादी वाले गाजा सिटी, दीर अल-बलाह और मुवासी में सीमित समय के लिए युद्ध रोकेगी, ताकि मानवीय सहायता का दायरा बढ़ाया जा सके। यह रोक रविवार से शुरू होकर, अगली सूचना तक, स्थानीय समयानुसार प्रतिदिन पूर्वाह्न 10:00 बजे से रात 8:00 बजे तक रहेगी। मध्य गाजा स्थित अवदा अस्पताल के मुताबिक सात शव उसके पास पहुंचाए गए है। अस्पताल का दावा है कि इन लोगों की मौत सोमवार को अमेरिका और इजराइल समर्थित गाजा ह्यूमैनिटेरियन फ़ाउंडेशन द्वारा संचालित एक सहायता वितरण स्थल के पास इजराइली गोलीबारी में हुई थी। अस्पताल ने बताया कि घटनास्थल के पास ही 20 अन्य लोग घायल भी हुए हैं। फलस्तीनी रेड क्रिसेंट के मुताबिक दक्षिणी शहर खान यूनिस के पश्चिम में मुवासी इलाके में एक घर पर हुए हमले में सात महीने की गर्भवती महिला और 11 अन्य लोगों की मौत हो गई।

## पाकिस्तान : कराची में चीनी नागरिकों पर हमले के तीन आतंकवादी ढेर

» कराची, भाषा।

पाकिस्तानी सुरक्षाबलों ने पिछली रात तीन संदिग्ध आतंकवादियों को मार गिराया जिनपर पिछले साल कराची में चीनी नागरिकों पर हमले की साजिश रचने का आरोप था। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। पिछले साल कराची में आतंकवादी हमले में एक कपड़ा मिल में काम कर रहे दो चीनी नागरिक घायल हो गए थे। आतंकवाद निरोधक विभाग के वरिष्ठ अधिकारी आजाद खान ने बताया कि मारे गए आतंकवादियों में नवंबर 2024 के हमले का कथित मास्टरमाइंड भी शामिल है। उन्होंने इस मास्टरमाइंड की पहचान जाफरान के रूप में की है जो पाकिस्तानी तालिबान से जुड़ा था। पाकिस्तानी तालिबान तहरीक-ए-तालिबान या टीटीपी नाम से जाना जाता है।

चीन, पाकिस्तान पर लगातार दबाव बनाता रहा है कि वह बीजिंग की अरबों डॉलर की बेल्ट एंड रोड पहल के तहत प्रमुख बुनियादी ढांचा परियोजनाओं पर काम कर रहे चीनी नागरिकों की सुरक्षा में सुधार करे। चीनी नागरिक तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) और अलगाववादी बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी समेत आतंकवादी संगठनों के हमलों का शिकार हो रहे हैं। पाकिस्तान ने निजी कारखानों में कार्यरत श्रमिकों समेत चीनी कामगारों के लिए सुरक्षा उपायों को मजबूत करने का वादा किया है।

### न्यूज ब्रीफ

## तुर्किए: जंगल की आग से दो स्वयंसेवकों की मौत, मृतकों की संख्या 17 हुई

» इस्तांबुल, भाषा।

तुर्किए के पश्चिमोत्तर में बर्सा शहर के बाहर जंगल की आग संबंधी घटनाओं में दो स्वयंसेवकों की मौत हो गई और इसी के साथ जून के अंत से अब तक आग से मारे गए लोगों की संख्या बढ़कर 17 हो गई है। समाचार एजेंसी आईएसए के अनुसार, ये दोनों स्वयंसेवक पानी के एक टैंकर के नीचे से निकाले गए थे, जो जंगल की आग बुझाने के लिए जाते वक्त पलट गया था। अस्पताल में इलाज के दौरान दोनों स्वयंसेवकों की मौत हो गई। तुर्किए के चौथे सबसे बड़े शहर बर्सा के आसपास इस सप्ताहांत भीषण आग लगी, जिससे 3,500 से अधिक लोग अपने घर छोड़कर भागने को मजबूर हो गए।

तापमान में असामान्य वृद्धि, शुष्क मौसम और तेज़ हवाओं के कारण आग की तीव्रता बढ़ी है। तुर्किए समेत पूर्वी भूमध्यसागरीय क्षेत्र में इस समय भीषण गर्मी है। बर्सा के आसपास लगी आग तुर्किए में पिछले महीने हुई आग की कई घटनाओं में से एक है। हालांकि अग्निशमन दल ने कई मकानों को जलने से बचा लिया है, लेकिन जंगल का बड़ा हिस्सा राख हो गया है। तुर्किए के वन मंत्री इब्राहिम युमाकली ने रविवार को बताया कि तुर्किए में कम से कम 44 अलग-अलग जगह आग लगी है। बर्सा के अलावा कराबुक (उत्तर-पश्चिम) और काहमांमारस (दक्षिण) में लगी आग सबसे गंभीर हैं।

## बांग्लादेश में विमान हादसे की जांच के लिए आयोग गठित

» ढाका, भाषा।

बांग्लादेश सरकार ने पिछले हफ्ते ढाका में वायुसेना के प्रशिक्षण विमान के एक स्कूल परिसर में दुर्घटनाग्रस्त हो जाने की घटना की जांच के लिए नौ सदस्यीय आयोग का गठन किया है। इस हादसे में 34 लोगों की मौत हो गई थी, जिनमें अधिकतर विद्यार्थी शामिल थे। चीन निर्मित एफ-7 बीजीआई विमान में पिछले सोमवार को ढाका के उत्तर क्षेत्र से उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद तकनीकी खराबी आ गई थी और वह माइलस्टोन स्कूल एवं कॉलेज की दो मंजिला इमारत से टकरा गया था। डेली स्टार अखबार ने रविवार को मंत्रिमंडल संभाग की ओर से जारी राजपत्र के हवाले से प्रकाशित खबर में बताया कि पूर्व सचिव एकेएम जफर उल्लाह खान की अध्यक्षता वाले जांच आयोग से चार सप्ताह के भीतर अपनी रिपोर्ट सौंपने को कहा गया है।

खबर के मुताबिक, आयोग के अन्य सदस्यों में एक सेवानिवृत्त एयर वाइस मार्शल, तीन मंत्रालयों के अतिरिक्त सचिव, ढाका के संभागीय आयुक्त, एक शहरी योजनाकार और बांग्लादेश इंजीनियरिंग एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग के एक प्रोफेसर शामिल हैं। खबर में कहा गया है कि जांच आयोग इस दुर्घटना के कारणों की जांच करेगा, नुकसान एवं हताहतों का आकलन करेगा और जिम्मेदारियों का निर्धारण करेगा।

## पृथ्वी पर पर्याप्त प्राकृतिक हाइड्रोजन मौजूद है जो हरित ऊर्जा के इस्तेमाल में मददगार हो सकती है

» टोरंटो/कैलगरी, भाषा।

पृथ्वी की महाद्वीपीय चट्टानों के सबसे पुराने हिस्सों ने अरबों वर्षों से बड़े पैमाने पर प्राकृतिक हाइड्रोजन उत्पन्न किया है और वैज्ञानिकों का मानना है कि यह गैस पृथ्वी की सतह के नीचे मौजूद भंडारों में संचित हो सकती है, जो आने वाले वर्षों में वैश्विक हाइड्रोजन अर्थव्यवस्था के लिए एक स्थाई स्रोत बन सकती है। माली में एक गैस क्षेत्र से शुद्ध प्राकृतिक हाइड्रोजन का व्यावसायिक उत्पादन इसकी व्यापक संभावनाओं का प्रमाण है, जिसने अमेरिका, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन और यूरोप के नीति-निर्माताओं का ध्यान आकर्षित किया है। साल 2023 के अंत तक दुनियाभर में 40 कंपनियां प्राकृतिक हाइड्रोजन की खोज में सक्रिय थीं और वर्ष 2024 से यह संख्या दोगुनी होने की संभावना जताई गई है। इसमें औद्योगिक निवेशकों और अंतरराष्ट्रीय खनिज कंपनियों की भागीदारी भी बढ़ी है तथा आने वाले दिनों में इस क्षेत्र में नवाचार की भी संभावना है।

ईंधन परिष्करण, अमोनिया और उर्वरक उत्पादन तथा इस्पात उद्योग जैसे क्षेत्रों में पहले से ही हाइड्रोजन का उपयोग हो रहा है। ब्रिटेन सरकार के एक हालिया नीति पत्र के अनुसार, हाइड्रोजन को प्राकृतिक संसाधन के रूप में मान्यता दिए बिना इस क्षेत्र में निवेश और विकास को बढ़ावा देना मुश्किल है। आने वाले समय में निश्चित रूप से इस बात को ध्यान में रख कर नीतियां बनाई जाएंगी। भविष्य में लंबी दूरी की परिवहन प्रणालियों और खनन उद्योग के कारण होने वाले कार्बन उत्सर्जन को कम करने में हाइड्रोजन की अहम भूमिका हो सकती है। वर्तमान में इस्तेमाल हो रहे अधिकतर हाइड्रोजन का उत्पादन जीवाश्म ईंधनों से किया जाता है, जिससे वैश्विक कार्बन उत्सर्जन का लगभग 2.5 प्रतिशत हिस्सा आता है। जबकि प्राकृतिक हाइड्रोजन का कार्बन फुटप्रिंट हरित हाइड्रोजन के बराबर या उससे भी कम माना जाता है। बहरहाल, यह अब भी एक ऐसा संसाधन है जिसका परीक्षण किया जाना है। यूएस जियोलॉजिकल सर्वे के अनुसार, पृथ्वी की सबसे ऊपरी सतह परत में मौजूद प्राकृतिक हाइड्रोजन वैश्विक मांग को लगभग 200 वर्षों तक पूरा कर सकता है। यह हाइड्रोजन लौह-समृद्ध खनिजों और भूजल की रासायनिक अभिक्रियाओं या रेडियोधर्मी प्रक्रियाओं द्वारा बनता है। इन प्रक्रियाओं से हीलियम भी उत्पन्न होता है, जो कनाडा की क्रिटिकल मिनरल्स स्ट्रैटेजी में शामिल एक मूल्यवान तत्व है। माली में एक छोटे हाइड्रोजन भंडार की आकस्मिक खोज और पूर्व सोवियत संघ के ऐतिहासिक आंकड़ों के प्रकाशन ने इस क्षेत्र में वैश्विक रुचि को नई दिशा दी। इसके बाद ऑस्ट्रेलिया, फ्रांस और अमेरिका सहित कई देशों ने इस दिशा में दोबारा अध्ययन शुरू किया। कई देशों में हाइड्रोजन अन्वेषण को लेकर स्पष्ट नीतियों का अभाव है, जिससे निवेश और भूमि अधिग्रहण में बाधा आ रही है। इससे समुदायों के साथ संवाद की प्रक्रिया भी धीमी हो रही है, जो किसी भी ऊर्जा परियोजना की सामाजिक स्वीकृति के लिए आवश्यक होती है। दक्षिण ऑस्ट्रेलिया में प्राकृतिक हाइड्रोजन के लिए नियामक ढांचा बनाए जाने के बाद सरकार को दर्जनों कंपनियों से आवेदन प्राप्त हुए, जिससे यह स्पष्ट होता है कि स्पष्ट नीति के निर्माण से निवेश को गति मिल सकती है। हालांकि नीतियां गहन अध्ययन के बाद बनानी होंगी। प्राकृतिक हाइड्रोजन को भविष्य की स्वच्छ ऊर्जा जरूरतों के लिए एक व्यवहार्य विकल्प के रूप में देखा जा रहा है।

## जर्मनी में ट्रेन के पटरी से उतरने से कम से कम तीन लोगों की मौत, कई अन्य घायल

**बर्लिन, भाषा।** दक्षिणी जर्मनी में रविवार को एक क्षेत्रीय यात्री ट्रेन के पटरी से उतर जाने से कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई और कई अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। प्राधिकारियों ने यह जानकारी दी। संघीय और स्थानीय पुलिस ने बताया कि म्यूनिख से लगभग 158 किलोमीटर (98 मील) पश्चिम में रीडलिंगन के पास हुई इस दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है। दुर्घटनास्थल की तस्वीरों में ट्रेन के कुछ हिस्से पलटे हुए दिखाई दे रहे हैं। यह अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है कि इस हादसे में कितने लोग घायल हुए हैं। शाम छह बजकर 10 मिनट पर एक जंगली इलाके में ट्रेन के कम से कम दो डिब्बे पटरी से उतर गए। उस समय ट्रेन में लगभग 100 लोग सवार थे। बाडेन वुर्टेनबर्ग राज्य के गृह मंत्री थॉमस स्ट्रोबल ने कहा, यहां भारी बारिश हुई है इसलिए इस संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता कि भारी बारिश या भूस्खलन दुर्घटना का कारण हो सकते हैं। जांच जारी है। जर्मन चांसलर फ्रेडरिक मर्ज ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट साझा करते हुए कहा कि वह पीड़ितों के प्रति शोक और उनके परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हैं। जर्मनी की प्रमुख राष्ट्रीय रेल संचालन कंपनी डॉयचे बान ने एक बयान में कहा कि वह जांचकर्ताओं के साथ सहयोग कर रही है। कंपनी ने पीड़ितों के प्रति संवेदना व्यक्त की।

## चीन में भूस्खलन से चार लोगों की मौत और आठ लापता

» बीजिंग, भाषा।

चीन के उत्तरी क्षेत्र में हेबेई प्रांत के एक गांव में सोमवार को भारी बारिश के कारण हुए भूस्खलन में चार लोगों की मौत हो गई और आठ व्यक्ति लापता हो गए। स्थानीय अधिकारियों ने यह जानकारी दी। स्थानीय अधिकारियों ने बताया कि चेंगदे शहर के लुआनपिंग काउंटी स्थित गांव में भूस्खलन हुआ और राहत एवं बचाव अभियान जारी है। चीन के जल संसाधन मंत्रालय ने पिछले चार दिनों में हुई भारी बारिश के बाद बीजिंग में बाढ़ नियंत्रण के लिए आपातकालीन कदम उठाने शुरू कर दिए हैं।

मंत्रालय के अनुसार, बीजिंग के उत्तर-पूर्वी उपनगरों में स्थित मीयुन जलाशय में रविवार को अब तक का सबसे अधिक बाढ़ जल आया। करीब छह दशक पहले यह जलाशय बनाया गया था। इसमें अब से पहले इतना अधिक पानी कभी नहीं आया। इसने स्थानीय प्राधिकारियों से बारिश के पूर्वानुमान और जल स्तर की निगरानी करने तथा चेतावनी संबंधी सूचना शीघ्र जारी करने का आग्रह किया है।

## ग्लोबल स्टूडेंट प्राइज 2025 के शीर्ष 50 प्रतिभागियों में पांच भारतीय भी

» लंदन, भाषा।

भारत के पांच विद्यार्थी उन शीर्ष 50 प्रतिभागियों में शामिल हैं, जिन्हें शिक्षा और समाज पर वास्तविक प्रभाव डालने के लिए 100,000 डॉलर के एक प्रतिष्ठित पुरस्कार के लिए चुना गया है। चेग डॉट ओआरजी ग्लोबल स्टूडेंट प्राइज 2025 उन सभी विद्यार्थियों के लिए खुला है, जो कम से कम 16 वर्ष के हैं और किसी शैक्षणिक संस्थान या प्रशिक्षण एवं कौशल कार्यक्रम में नामांकित हैं। अंशकालिक छात्र और ऑनलाइन पाठ्यक्रमों में नामांकित विद्यार्थी भी इसके लिए पात्र हैं। चुने गए भारतीय विद्यार्थियों में जयपुर के जयश्री पेरीवाल इंटरनेशनल स्कूल के छात्र आदर्श कुमार और मन्नत सामरा, महाराष्ट्र के माध्यमिक एवं उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, कसमपुरा के धीरज गतमाने, बेंगलुरु के द इंटरनेशनल स्कूल के जहान अरोड़ा और दिल्ली एनसीआर क्षेत्र के हेरिटेज इंटरनेशनल एक्सपीरियंस स्कूल के शिवांश गुप्ता शामिल हैं। उनका चयन 148 देशों से प्राप्त लगभग 11,000 प्रविष्टियों और आवेदनों में से किया गया।

इस साल के पुरस्कार के शीर्ष अंतिम 10 प्रतिभागियों की घोषणा अगले महीने होने की उम्मीद है और विजेता का चयन इस वर्ष के अंत में, प्रतिष्ठित व्यक्तियों से बनी ग्लोबल

स्टूडेंट प्राइज अकादमी द्वारा उस सूची में से किया जाएगा। चेग, इंक. के अध्यक्ष और सीईओ नाथन शुल्ट्स ने कहा, चेग में, हमें उन परिवर्तनकर्ताओं का समर्थन करने और उनका सम्मान करने पर गर्व है, जो न केवल एक बेहतर दुनिया की कल्पना कर रहे हैं - बल्कि वे इसका निर्माण भी कर रहे हैं। उन्होंने कहा, पर्यावरण और सामाजिक न्याय से लेकर शिक्षा, स्वास्थ्य और युवा सशक्तीकरण तक, इस वर्ष के ग्लोबल स्टूडेंट प्राइज के अंतिम दौर के प्रतिभागी साहस और नवाचार के साथ दुनिया की सबसे गंभीर चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। कुमार ने कम उम्र में ही कोडिंग सीख ली थी।

## किम जोंग की बहन ने दक्षिण कोरिया के नए राष्ट्रपति की सुलह संबंधी पहल को ठुकराया

» सियोल, भाषा।

उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन की बहन ने दक्षिण कोरिया की नई सरकार के उस प्रस्ताव को ठुकरा दिया है जिसमें उसने दोनों देशों के बीच शांति स्थापित करने के लिए बातचीत की पेशकश की थी। किम जोंग की बहन ने इस प्रस्ताव को सोमवार को खारिज करते हुए कहा कि उत्तर कोरिया को दक्षिण कोरिया के साथ बातचीत करने में कोई रुचि नहीं है, चाहे उसका प्रतिद्वंद्वी कोई भी प्रस्ताव क्यों न पेश करे। किम जोंग उन की बहन किम यो जोंग की इन टिप्पणियों से फिर से यह स्पष्ट होता है कि उत्तर कोरिया का निकट भविष्य में दक्षिण कोरिया तथा अमेरिका के साथ किसी भी प्रकार की कूटनीतिक बातचीत करने का कोई इरादा नहीं है। उत्तर कोरिया इस समय रूस के साथ अपने बढ़ते सहयोग पर अधिक ध्यान दे रहा है।

विशेषज्ञों का कहना है कि यदि उत्तर कोरिया को लगता है कि रूस-यूक्रेन युद्ध समाप्त होने के बाद भी वह रूस के साथ अपने संबंधों को पहले जैसा नहीं रख पाएगा, तो वह अपना रुख बदल सकता है। दक्षिण कोरिया के सरकारी मीडिया द्वारा जारी एक बयान में किम यो जोंग ने कहा, हम एक बार फिर आधिकारिक रुख स्पष्ट करते हैं कि सियोल (दक्षिण कोरिया) में चाहे कोई भी नीति अपनाई जाए और कोई भी प्रस्ताव रखा जाए, हमें उसमें कोई रुचि नहीं है और न ही उनसे मिलने का कोई कारण है और न ही चर्चा करने के लिए कोई मुद्दा है। यह दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ली जे-म्युंग की सरकार की नीति के बारे में उत्तर कोरिया का पहला आधिकारिक बयान है। ली जे-म्युंग जून की शुरुआत में दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति बने थे। उत्तर कोरिया के साथ तनावपूर्ण रिश्तों को सुधारने के लिए राष्ट्रपति ली जे-म्युंग की सरकार ने कई कदम उठाए हैं।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्त्वाधिकारी मुन्ना खान के लिए श्री राम ऑफसेट, 6, शॉपिंग सेंटर, जोरावर सिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312 मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाड़ा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। संपादक मुन्ना खान मों. 08058969180 कार्यालय फोन- 0141-2609886,